@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 18 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 163 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

लोकसभा में गिरा महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन बिल

नहीं मिला दो तिहाई बहुमत

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान का 131वां संशोधन विधेयक, 2026 लोकसभा में शुक्रवार को आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका, जिसके चलते यह पारित नहीं हो पाया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने घोषणा की कि विधेयक को अपेक्षित बहुमत नहीं मिलने के कारण इसे पारित नहीं माना जा सकता।

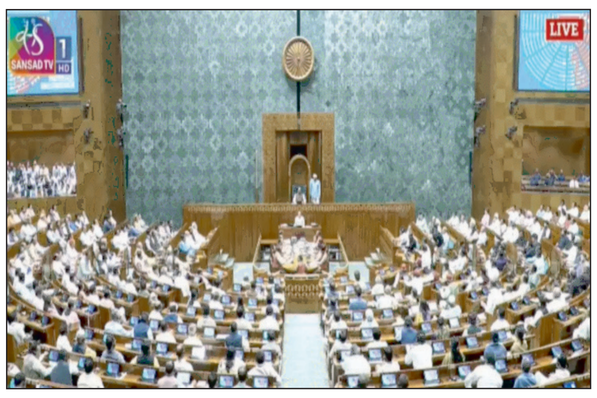

इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही को शनिवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

मतदान के दौरान विधेयक के पक्ष में 298 मत पड़े, जबकि 230 सदस्यों ने इसका विरोध किया। कुल 528 सांसदों ने मतदान प्रक्रिया में भाग लिया और किसी ने भी मतदान से दूरी नहीं बनाई। संविधान के अनुच्छेद 368 के उपबन्धों के अनुसार सभा के कुल सदस्य संख्या के बहुमत द्वारा और सभा में उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के कम से कम दो तिहाई बहुमत द्वारा पारित नहीं हुआ।

इस घटनाक्रम के बाद सरकार ने इससे जुड़े दो अन्य विधेयक केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 को भी वापस लेने का निर्णय लिया। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि ये तीनों विधेयक आपस में गहराई से जुड़े हुए थे, इसलिए इन्हें अलग-अलग नहीं देखा जा सकता।

रिजिजू ने विधेयक को महिलाओं को विधायिकाओं में आरक्षण देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम बताया।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने महिलाओं को उनका अधिकार देने के प्रयास का समर्थन नहीं किया। विपक्ष ने साथ नहीं दिया बहुत खेद की बात है। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि सरकार महिलाओं को उनका हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

'महिलाएं देख रहीं, उनकी राह का रोड़ा कौन है', लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर बोले अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' और 'परिसीमन' पर हुई चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल... इन पांच राज्यों की 543 सीटों में वर्तमान संख्या 129 है, जिसका प्रतिशत 23.76 बनता है। अब वृद्धि के बाद जब इन पांचों राज्यों का आवंटन किया जाता है तो सीटों की संख्या 129 से बढ़कर 195 हो जाएगी। 816 में इसका प्रतिशत निकालेंगे तो 23.87 आएगा। पहले 23.76 प्रतिशत था और अब 23.87 होगा। किसी का कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मैं इस देश की मातृशक्ति से कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी की अनुपस्थिति में कांग्रेस पार्टी ने जो प्रस्ताव रखा है, वह एक सुनियोजित जाल है, ताकि महिला आरक्षण को फिर से 2029 से पहले लागू न होने दिया जाए।

इसलिए ये जो कहते हैं कि हमारे राज्यों को समान भार होना चाहिए, मैं सहमत हूं। महिला आरक्षण बिल 2029 से पहले लागू होगा। 2029 के बाद ले जाने के लिए इनके षड्यंत्र को हम सफल नहीं होने देंगे। मैं समझता हूं कि अगर ये वोट नहीं देंगे तो महिला आरक्षण बिल गिर जाएगा, लेकिन देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनके रास्ते का रोड़ा कौन है। अमित शाह ने कहा कि मैं इस देश की महिलाओं को संबोधित करते हुए यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि राहुल गांधी की अनुपस्थिति में कांग्रेस पार्टी द्वारा पेश किया गया प्रस्ताव, महिलाओं के लिए आरक्षण को 2029 के बाद तक टालने के

लिए रची गई एक सोची-समझी साजिश है, इसलिए मैं उन सभी का समर्थन करता हूं जो हमारे राज्यों में समान प्रतिनिधित्व की वकालत करते हैं। महिलाओं के लिए आरक्षण 2029 से पहले लागू होना चाहिए। हम इस महत्वपूर्ण सुधार को 2029 के बाद तक टालने की उनकी साजिश को सफल नहीं होने देंगे। यहां कुछ सदस्यों ने भ्रांति फैलाई कि मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मैं यहां संविधान की नीतियों को स्पष्ट करना चाहता हूं। भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण को स्वीकार नहीं करता है। इंडिया महागठबंधन वाले तुष्टिकरण की राजनीति के कारण मुस्लिम आरक्षण की मांग खड़ी करना चाहते हैं, और ये संविधान की बात करते हैं। कोई मुझे बता दे कि संविधान के किस अनुच्छेद में धर्म के आधार पर आरक्षण का प्रावधान है। भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण को मान्यता नहीं देता है।

चुनाव आयोग ने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में की 865 करोड़ की जब्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग की ओर से जारी सख्ती के चलते तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने जा रहे विधानसभा चुनावों से पहले अब तक कुल 865 करोड़ रुपये की नकदी एवं अवैध सामग्री की जब्ती की जा चुकी है। दोनों राज्यों में 17 अप्रैल तक कुल मिलाकर 99 करोड़ रुपये नकद, 32 लाख लीटर 84 करोड़ रुपये की शराब, 174 करोड़ रुपये की ड्रग्स, 159 करोड़ रुपये की कीमती धातुएं और 350 करोड़ रुपये की अन्य वस्तुएं जब्त की गई हैं। चुनाव आयोग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार मतदान को हिंसा, भय और लालच से मुक्त रखने के लिए कई उपाय किए गये हैं। इसके लिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है और शिकायतों को त्वरित निपटान किया जा रहा है। आयोग की ओर से 5011 फ्लाइंग स्क्वायड टीम तैनात की गई है। इसमें पश्चिम बंगाल में 2,728 और तमिलनाडु में 2,283 शामिल हैं। इसके अलावा दोनों राज्यों में 5,363 निरीक्षण टीम तैनात की गई है।

परिसीमनः भारत ने आंतरिक मामलों में दखल देने की पाकिस्तान की कोशिशों को किया खारिज

● भारत अपने आंतरिक मामलों में किसी भी प्रकार की बाहरी दखलंदाजी को स्वीकार नहीं करता।

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को भारत में चल रही परिसीमन प्रक्रिया को लेकर पाकिस्तान की ओर से दिए गए बयान को सख्ती से खारिज कर दिया। इस्लामाबाद ने उन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया दी थी, जिनमें कहा गया है कि भारत का परिसीमन विधेयक 2026 पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करता है। नई दिल्ली में साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि भारत अपने आंतरिक मामलों में किसी भी प्रकार की बाहरी दखलंदाजी को स्वीकार नहीं करता।

पाकिस्तान की टिप्पणियों,

विशेषकर जम्मू-कश्मीर में परिसीमन अभ्यास को लेकर पूछे गए सवाल पर जायसवाल ने कहा, 'भारत के आंतरिक मामले पूरी तरह से भारत के आंतरिक मामले हैं और हम इनमें किसी भी तरह की दखल देने की कोशिशों और इस तरह की टिप्पणियों को खारिज करते हैं।'

विदेश मंत्रालय का यह बयान ऐसे समय में आया है जब लोकसभा में तीन महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा जारी है, जिनका उद्देश्य महिलाओं के लिए आरक्षण कानून में संशोधन करना और परिसीमन आयोग की स्थापना करना है। गुरुवार को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा को जानकारी दी थी कि इन तीनों अहम विधेयकों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी और शुक्रवार को मतदान कराया जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी स्पष्ट किया

कि यदि आवश्यक हुआ तो बहस की अवधि बढ़ाई जा सकती है, ताकि सभी सदस्य विस्तार से अपनी बात रख सकें। इस बीच, संविधान (एक सौ इकतीसवां संशोधन) विधेयक, 2026 को लोकसभा में गुरुवार को ध्वनिमत के बाद मत विभाजन के जरिए पेश करने की मंजूरी दे दी गई। यह विधेयक महिलाओं को आरक्षण देने और परिसीमन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से लाया गया है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नहीं होना चाहिए विरोध

● सुमित्रा महाजन, कंगना और हेमा मालिनी का राहुल गांधी पर हमला

एजेंसी

नई दिल्ली। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संबोधन पर भाजपा सांसदों ने नाराजगी जताई है। वहीं, पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने कहा कि सभी दलों को मिलकर इस बिल को पास करना चाहिए, विपक्ष विरोध क्यों कर रहा है? पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा कि मैंने पूरी बहस देखी है। आरक्षण का बिल पास हो गया है, लेकिन अब आरक्षण देने की बात आ रही है, सीटें बढ़ाई जा रही हैं, तो उसे अपनाना चाहिए। पांच साल बाद फिर इसे बदला जा सकता है। इसमें विरोध की क्या बात है? इसमें राजनीति नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को कोई अधिकार मिल रहा है, तो सबको मिलकर खुशी-खुशी इसे पास करना चाहिए। मेरा मानना है कि विरोध न हो, तो ज्यादा ठीक है। मेरा विश्वास है कि सभी मिलकर इसे पास करेंगे। मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने राहुल गांधी के बयान पर कहा कि हर कोई गंभीरता से इस पर चर्चा कर रहा है और राहुल गांधी मजाक कर रहे हैं। वे गंभीर नहीं हैं। संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में हेमा मालिनी ने कहा कि सब लोग इस मुद्दे पर गंभीरता से बोल रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी

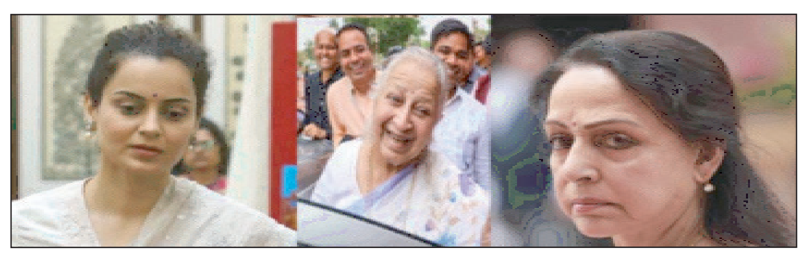

मजाक कर देते हैं। इससे सारी गंभीरता खत्म हो जाती है। वे लोग विरोध कर रहे हैं। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा कि राहुल गांधी अपने बचपन के ट्रॉमा और मैजिक शो के बारे में बोल रहे थे। वह अपनी दादी द्वारा सुनाई गई कहानियों का जिक्र कर रहे थे। स्पीकर को उन्हें टोकना पड़ गया। जब अध्यक्ष ने कहा कि आप ये सब कहना बंद करिए, तो उन्होंने कहा कि आपको मजे आएंगे, आप मजे लीजिए। पूरा देश उन्हें देख रहा है और वे संसद भवन को मजाक बनाकर रख दिए हैं। वहीं, कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने बातचीत में कहा कि महिला आरक्षण को हम सभी मिलकर पहले ही पास कर चुके हैं, लेकिन अब इस विधेयक के नाम पर देश के राजनीतिक परिदृश्य को बदलने की कोशिश की जा रही है और परिसीमन करना चाहते हैं, यह सहमति के लायक नहीं है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण दिखाकर वे परिसीमन लागू करना चाहते हैं, यह हमें मंजूर नहीं है। संसद में अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री ने एक बार भी परिसीमन का जिक्र नहीं किया, जबकि यह बिल उसी से जुड़ा हुआ है। भाजपा अपने हिसाब से देश के राजनीतिक परिदृश्य को बदलने की कोशिश में है। ये सभी घबराए हुए हैं। उन्होंने राहुल गांधी के उस बयान का भी समर्थन किया, जिसमें उन्होंने इस बिल को देशद्रोही बताया।

'हां, हम पत्नी के पैर छूते हैं', लोकसभा में रवि किशन ने विपक्षियों को दी खास सलाह

रवि किशन ने कहा, "आज का दिन स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा और मैं संविधान से जुड़े तीनों विधेयकों का समर्थन करता हूं।

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में महिला आरक्षण पर चर्चा में भाग लेते हुए शुक्रवार को भाजपा सांसद रवि किशन ने अपने अंदाज में कहा कि 'हां हम पत्नी के पैर छुइलां...' उनकी इस बात पर सदन में मौजूद सदस्यों के साथ ही पीठासीन जगदंबिका पाल भी मुस्कुरा उठे। संबोधन की शुरुआत में रवि किशन ने कहा, "आज का दिन स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा और मैं संविधान से जुड़े तीनों विधेयकों का समर्थन करता हूं। ये कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक नए भारत के सपने को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम है। यह सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति का परिणाम है, जिसने नामुमकिन को मुमकिन बना दिया।" इसी दौरान उन्होंने महिला आरक्षण को चुनावी मुद्दा बताने पर विपक्ष को आड़े हाथ लिया और कहा, "ये कोई चुनावी मुद्दा नहीं है। विपक्ष महिला आरक्षण का विरोधी है।"

रवि किशन ने अपने बचपन और गरीबी के दिनों को भी याद किया। उन्होंने कहा, "मेरे गांव और घर में उस समय चूल्हा और शौचालय जैसी सुविधाएं नहीं थीं। ऐसे में मैंने महिलाओं के दर्द को देखा है। वह शौच के लिए शाम के अंधेरे का इंतजार करती थीं, उस अंधेरे के दर्द को मैंने अपने घर में भी महसूस किया। मैंने चूल्हा फूंकते हुए अपनी दादी की आंखों को भी तकलीफ में देखा है।" उन्होंने आगे कहा, "पीएम मोदी आए, तो महिलाओं के उस दर्द का निस्तारण हुआ, देश जागरुक हुआ। देश की महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, चाहे वह पढ़ाई हो या खेल। फिर क्यों ये दरवाजे उन महिलाओं को रोक रहे हैं। 140 करोड़ की आबादी में 70 करोड़ महिलाएं हैं।" इस बीच सदन में हल्का-फुल्का माहौल तब बना जब पीठासीन जगदंबिका पाल ने मजाकिया अंदाज में कहा, "आपका प्रचार तो आपकी पत्नी ही करती हैं।'

दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी की बढ़ी मुश्किलें

● हाई कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने का दिया आदेश

एजेंसी

लखनऊ। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की कथित दोहरी (ब्रिटिश) नागरिकता से जुड़े मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने अहम आदेश जारी किया है। कोर्ट ने रायबरेली जिले के कोतवाली थाना पुलिस को राहुल गांधी के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने का निर्देश दिया है। साथ ही उत्तर प्रदेश पुलिस को पूरे मामले की जांच करने के आदेश भी दिए गए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने पारित किया। अदालत ने याचिका को स्वीकार करते हुए मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। इस मामले में याचिकाकर्ता विग्नेश शिशिर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे 'ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण फैसला' बताते हुए कहा कि माननीय इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने उनकी याचिका को स्वीकार करते हुए रायबरेली के कोतवाली थाना को राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापक

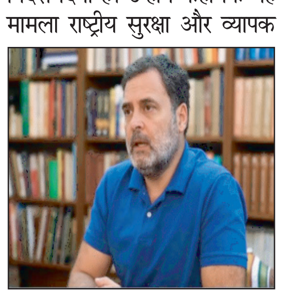

जनहित से जुड़ा हुआ है।

विग्नेश शिशिर ने अपने पोस्ट में यह भी दावा किया कि अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों में कथित तौर पर ब्रिटिश नागरिकता से जुड़े तथ्यों को रखा गया। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया और कहा कि उनके द्वारा 'टॉप सीक्रेट फाइल्स' को अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की अनुमति दी गई। याचिकाकर्ता के अनुसार, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अदालत में यह भी आग्रह किया गया कि मामले की जांच को केंद्रीय एजेंसी को सौंपा जाए। इस पर अदालत ने जांच को सीबीआई को ट्रांसफर करने की अनुमति दे दी है। विग्नेश शिशिर ने यह भी कहा कि इस मामले को आगे बढ़ाने के दौरान उन्हें गंभीर सुरक्षा खतरे का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय से अपील की है कि उनकी सुरक्षा को बढ़ाकर देशभर में उच्चतम स्तर तक किया जाए और सीआरपीएफ के माध्यम से पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए। उन्होंने देशवासियों, समर्थकों और 'राष्ट्रवादी भाइयों-बहनों' का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके समर्थन, आशीर्वाद और प्रार्थनाओं के बिना वह इस महत्वपूर्ण मामले को आगे नहीं बढ़ा पाते। साथ ही उन्होंने आगे की कानूनी प्रक्रिया में भी सभी के सहयोग और ईश्वर के आशीर्वाद की अपेक्षा जताई है।

सीएम योगी ने 'जनता दर्शन' में सुनी 200 लोगों की समस्याएं

बोले त्वरित समाधान कराएं अधिकारी

एजेंसी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन, शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। समस्या से जुड़ी शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित कराएं। जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, 'घबराइए मत। सरकार, आपकी हर समस्या पर प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराएगी।' शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में, महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी बातें सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन कर समस्या/शिकायत का संज्ञान लिया। फिर, अलग-अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किया। साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में मंत्रीमंडल द्वारा दरियाओं, चोओं और सेम नालों से गाद निकालने के लिए हरी झंडी

कौमी पत्रिका

चंडीगढ, 17 अप्रैल: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब मंत्रीमंडल ने जनहितैषी नीति को मंजूरी दे दी है। इसके तहत जमीन मालिकों को अपनी लागत पर दरियाओं, चोओं और नालों से गाद निकालने की इजाजत दे दी गई है। इस नीति के अंतर्गत दरियाओं, चोओं और नालों से निकाली गई सामग्री को मुफ्त इस्तेमाल करने का अधिकार भी दिया गया है। इसका उद्देश्य मॉनसून से पहले बाढ की तैयारियों में तेजी लाना और महत्वपूर्ण हिस्सों में दरियाओं के प्रवाह को बेहतर बनाना है। यह प्रगटावा करते हुये मुख्यमंत्री दफ्तर ने कहा, "मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब कैबिनेट ने सतलुज, ब्यास और सिसवां दरियाओं समेत दरियाओं/चोओं/सेम नालों की सफाई के लिए जमीन मालिकों को अनुमति देने का बड़ा जनहितैषी फैसला लिया है। यह फैसला मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में हुई मंत्री परिषद की बैठक में लिया गया।" जमीन मालिकों को अपनी लागत पर दरियाओं, चोओं और नालों को साफ करने तथा खुदाई की गई सामग्री का मुफ्त इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई है। मंत्रीमंडल ने संबंधित जमीन मालिकों को सतलुज, ब्यास और सिसवां समेत दरियाओं/चोओं/नालों से गाद निकालने और खुदाई की गई सामग्री को मुफ्त में अपनी लागत पर इस्तेमाल करने की नीति को मंजूरी दे दी है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि यह पहल महत्वपूर्ण जगहों पर तेजी से गाद हटाने, दरियाओं/चोओं के प्रवाह की क्षमता ब?ाने और बा? के जोखिम को कम करने में मदद करेगी, जिससे सार्वजनिक और निजी संपत्ति की सुरक्षा होगी। पंजाब सरकार ने 9 महत्वपूर्ण जगहों की पहचान की है जहां आगामी मॉनसून सीजन को देखते हुए पानी के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए गाद निकालने की जरूरत है। यदि इन जगहों पर गाद निकालने की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई तो इससे गाद जमा हो सकती है, दरियाओं/चोओं के प्रवाह की क्षमता घट सकती है और आने वाले मॉनसून के दौरान बा? का खतरा ब? सकता है। इसके अलावा खुदाई की गई सामग्री का प्रयोग जारी नहीं रखा जा सकता। मॉनसून सीजन 2026-27 से पहले समय पर गाद निकालने को सुनिश्चित करने और संवेदनशील जगहों को हल करने के लिए संबंधित जमीन मालिकों को अपनी लागत पर गाद निकालने की अनुमति देने का फैसला किया गया है, जिसमें खुदाई की गई सामग्री का अपने इस्तेमाल के लिए मुफ्त उपयोग किया जाएगा। यह संभावित बा? के खतरों और संबंधित देनदारियों को कम करते हुए गाद निकालने के कामों को तेजी से पूरा करने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली कैबिनेट ने ग्राम पंचायतों के सरपंचों/जिला परिषदों और पंचायत समितियों के चेयरमैन/वाइस चेयरमैन के पदों के लिए पंजाब आरक्षण के नियम-6 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में मंत्रीमंडल ने ग्राम पंचायतों के सरपंचों और पंचायत समितियों के चेयरमैन तथा वाइस चेयरमैन के लिए पंजाब आरक्षण के नियम-6 और जिला परिषदों के नियम-1994 में संशोधन को भी मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य विभिन्न श्रेणियों में प्रतिनिधित्व को तर्कसंगत बनाना है। इस कदम का उद्देश्य अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जाति की महिलाओं, महिलाओं और जनरल श्रेणी के आरक्षण के लिए हर श्रेणी में प्रतिनिधित्व को उचित बनाना है। इसमें कहा गया है कि यदि राज्य में जिला परिषदों की कुल संख्या का 10 प्रतिशत या इससे अधिक प्रभावित होता है तो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जाति की महिलाएं, महिलाएं और जनरल श्रेणियों के रोटेशन के लिए रोस्टर नए सिरे से तैयार किया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में हल्की बारिश ने लोगों दी राहत

18 अप्रैल (शनिवार) को आंशिक रूप से बादल छाए रहने के अनुमान है।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को लगातार पिछले दो दिनों से गर्मी और बढ़ते तापमान के बीच शुक्रवार को हुई हल्की बारिश ने बड़ी राहत दी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में आज का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। यहां शाम को उत्तर-पूर्व दिशा की ओर हवा 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार चलने के आसार हैं। 18 अप्रैल (शनिवार) को आंशिक रूप से बादल छाए रहने के अनुमान है। राजधानी में अधिकतम तापमान 40-42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20-22 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। इसके अलावा, राजधानी के अधिकतर स्थानों का तापमान अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक रहने की चेतावनी दी है। इस दिन हवाओं की गति भी 10 और 15 किमी प्रति घंटा रहने का अनुमान है। 19 अप्रैल को भी आंशिक रूप से बादल छाए रहने के आसार हैं और अधिकतम तापमान 40-42 डिग्री सेल्सियस रहने जबकि न्यूनतम तापमान 22-24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। कुछ स्थानों का तापमान सामान्य से काफी अधिक रह सकता है।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस में बड़ी कार्रवाई, आगरा से 15वां आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। चर्चित रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में जांच एजेंसियों को एक और बड़ी सफलता मिली है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के आगरा से फरार आरोपी प्रदीप कुमार उर्फ 'गाठ' को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश एसटीएफ के साथ संयुक्त रूप से की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी घटना के समय मौके पर मौजूद था और वारदात के बाद से लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए कई राज्यों में छापेमारी की जा रही थी, जिसके बाद उसे आगरा से पकड़ा गया। इस गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले में अब तक कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच एजेंसियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों में शूटर, हथियार सप्लायर और लॉजिस्टिक सपोर्ट देने वाले लोग शामिल हैं। इससे पहले 14 अन्य आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया जा चुका था। यह मामला 31 जनवरी की रात जुहू स्थित फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग से जुड़ा है। अज्ञात हमलावरों ने इमारत की पहली मंजिल को निशाना बनाते हुए कई राउंड गोलियां चलाई थीं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह हमला कथित रूप से उगाही (एक्सटॉर्शन) के उद्देश्य से किया गया था। आरोप है कि इस वारदात के लिए शूटरों को पैसों का लालच दिया गया था। मुख्य शूटर दीपक शर्मा को कथित तौर पर 15 लाख रुपये देने का वादा किया गया था, जिसमें से 50 हजार रुपये एडवांस के रूप में दिए गए थे। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है और बाकी फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

तमिलनाडु चुनाव 2026 में बड़ी सख्ती, 800 करोड़ से अधिक की नकदी व सामान जब्त

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव 2026 के बीच चुनाव आयोग और प्रवर्तन एजेंसियों की सख्त निगरानी के चलते अब तक लगभग 800 करोड़ रुपये की नकदी, कीमती सामान और अन्य अवैध वस्तुएं जब्त की जा चुकी हैं। यह आंकड़ा वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों की तुलना में लगभग दोगुना बताया जा रहा है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 2021 के चुनाव में कुल 446.28 करोड़ रुपये के उपहार और कीमती धातुएं तथा 236.70 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त की गई थी। उस समय जब्त सामान का एक बड़ा हिस्सा वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद वापस कर दिया गया था। इस बार की कार्रवाई पहले से अधिक सख्त दिखाई दे रही है। बुधवार तक की रिपोर्ट के अनुसार, अब तक करीब 800 करोड़ रुपये की जब्ती हो चुकी है, जिसमें नकदी, सोना-चांदी, नशीले पदार्थ और शराब शामिल हैं। इनमें से 126.64 करोड़ रुपये की नकदी ऐसी पाई गई है जिसके पास वैध दस्तावेज नहीं थे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों का सामान जब्त किया गया है, वे उचित दस्तावेज प्रस्तुत कर उसे वापस प्राप्त कर सकते हैं। अब तक लगभग 400 करोड़ रुपये की संपत्ति, जिसमें नकदी और कीमती धातुएं शामिल हैं, जांच के बाद वापस भी की जा चुकी है। पूरे राज्य में यह कार्रवाई फ्लाइंग स्क्वॉड, स्थिर निगरानी टीमों और आयकर विभाग के संयुक्त प्रयास से की जा रही है। तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों पर टीमें 24 घंटे सक्रिय हैं और वाहनों की जांच से लेकर संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

बीजेपी विधायक के बेटे की थार से 5 लोग कुचले, वीडियो वायरल

शिवपुरी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक गंभीर सड़क हादसे और कथित दबंगई का मामला सामने आया है, जिसमें पिछोर विधानसभा से भाजपा विधायक प्रीतम सिंह लोधी के बेटे दिनेश लोधी पर अपनी थार कार से पांच लोगों को टक्कर मारने का आरोप लगा है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। जानकारी के अनुसार, घटना करैरा थाना क्षेत्र की है। शिकायतकर्ता संजय परिहार ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथियों के साथ सुबह करीब 7-30 बजे बाइक से मजदूरी के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार थार कार आई और बाइक सवार तीन मजदूरों तथा पैदल चल रही दो महिलाओं को टक्कर मार दी, जिससे सभी लोग घायल हो गए। पीड़ितों का आरोप है कि कार दिनेश लोधी चला रहे थे और वाहन पर आगे और पीछे विधायक से जुड़े साइन भी लगे हुए थे, जिससे उसकी पहचान स्पष्ट हो रही थी। हादसे के बाद सामने आए वीडियो में दिनेश लोधी घायलों से बहस करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह यह कहते दिख रहे हैं कि उन्होंने हॉर्न और सायरन बजाया था, फिर भी लोग रास्ते से नहीं हटे। उन्होंने यह भी कहा कि वह सुबह जिम जाने के लिए निकले थे। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और वीडियो फुटेज को भी सबूत के तौर पर शामिल किया गया है। इस बीच, जानकारी यह भी सामने आई है कि आरोपी दिनेश लोधी ने खुद पुलिस से कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया है। वहीं, विधायक पिता प्रीतम सिंह लोधी ने भी कहा है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और यदि किसी ने गलती की है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

टीसीएस नासिक कांड में किसी को नहीं बख्शेंगे, किसी को सुरक्षा नहीं मिलेगी : फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) नासिक कांड पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि किसी भी आरोपी को छोड़ा नहीं जाएगा। साथ ही इस मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों से हस्तक्षेप करने की मांग की गई है। यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन से जुड़े मामले नासिक से 7 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला कर्मचारी भी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सीएम फडणवीस ने इस मामले को बेहद चिंताजनक बताया है। साथ ही कहा है कि कड़ी कार्रवाई की जाएगी और इसकी जड़ तक जाने के लिए जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम इसमें शामिल किसी को नहीं बख्शेंगे। किसी को भी सुरक्षा नहीं मिलेगी। हमने केंद्रीय एजेंसियों से इस मामले की जांच करने को कहा है। उन्होंने आशंका जताई है कि मामला बड़े मॉड्यूल से जुड़ा हो सकता है। बता दें गुरुवार को इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को कोर्ट में पेश किया था। जहां से उन्हें 18 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। कोर्ट में पेश किए गए आरोपियों की पहचान रजा रफीक मेमन (35) और शफी बिखान शेख (36) के रूप में हुई है। इन्हें संबंधित मामले में न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद बुधवार को फिर से गिरफ्तार किया गया। नासिक पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक ने दो महिला आरोपियों की भूमिका स्पष्ट करते हुए बुधवार को कहा था कि गिरफ्तार की गई यूनिट की ऑपरेशन और एचआर प्रमुख ने कथित तौर पर एक पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से हतोत्साहित किया था।

होर्मुज के हालात पर भारत की दो टूक कहा- नाविकों की मौत, जहाजों पर खतरा हमें स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में मालवाहक जहाजों की सुरक्षा और वहां लगातार बढ़ते तनाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने दो टूक शब्दों में कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में आम नागरिकों की हत्या और व्यापारिक जहाजों पर मंडराता खतरा किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। भारतीय प्रतिनिधि ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करने और मध्य पूर्व में तनाव कम करने की पुरजोर वकालत की है।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजदूत हरीश पी ने भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि ऊर्जा सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के माध्यम से होने वाला समुद्री व्यापार भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर गहरा दुख जताया कि वर्तमान संघर्ष के दौरान व्यापारिक जहाजों को सैन्य हमलों का निशाना बनाया गया है। भारतीय राजदूत ने कहा कि इस युद्ध की स्थिति के कारण जहाजों पर कार्यरत कई भारतीय नाविकों को अपनी कीमती जान गंवानी पड़ी है, जो बेहद दुखद

और चिंताजनक है।

भारत ने स्पष्ट किया है कि बेगुनाह नाविकों की जान जोखिम में डालना या अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्ग में रुकावट पैदा करना वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा है। भारतीय प्रतिनिधि ने मांग की कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित और बेरोकटोक आवाजाही फिर से बहाल हो सके। 28 फरवरी 2026 को ईरान और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष की शुरुआत के बाद से ही भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव न बढ़ाने और आम नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। भारत ने बातचीत और कूटनीति के जरिए शांति स्थापित करने और सभी देशों की संप्रभुता एवं सीमाओं के सम्मान की बात दोहराई है। गौरतलब है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दबाव बढ़ रहा है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर वार्ता के दौरान इस जलमार्ग को खोलने की अंतरराष्ट्रीय मांग पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां ईरान की संप्रभुता और सुरक्षा का सम्मान होना चाहिए, वहीं दूसरी ओर समुद्री सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता की गारंटी भी दी जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में ईरान के साथ बातचीत विफल होने के बाद अमेरिका ने होर्मुज पर नाकेबंदी का ऐलान कर दिया था, जिसके कारण कई जहाजों को वापस लौटना पड़ा। दूसरी तरफ, ईरान इस महत्वपूर्ण जलमार्ग पर अपना पूर्ण नियंत्रण होने का दावा करता रहा है, जिससे क्षेत्र में सैन्य और कूटनीतिक गतिरोध बना हुआ है।

दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी के खिलाफ होगी एफआईआर, हाईकोर्ट ने कहा- ब्रिटिश नागरिकता की जांच करे सीबीआई

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर करने का आदेश आदेश दिया है। इसके बाद अब राहुल गांधी की मुश्किल बढ़ गई है। दोहरी नागरिकता के मामले में शुक्रवार को लखनऊ बेंच में सुनवाई हुई। यह मामला निचली अदालत के उस फैसले के खिलाफ है, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया था। यूपी सरकार की तरफ से वकील ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई करे। इस पर जज ने मंजूरी दी। कहा कि एफआईआर करके मामले को सीबीआई को ट्रांसफर किया जाए। अब एफआईआर दर्ज होने के बाद प्रकरण की जांच सीबीआई करेगी। गौरतलब है कि कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने यह याचिका दाखिल की थी। याची ने लखनऊ की विशेष एमपी-एमएलए अदालत के 28 जनवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की उसकी अर्जी खारिज कर दी थी। याची ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और मामले की विस्तृत जांच कराने की मांग की थी। याची ने गांधी के खिलाफ भारतीय नागरिक संहिता, पासपोर्ट अधिनियम, आफिसियल सीक्रेट एक्ट के तहत विभिन्न धाराओं में गंभीर आरोप लगाये हैं। राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता मामले में दायर याचिका में उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की विभिन्न धाराओं, ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट 1923, पासपोर्ट एक्ट 1967 और फॉरेनर्स एक्ट 1946 के उल्लंघन के मामले बनते हैं।

महिला आरक्षण पर मायावती का प्रहार, कांग्रेस को बताया गिरगिट, सपा-भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। महिला आरक्षण अधिनियम के लागू होने और इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी होने के साथ ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इस मुद्दे पर सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। मायावती ने विशेष रूप से कांग्रेस की तुलना गिरगिट से करते हुए दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को इन दलों के दोहरे चरित्र से सावधान रहने की सलाह दी है।

बसपा प्रमुख ने कहा कि आज जो कांग्रेस महिला आरक्षण में एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों की भागीदारी की बात कर रही है, वही पार्टी केंद्र की सत्ता में रहते हुए इन वर्गों के आरक्षण कोटे को पूरा करने में हमेशा विफल रही। उन्होंने याद दिलाया कि ओबीसी समाज के लिए मंडल कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की पहल कांग्रेस ने नहीं, बल्कि बसपा के अथक प्रयासों से पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की सरकार ने की थी। मायावती ने सपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पिछड़ी मुस्लिम जातियों को ओबीसी का लाभ देने वाली 1994 की रिपोर्ट को सपा सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया था, जिसे बाद में 1995 में बसपा सरकार ने लागू किया। उनके अनुसार, सपा जब सत्ता में होती है तो उसका रवैया जातिवादी और तिरस्कारी होता है, लेकिन विपक्ष में आते ही वह राजनैतिक स्वार्थ के लिए रंग बदल लेती है।

परिसीमन के मुद्दे पर मायावती ने स्पष्ट किया कि यदि महिला आरक्षण को जल्दी लागू करना है, तो इसे 2011 की जनगणना के आधार पर ही करना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि आज कांग्रेस सत्ता में होती, तो वह भी भाजपा की तरह ही कदम उठाती। मायावती ने जोर देकर कहा कि देश में एससी, एसटी, ओबीसी और मुस्लिम समाज के वास्तविक हितों को लेकर कोई भी दल गंभीर नहीं है। उन्होंने इन वर्गों के लोगों को सलाह दी कि वर्तमान में जो कुछ भी मिल रहा है, उसे स्वीकार कर लें और किसी के बहकावे में न आएं। उन्होंने आह्वान किया कि इन वर्गों को खुद अपने पैरों पर खड़ा होकर समाज को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाना होगा, क्योंकि भविष्य में सही समय आने पर ही उनके हितों का पूर्ण ध्यान रखा जा सकेगा।

संगठन की मजबूती के लिए मंथन में जुटी कांग्रेस, उधर आनंद शर्मा को लेकर अटकलें शुरु

शिमला (एजेंसी)। देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी खुद की मजबूती के लिए विचार मंथन कर रही है। गुरुवार को शिमला में हिमाचल प्रदेश में नई कार्यकारिणी के गठन के बाद प्रदेश कांग्रेस इकाई की पहली महत्वपूर्ण आम सभा पार्टी मुख्यालय, राजीव भवन में आयोजित की गई। प्रदेशाध्यक्ष विनय कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पार्टी के आगामी रोडमैप और आंतरिक चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आनंद शर्मा को लेकर अटकलें शुरु हो गईं।

पार्टी के भीतर चल रही खींचतान और वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा की नाराजगी की अटकलों पर हिमाचल की प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल ने विराम लगाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि शिमला में आनंद शर्मा से उनकी मुलाकात हुई है और पार्टी छोड़ने जैसी चर्चाओं में कोई सच्चाई नहीं है। पाटिल ने स्वीकार किया कि राज्यसभा टिकट न मिलने या अन्य कारणों से काम करने वाले नेताओं में स्वाभाविक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन पार्टी सभी को साथ लेकर चलेगी।

गौरतलब है कि आनंद शर्मा द्वारा हाल ही में विदेश नीति पर केंद्र के रुख की सराहना किए जाने के बाद उनके अगले कदम को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज थीं। वरिष्ठ नेता कौल सिंह ठाकुर ने भी इस दौरान वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी का मुद्दा उठाया।

बैठक में प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल, कैबिनेट मंत्री प्रो. चंद्र कुमार, सह-प्रभारी विधित चौधरी और संगठन महासचिव विनोद जिंटा सहित कार्यकारिणी के सदस्य और सभी जिला अध्यक्ष उपस्थित रहे।

बैठक से पूर्व पत्रकारों से बातचीत में रजनी पाटिल ने स्पष्ट किया कि संगठन का पुनर्गठन लंबे समय बाद हुआ है, और अब मुख्य फोकस जिला व जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाकर आगामी पंचायत चुनावों की तैयारी करना है। उन्होंने महिला आरक्षण बिल का समर्थन करते हुए कहा कि इसे लागू करने से पहले जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होना अनिवार्य है।बैठक के दौरान संगठन में 'एक व्यक्ति-एक पद' के सिद्धांत को लागू करने पर भी गंभीर मंथन हुआ। प्रभारी ने स्पष्ट संकेत दिए कि जो नेता संगठन और सरकार दोनों में पदों पर आसीन हैं, उन्हें एक जिम्मेदारी छोड़नी होगी। सूत्रों के अनुसार, बैठक के बंद कमरे में कुछ नेताओं ने सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। विशेष रूप से मंडी और बिलासपुर जिलों से जुड़े नेताओं ने काम न होने पर अपनी नाराजगी जाहिर की। कुल मिलाकर, इस आम सभा के जरिए कांग्रेस ने जहां एक ओर पंचायत चुनावों के लिए बिगुल फूंका, वहीं दूसरी ओर आंतरिक असंतोष को शांत कर एकजुटता का संदेश देने का प्रयास किया है।

राज्यसभा में राघव चड्ढा ने आप पर कसा तंज, बोले– मैं हाल ही में हटाया गया उपनेता हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में शुक्रवार को एक दिलचस्प राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, जब आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने सदन में बोलते हुए अपनी ही पार्टी पर तंज कस दिया। उन्होंने कहा कि वह 'हाल ही में हटाए गए उपनेता' हैं और इसके बावजूद सदन में मौजूद हैं, जबकि उनकी पार्टी के अन्य प्रमुख नेता अनुपस्थित हैं। सांसद चड्ढा ने यह टिप्पणी उस समय की, जब राज्यसभा में हरिवंश नारायण सिंह को लगातार तीसरी बार उपसभापति चुने जाने पर अभिनंदन प्रस्ताव पर चर्चा चल रही थी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के नेता और नवनियुक्त उपनेता सदन में मौजूद नहीं हैं, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से उन्होंने संजय सिंह और अशोक कुमार मित्तल पर निशाना साधा। इस दौरान चड्ढा ने उपसभापति को बधाई देते हुए उन्हें बोलने का अवसर देने के लिए धन्यवाद भी दिया। उनका यह बयान पार्टी के भीतर हालिया मतभेदों की ओर इशारा करता है, जो सार्वजनिक रूप से भी चर्चा में रहे हैं। उधर, राज्यसभा में हरिवंश नारायण सिंह को निर्विरोध उपसभापति चुना गया। उनके समर्थन में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन अन्य सदस्यों ने किया और इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। घोषणा के बाद सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने उन्हें उपसभापति निर्वाचित घोषित किया। इसके पश्चात सदन के नेता और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें उनकी सीट तक पहुंचाया, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि हरिवंश का यह लगातार तीसरा कार्यकाल है, जो उनकी स्वीकार्यता और संसदीय अनुभव को दर्शाता है। वहीं, राघव चड्ढा का बयान राज्यसभा के इस औपचारिक अवसर पर भी राजनीतिक हलचल पैदा कर गया।

संजय राउत का दावा: मुसीबत में थे अमित शाह तब बालासाहेब ठाकरे ने किया था जज को फोन

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद और मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और शिवसेना संस्थापक दिवंगत बालासाहेब ठाकरे को लेकर एक सनसनीखेज दावा किया है। राउत के मुताबिक, जब अमित शाह गुजरात की राजनीति में संकट में थे और उनके खिलाफ तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा कई मामले दर्ज किए गए थे, तब वे मदद के लिए बालासाहेब ठाकरे के पास पहुंचे थे। राउत का दावा है कि उस समय बालासाहेब ने एक जज को फोन कर अमित शाह की मदद करने के लिए कहा था।

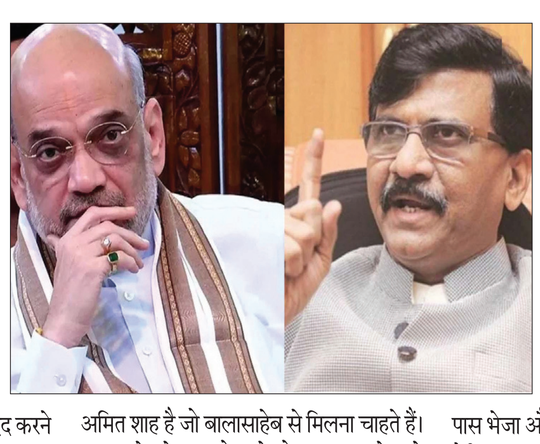

यह दावा संजय राउत ने कपिल सिब्बल के साथ एक इंटरव्यू के दौरान किया। हालांकि, जब उनसे शिवसेना में हुई टूट पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने इस पुरानी घटना का जिक्र किया। संजय राउत ने अमित शाह से जुड़ी घटना का विवरण देते हुए बताया, मातोश्री में बालासाहेब ठाकरे, मैं और हमारे कुछ साथी बैठे थे तो गेट से बार-बार एक मैसेज आता था कि कोई गुजरात से विधायक अमित शाह है जो बालासाहेब से मिलना चाहते हैं। बालासाहेब ने शाम को आने को कहा। राउत ने आगे बताया, अमित शाह फिर शाम को आए और सिक्योरिटी ने फोन किया तो फोन मैंने ही उठाया। मैंने बालासाहेब से कहा कि कोई अमित शाह गुजरात से आया है, बहुत परेशानी में है, एक बार आप मिल लीजिए। उन्होंने कहा अगले दिन 11 बजे बुला लो।

शाह ने कहा था तड़ीपार किया है मदद कीजिए अगले दिन सुबह 11 बजे अमित शाह आए और बालासाहेब को प्रणाम किया। राउत के अनुसार, अमित शाह ने बालासाहेब से कहा, साहेब, मैं कट्टर हिंदुवादी हूं और कांग्रेस ने मेरे ऊपर बहुत केस कर रखे हैं। मुझे तड़ीपार कर दिया है। मैं गुजरात भी नहीं जा सकता। अब मेरी फाइल मुंबई ट्रांसफर हो गई है तो आप जज को फोन करो वो आपकी बात मानेंगे। संजय राउत ने दावा किया कि इसके बाद बालासाहेब ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर जोशी को जज के पास भेजा और कहा कि तुम अपने फोन से जज से मेरी बात करवाना। जोशी ने जज से बालासाहेब की बात करवाई और बालासाहेब ने जज से कहा, तुम अमित शाह की मदद करो वो परेशानी में है। जज ने जवाब दिया, साहेब ये डबल बेंच है और दूसरा जज मुस्लिम है। तो बालासाहेब बोले, तुम तो हिंदू हो मदद करो। संजय राउत ने इस घटना का जिक्र करते हुए कहा कि बालासाहेब की इतनी मदद और उपकार करने के बाद भी इन लोगों ने राजनीतिक स्वार्थ के लिए शिवसेना तोड़ दी।

किसान हितों के मामले में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की जीरो टॉलरेंस की नीति

हैदराबाद (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। नई दिल्ली में मध्यप्रदेश के धार और खरगोन के किसानों ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलकर उनके सामने करेला की फसल में अमानक बीज और रोपे से हुए भारी नुकसान का मामला रखा, जिस पर शिवराज सिंह ने इसे किसानों की आजीविका पर सीधा प्रहार मानते हुए तुरंत अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए और दोषी कंपनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। केंद्रीय मंत्री शिवराज के निर्देशों के बाद मामले में तेज़ कार्रवाई हुई और धार जिले के मनावर थाने में संबंधित कंपनी- नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। कृषि मंत्री शिवराज ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि किसानों के हित उनके लिए सर्वोपरि हैं। मध्यप्रदेश के धार और खरगोन के किसानों ने नई दिल्ली में उनसे भेंट कर करेला फसल में अमानक बीज और रोपे के कारण हुए गंभीर नुकसान की जानकारी दी, जिस पर श्री चौहान ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को साफ कहा कि प्रभावित किसानों को न्याय मिलना चाहिए और उन्हें उचित मुआवजा दिलाने की दिशा में तेजी से कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिस कंपनी की भूमिका इस पूरे मामले में सामने आई है, उसके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इन निर्देशों के बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई तेज हुई और मनावर थाना, जिला धार में एफआईआर क्रमांक 266 दर्ज की गई। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराएं 318(4) और 324(5), आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धाराएं 3 व 7 तथा बीज अधिनियम, 1966 की धारा 19 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। प्राथमिकी में नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना को आरोपी के रूप में दर्ज किया गया है। किसानों की शिकायत है कि उन्होंने नवंबर 2025 में विभिन्न नर्सरियों और कृषि सेवा केंद्रों से संबंधित इस कंपनी के बीज और रोपे खरीदे थे, लेकिन बुआई और रोपण के बाद करेला फसल में अपेक्षित उत्पादन नहीं हुआ और फल छोटे, पीले होकर गिरने लगे। फसल उत्पादन में आई भारी गिरावट के बाद किसानों ने 17 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों द्वारा जांच की गई, जिसमें प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि अमानक बीज एवं अमानक बीज से तैयार रोपे किसानों को प्रमाणित बताकर बेचे गए, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचा। किसानों ने जब दिल्ली आकर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह को ये सब बातें बताई तो श्री चौहान ने कहा कि यह मामला केवल फसल खराब होने का नहीं, बल्कि किसानों के भरोसे, मेहनत और पूंजी को नुकसान पहुंचाने का है। श्री शिवराज सिंह के निर्देश पर इस पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए वैधानिक धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई और जांच आगे बढ़ाई गई है।

क्या है परिसीमन? जिससे बढ़ गई लोकसभा में सीटें...आसान भाषा में समझें

नई दिल्ली (एजेंसी)। परिसीमन शब्द इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। शायद बहुत कम लोग परिसीमन शब्द का अर्थ जानते हैं। परिसीमन का सीधा अर्थ है........जनसंख्या के आधार पर लोकसभा या विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण करना है। यह काम स्वतंत्र परिसीमन आयोग द्वारा किया जाता है, जिसका गठन राष्ट्रपति के नोटिफिकेशन के दवारा होता है। इस आयोग के पास इतनी ताकत होती है कि इसके फैसलों को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती।

परिसीमन का अर्थ

जैसे-जैसे किसी शहर या इलाके की आबादी बढ़ती है, वहां की जरूरतों को संभालने के लिए नए वार्ड या चुनाव क्षेत्र बनाने पड़ते हैं। इसतरह, पूरे देश में जनसंख्या के हिसाब से लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से तय करने की प्रक्रिया को परिसीमन कहते हैं। इसका मकसद यह है कि हर सांसद या विधायक करीब बराबर आबादी का प्रतिनिधित्व करे, ताकि लोकतंत्र में एक वोट, एक मूल्य का सिद्धांत बना रहे। परिसीमन से जुड़ी 5 मुख्य बातें जो आपको जाननी जरुरी हैं।

सीटें क्यों बढ़ रही हैं? अभी हम 1971 की आबादी के हिसाब से चल रहे हैं। बीते 55 साल में देश में 2.25 गुना जनसंख्या बढ़ी है। आबादी बढ़ने से काम में बढ़ोतरी भी होगी। इसकारण सांसदों की संख्या भी 543 से बढ़ाकर लगभग 850 करने की तैयारी है। इसके लिए एक परिसीमन आयोग बनता है। यह इतनी पावरफुल बॉडी है कि इसके फैसले को आप किसी कोर्ट में चुनौती नहीं दे सकते। इसमें सीटें आबादी के हिसाब से तय होती हैं, इसलिए उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में सीटों की संख्या बहुत ज्यादा बढ़ जाएगी। यानी संसद में इन राज्यों के सांसदों का दबदबा बढ़ेगा।

वहीं तमिलनाडु और केरल जैसे दक्षिण भारतीय राज्यों ने जनसंख्या कंट्रोल करने में बहुत अच्छा काम किया है। अब उन्हें ऐसा डर है कि आबादी कम होने के कारण उनकी सीटों में बढ़ोतरी कम होगी, जिससे केंद्र में उनकी आवाज कमजोर पड़ जाएगी। वे इसे अच्छे काम के लिए मिली सजा मान रहे हैं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का कहना है कि यह राज्यों के बीच संतुलन बिगाड़ सकता है और इससे केवल उन राज्यों को फायदा होगा जहाँ भाजपा मजबूत है।

गैस की कमी से जूझ रही दिल्ली में पड़ोसी बन रहे सहारा, मुसीबत में मदद करके पेश कर रहे हैं मिसाल

नई दिल्ली। दिल्ली में गैस सिलिंडर की कमी ने कई घरों की रसोई को मुश्किल में डाल दिया है। कहीं गैस खत्म होने से खाना बनाना बंद हो गया है, तो कहीं परिवार चिंता में है कि अब खाना कैसे बनेगा। ऐसे में कई इलाकों में लोग अपने पड़ोसियों की परेशानी देखकर खुद आगे आ रहे हैं और अपने घर का गैस सिलिंडर देकर उनकी मदद कर रहे हैं। किसी के घर छोटे बच्चे हैं तो कहीं बुजुर्गों के लिए खाना बनाना जरूरी है, ऐसे में पड़ोसी देवदूत बनकर सामने आ रहे हैं। लोगों ने कहा कि संकट के ऐसे ही पलों में इंसानियत और मानवता की असली पहचान सामने आती है। इसका उदाहरण पश्चिम, उत्तर-पश्चिम, दक्षिण, पूर्वी, बाहरी, मध्य और नई दिल्ली के इलाकों में देखने को मिल रहा है। नजफगढ़ के राणा बाबा एन्क्लेव की निवासी रजनी ने बताया कि उनके पड़ोसी के घर अचानक गैस खत्म हो गई थी और छोटे बच्चे भी थे, इसलिए उन्होंने बिना देर किए अपना अतिरिक्त सिलिंडर उन्हें दे दिया। उन्होंने कहा कि अगर हम एक-दूसरे की मदद नहीं करेंगे तो संकट और भी बड़ा हो जाएगा। व्हाट्सऐप ग्रुप के माध्यम से कर रहे मदद – कुछ इलाकों में लोग आपस में जानकारी भी साझा कर रहे कि किसके पास अतिरिक्त सिलिंडर है और किसे जरूरत है। कई जगहों पर व्हाट्सऐप ग्रुप और स्थानीय सोसायटी के माध्यम से भी लोग एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। ऑल द्वारका रेजिडेंट्स फेडरेशन के प्रतिनिधियों ने बताया इस तरह की पहल से न सिर्फ समस्या का अस्थायी समाधान हो रहा है, बल्कि समाज में आपसी भरोसा और भाईचारा भी मजबूत हो रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता अवनीश जैन ने बताया कि संकट के समय में समाज की एकजुटता ही सबसे बड़ी ताकत होती है। संकट लोगों की दैनिक आय को कर रहा प्रभावित – गैस सिलिंडर की कमी का असर छोटे कारोबारों और खाने-पीने के प्रतिष्ठानों को खासा परेशान कर रहा है। कैफे, छोटे रेस्तरां और सड़क किनारे के ढाबों को रसोई चलाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जगहों पर गैस खत्म होने के कारण खाना बनाना धीमा पड़ गया है, जबकि कुछ प्रतिष्ठानों को अस्थायी रूप से बंद भी करना पड़ा है। व्यवसाय मालिकों का कहना है कि गैस सिलेंडर की कमी से उनकी रोज की आय पर सीधा असर पड़ रहा है।

किशोरी को मुरथल घुमाने के बहाने अगवा कर किया यौन उत्पीड़न

दिल्ली। मध्य दिल्ली के रंजीत नगर में अपने दोस्त से मिलने निकली 17 वर्षीय एक किशोरी को एक युवक ने बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया। आरोपी पीड़िता को पहले मुरथल ले गया। वहां से वापसी के दौरान आरोपी ने एक होटल में किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। बाद में वह किशोरी को जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के पास छोड़कर फरार हो गया। रातभर किशोरी घर से गायब रही तो घरवालों की शिकायत पर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। अगले दिन किशोरी को सकुशल बरामद किया गया। छानबीन में जब किशोरी के साथ दुष्कर्म का पता चला तो टीम ने दुष्कर्म और पॉक्सो की धारा जोड़कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से अज्ञात बदमाश का सुराग मिला।

महिला आरक्षण बिल एक राजनीतिक चाल लग रहा है, केंद्र का इरादा संदिग्धः गुरमीत सिंह मीत हेयर

कौमी पत्रिका

चंडीगढ/नई दिल्ली, 17 अप्रैल: आम आदमी पार्टी (आप) के संगरूर से सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने संसद के विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पर बोलते हुए कहा कि महिला आरक्षण बिल को हमारा पूरा समर्थन है, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा इसे लाने की मंशा और समय पर उन्होंने शंका जताते हुए इसे राजनीतिक लाभ लेने के उद्देश्य से उठाया गया कदम बताया। साथ ही उन्होंने परिसीमन बिल का सख्त विरोध करते हुए चेतावनी दी कि यह पंजाब जैसे राज्यों के संघीय ढांचे को तो ?कर उनके प्रतिनिधित्व को और कमजोर कर सकता है। संसद में देर रात हुई बहस को संबोधित करते हुए आप के सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि हम महिला आरक्षण बिल का पूरा समर्थन करते हैं, लेकिन इसके पीछे केंद्र सरकार की मंशा गंभीर शंकाएं ख ?ी करती है। उन्होंने कहा कि जिस तरीके और समय पर यह बिल लाया गया है, उससे पता

लगता है कि इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ठोस कदम की बजाय राजनीतिक लाभ की कोशिश के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। आप सांसद ने आगे कहा कि अगर केंद्र सरकार का इरादा साफ और सही होता तो वह इस बिल को 2023 में ही पास कर सकती थी। उस समय केंद्र द्वारा यह दलील दी गई थी कि यह बिल जनगणना के बाद लाया जाएगा, लेकिन अब भी यह बिल उसी समय लाया गया है, जब जनगणना का काम अभी शुरू भी नहीं हुआ है, जो केंद्र की संदिग्ध पहुँच की ओर इशारा करता है। परिसीमन बिल का सख्त विरोध करते हुए गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि यह परिसीमन बिल राज्यों के राजनीतिक संतुलन पर बुरा प्रभाव डाल सकता है, जिससे पंजाब जैसे छोटे राज्यों का प्रतिनिधित्व और कम हो जाएगा, जबकि ज्यादा आबादी वाले राज्यों को इसका काफी लाभ होगा, जो छोटे और ब? राज्यों के बीच असमानताओं को और गहरा करेगा। उन्होंने पंजाब से संबंधित लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को उजागर करते हुए कहा कि आजादी से पहले और बाद में पंजाब से किए गए वादे अभी तक अधूरे हैं। पंजाब को विशेष दर्जा देने की बजाय, राज्य के फंड रोके जा रहे हैं और बीबीएमबी पर भी राज्य के अधिकारों को लगातार खोखला किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कम प्रतिनिधित्व के कारण पंजाब के साथ पहले ही सौतेली मां वाला सलूक होता रहा है और यह परिसीमन इस स्थिति को और भी बिगा? देगा। अन्य देशों से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों में सभी राज्यों को बराबर अधिकार मिल रहे हैं, इसे ध्यान में रखते हुए भारत को भी ऐसे ढांचे की ओर बढना चाहिए जहां आबादी को देखे बिना हर राज्य के साथ निष्पक्षता और बराबरी से पेश आया जाए। प्रवासी पंजाबियों से संबंधित मुद्दा उठाते हुए गुरमीत सिंह मीत हेयर ने नीति सुधारों की वकालत करते हुए कहा कि प्रवासी पंजाबियों ने देश और पंजाब के लिए ब ?ा योगदान दिया है और अब समय आ गया है कि सरकार उनकी भूमिका को पहचानते हुए भारत के साथ उनके संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रवासी पंजाबियों को दोहरी नागरिकता देने पर गंभीरता से विचार करे।

महापौर के लिए भाजपा में मंथन शुरू, महिला चेहरे पर दांव की तैयारी; चुनाव इस महीने के अंत में

नई दिल्ली। एमसीडी के महापौर पद के लिए इस माह के अंत में होने वाले चुनाव को लेकर भाजपा में अंदरूनी हलचल तेज हो गई है। इस पर पार्टी नेताओं ने मंथन शुरू कर दिया है। इस संबंध में प्रदेश स्तर पर ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर के नेता भी चर्चा कर रहे हैं। पार्टी इस बार महिला सशक्तिकरण का संदेश देने के लिए महिला महापौर बनाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि भाजपा किसी अनुभवी महिला पार्षद को इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंप सकती है। भाजपा के नेताओं के अनुसार, महिला महापौर के चयन के पीछे 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर चल रहा राजनीतिक अभियान एक अहम कारण बन रहा है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले इस कानून के समर्थन में भाजपा दिल्ली में व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान चला रही है। ऐसे में महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाकर पार्टी एक मजबूत और स्पष्ट राजनीतिक संदेश देना चाहती है। इसके अलावा, एमसीडी में सत्ता संभालने के बाद महिला पार्षद को महापौर न बनाए जाने को भी इस निर्णय से जोड़कर देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी नेतृत्व ऐसे चेहरे की तलाश में है जो न केवल अनुभवी हो, बल्कि एमसीडी के कामकाज और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की गहरी समझ भी रखता हो। महिला दावेदारों में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा और नीमा भगत के नाम प्रमुख रूप से सामने आ रहे हैं। दोनों ही नेता पूर्वी दिल्ली नगर निगम की महापौर रह चुकी हैं और संगठन व प्रशासन दोनों स्तरों पर मजबूत पकड़ रखती हैं। इसके अलावा मध्य जोन वार्ड समिति की अध्यक्ष योगिता सिंह और स्थायी समिति की सदस्य अंजु भी संभावित दावेदारों की सूची में शामिल हैं। हालांकि, इस कवायद के बीच पुरुष पार्षद भी पीछे नहीं हैं और महापौर पद के लिए सक्रिय रूप से लॉबिंग कर रहे हैं। वर्तमान महापौर राजा इकबाल सिंह, उपमहापौर जयभगवान यादव, नेता सदन प्रवेश वाही, शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा और उपाध्यक्ष अमित खड़खड़ी के नाम भी चर्चा में हैं। ये सभी पार्षद अपने आकाओं के अलावा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के यहां अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटे हैं, जिससे पार्टी के भीतर प्रतिस्पर्धा और भी रोचक हो गई है। एमसीडी में पूर्ण बहुमत होने के कारण भाजपा के सामने जीत की चुनौती नहीं है, लेकिन सही चेहरे के चयन की कसौटी जरूर है। महिला महापौर के जरिए पार्टी जहां संगठनात्मक संतुलन साधने की कोशिश में है, वहीं आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए महिला मतदाताओं को साधने की रणनीति भी साफ दिखाई दे रही है। अब सबकी नजरें भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर टिकी हैं, जो अंतिम फैसला करेगा। आने वाले दिनों में महापौर पद के उम्मीदवार का नाम साफ हो जाएगा, लेकिन फिलहाल यह तय है कि इस बार एमसीडी का महापौर चुनाव भाजपा के भीतर ही दिलचस्प और कड़े मुकाबले का रूप ले चुका है।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Anuj Kumar & Sh. Jaiveer Singh** are the owner of the Plot No. 15, area measuring 25+25=50 sq. yds., out of khasra no. 821/2/1, situated in Gulab Vatika, village Bahta Hajipur, Loni, Pargana and Tehsil Loni, Distt. Ghaziabad, U.P vide Sale Deed dated 18.06.2020 which is registered as doc no. 4117, vol no. 1584, pages 53-72, SR-Loni & Gift Deed dated 25.03.2026 which is registered as doc no. 5545 vol no. 8176 pages 127-148 dated 25.03.2026 in SRO LONI and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, NANDA is legally mother of No. 2804586M Rank- HAV Name- SHAMRAO PINGAT presently residing at VILL- GOUNDWAD, POST-B.K. KANGRALI,TEH- BELGAUM, DIST- BELGAUM,(KARNATAKA), PIN-590010, have changed my Name from NANDA to NANDA NARAYAN PINGAT and date of birth from 22/03/1965 to 27/06/1970 for all future purposes. Vide affidavit dated 17.04.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I,SURESH is Legally father of No. 2808864M,Rank -HAV Name - KADAM AJINATH SURESH presently residing VILL-KHARAGWADI,POST-RAIMOHA,TEH-SHIRUR DIST-BEED, (MAHARASHTRA)-414205 have changed my name from SURESH TO SURESH ANNA KADAM date of birth from 01/02/1958 to 01/07/1967 for all future purposes. Vide affidavit dated 17/04/2026 before Public Notary Delhi India.

NAME CHANGE

I,MUKTABAI is Legally Mother of No. 2808864M Rank -HAV Name - KADAM AJINATH SURESH presently residing VILL-KHARAGWADI, POST- RAIMOHA, TEH-SHIRUR, DIST-BEED (MAHARASHTRA)-414205 have changed my name from MUKTABAI TO MUKTABAI SURESH KADAM date of birth from 02/01/1960 to 01/01/1968 for all future purposes. Vide affidavit dated. 17/04/2026 before Public Notary Delhi India.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Saira Bano W/O Mohammad Arif Alias Mohd Arif R/O 129, First Floor, Main Market Punjabi Gali Okhla, Jamia Nagar, Delhi-110025, have changed the name of my minor daughter Maria to Mariya Arif Khaan (age about 11 years) and she shall hereafter be known as Mariya Arif Khaan for all purpose.

NAME CHANGE

I SUBHEDAR DILIP RAGHUNATHRAO legally father of Army No. JC 462033F RANK - SUB, Name - SUBHEDAR DEEPAK DILIP, 8 MARATHA LI, Presently Residing At Malad, Post - Malad, Teh - Baramati, Dist. Pune, Pin - 413102, Maharashtra, have changed my name from SUBHEDAR DILIP RAGHUNATHRAO to DILIP RAGHUNATH SUBHEDAR for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 15/09/1958 instead of my correct date of birth as 01/01/1953 Vide Affidavit dated 17/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I DIPALI legally mother of Army No. JC 462033F RANK - SUB, Name - SUBHEDAR DEEPAK DILIP, 8 MARATHA LI, Presently Residing At Malad, Post - Malad, Teh - Baramati, Dist. Pune, Pin - 413102, Maharashtra, have changed my name from DIPALI to DIPALI DILIP SUBHEDAR for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 15/09/1963 instead of my correct date of birth as 01/01/1959 Vide Affidavit dated 17/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, ARUNA is legally mother of No. 2821874P,Rank- SEP Name- CHAUDHARI KIRTIKUMAR LILADHAR presently residing at VILL- BARBASPURA, POST- KACHEWANI,TEH- TIRORA, DIST- GONDIYA, STATE- MAHARASHTRA,PIN-441614, have changed my name from ARUNA to ARUNA LILADHAR CHAUDHARI and date of birth from 15/02/1977 to 15/12/1977 for all future purposes. Vide affidavit dated 17/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, LILADHAR CHAUDHARI F/O No. 2821874P Rank- SEP Name- CHAUDHARI KIRTIKUMAR LILADHAR presently residing at VILL- BARBASPURA, POST- KACHEWANI,TEH- TIRORA, DIST- GONDIYA, STATE MAHARASHTRA, PIN-441614, have changed my name from LILADHAR CHAUDHARI to LILADHAR RUPCHAND CHAUDHARI And Date of birth from 30/03/1972 for all future purposes. Vide affidavit dated 17/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SUNITA is Legally Mother of NO 2817611Y, RANK-NK, NAME-DESAVALE AKSHAY LAXMAN VILL-BAHADURAWADI, POST- BAHADURAWADI, TEH-WALWA,DIST-SANGLI, STATE-MAHARASHTRA, PIN - 415411,HAVE CHANGE MY NAME FROM SUNITA TO SUNITA LAXMAN DESAVALE AND DATE OF BIRTH FROM 01/01/1978 ALL FUTURE PUROSES VIDE AFFIDAVIT DATED 17/04/2026 BEFORE NOTORY PUBLIC DELHI

नाम परिवर्तन

मेरे सैन्य अभिलेखों में त्रुटिवश मेरी माताजी का नाम वीरा देवी दर्ज हो गया है, जो की गलत है, जबकि मेरे माताजी का सही नाम बीरा चौहान है। 4105616L Rfn Ankit Chauhan 8TH GARH RIFF, पता : डब्लूजेड 539 बी टी/फ्लोर, फ्रंट साइड, गली न 15 एफ, साध नगर 2 पालम कॉलोनी, पालम गांव, पालम गाँव, दक्षीण पश्चिम दिल्ली
दिल्ली : 110045 नई दिल्ली As per affidavit No. IN-DL 92900008332451Y Date: 13-Apr-2026

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my clients namely VINOD YADAV S/O SH. VINDESHWAR YADAV (AADHAR CARD NO.8768 3341 0098) his date of birth is 01.01.1980 and his wife ANNU DEVI W/O SH. VINOD YADAV R/ PLOT NO.21A, ??.??.-27/14, GOYLA VIHAR, NEAR SENT THOMUS SCHOOL, NEW DELHI-110071, A BLOCK, GOYLA KHURD, PO-DC GOYLA, DISTRICT SOUTH WEST, NEW DELHI-110071, have disowned, debarred, discarded all there relations to his son namely Sachin S/O Sh. Vonod Yadav, aged about 19 years from all their moveable and immovable properties because of their son above named is out of control of my clients, My clients have severed all relations with them. Anyone dealing with him may do at his own risks, costs and consequences. Anyone dealing with him may do so at his own risks, costs and consequences. In future if the above named Sachin is faced any unwanted incident, then my clients shall not responsible whatsoever.

RAMBIR SINGH Advocate
CH. NO.-757, Lawyer's
Chamber Complex District Courts
Dwarka, Sector 10,
New Delhi-110075

NAME CHANGE

I, hitherto known as SONIKA NITIN NIMJE W/O NITIN LAKHAN NIMJE R/O A-53, FIRST FLOOR, FRONT SIDE, RAM NAGAR, OM VIHAR METRO PILLAR NUMBER-704, UTTAM NAGAR WEST, DELHI-110059, have changed my name and shall hereafter be known as PRINCESS SONIKA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, No-14830872P Rank-HAV Name-JAHENDA SINGH BAGHEL Presently residing at VPO-CHIRULI, DABRA, DIST-GWALIOR, MADHYA PRADESH-475110, have changed my daughter's name from RASHMI to RASHMI BAGHEL for all future purposes vide Affidavit dated 17/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RADHESHYAM Father of No-17006604N Rank-NK Name-DHANASUKHA PATIDAR residing at WARD NO-05, VPO-BARKHEDA LOYA, TEHSIL-GAROTH, DIST-MANDSAUR, MADHYA PRADESH-458880, have changed my name from RADHESHYAM to RADHESHYAM PATIDAR for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 06/08/1965 instead of my correct date of birth as 01/12/1962 Vide Affidavit dated 17/04/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, SANTOSH BAI mother of No-17006604N Rank-NK Name-DHANASUKHA PATIDAR residing at WARD NO-05, VPO-BARKHEDA LOYA, TEHSIL-GAROTH, DIST-MANDSAUR, MADHYA PRADESH-458880, have changed my name from SANTOSH BAI to SANTOSH BAI PATIDAR for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 02/04/1969 instead of my correct date of birth as 01/01/1967 Vide Affidavit dated 17/04/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

PUBLIC NOTICE

That my client Ishwari Dutt Son of Shri Bhawani Dutt resident of Block -A, Gali No.8, KH-40/4, I.P. Colony, Part -2, Radhe Krishan Mandir, Burari Delhi, Delhi 110084, have changed his name from Ishwari Dutt to Ishwari Dutt Pathak with his own free will. Now his said new name Ishwari Dutt Pathak shall be used for all purposes in future.

Rajesh Jindal Advocate
Chamber No. 221, Block-S, Lawyer
Chambers, Delhi High Court,
New Delhi-110003

NAME CHANGE

I, Sudha W/o Chandra Prakash Rank - Hav Army No 10535811K Resident of Village - Jatpura, PO - Pharaijee, Teh - Bhogaon Dist. - Mainpuri, State - Uttar Pradesh Pin- 206303 My husband posted at Bihar Regt Center C/o - 56 APO, Danapur, Pin-908765 Army Service book have changed my name From Kumari Sudha to Sudha & Correct DOB 24 August 1989 for All future purposes. My Aadhar bearing No. 464043623904. Vide Affidavit Dated 17 April 2026 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE

I, Chandra Prakash Rank - HAV Army No. 10535811K Resident of Village - Jatpura, PO - Pharaijee, Teh - Bhogaon, Dist. - Mainpuri, State - Uttar Pradesh Pin- 206303 posted at Bihar Regt Center C/o - 56 APO, Danapur, Pin-908765 Army Service book have changed my son name From Sivank Pal to Shivank Pal & my Son Correct DOB 01 Jan 2012 for All future purposes. My son Aadhar bearing No. 731478288695. Vide Affidavit Dated 17 April 2026 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE

I hitherto known as MITHILESH W/O PRAKASH R/O W-43, Canal Colony, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi, South Delhi, Delhi-110025 have changed my name and shall hereafter be known as GAURA DEVI

NAME CHANGE

It is for general information that I RADHA W/O MOHAN CHAND R/O H.No-102, S/F L/P, Arjun Nagar, Safdarjung Enclave, South West Delhi, Delhi -110029 declare that name of mine has been wrongly written as RADHA SHARMA in my minor son RAKSHIT SHARMA aged 17 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine is RADHA which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I hitherto known as HEMLATA W/O PIYUSH KATARIA, R/O C-36, Swami Dayanand Colony, Sarai Rohilla, Malka Ganj, North Delhi, Delhi-110007 have changed my name and shall hereafter be known as HEMLATA KATARIA

NAME CHANGE

I hitherto known as RUKMANI DEVI W/O MOHINDER GUPTA R/O F-42, Prashant Vihar, Sector-14, Rohini, Rohini Sector-7, North West Delhi, Delhi-110085 have changed my name and shall hereafter be known as RUKMANI GUPTA.

NAME CHANGE

I hitherto known as SHWETA BANSAL W/O KAMAL GARG R/O T-323, Indra Colony, Narela, Mamoor Pur, Narela, North West Delhi, Delhi-110040 have changed my name and shall hereafter be known as SHWETA GARG.

NAME CHANGE

I hitherto known as ALOK KUMAR S/O MADAN MOHAN MISHRA R/O 120, Third floor, Gali No-3, Shakti Vihar, Meethapur, Badarpur, South Delhi, Delhi-110044 have changed my name and shall hereafter be known as ALOK KUMAR MISHRA.

NAME CHANGE

I, SUNIL KUMAR S/O SUBHASH CHANDER R/O RZD1/14 GROUND FLOOR GALI NO-6 MAHAVIR ENCLAVE PALAM VILLAGE DELHI-110045 HAVE CHANGED MY NAME TO SUNIL KUMAR ARORA FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE

I, MEENAKSHI D/O ANIL KUMAR R/O FLATNO-501 TOWER-1 PARKVEIW DELIGHT BESTECH CITY CENTER DHARUHERA REWARI-123106 HARYANA HAVE CHANGED MY NAME TO MEENAKSHI GUPTA FOR ALL PURPOSE

सार्वजनिक सूचना

मेरी मुवक्किला श्रीमती बसंती पत्नी स्व0 देवी लाल निवासी डी-49, मादीपुर जे. जे. कॉलोनी, पश्चिमपुरी वेस्ट, दिल्ली-110063 ने अपने पुत्र अजय, पुत्रवधू श्रीमती कल्पना एवं पोते कुणाल को उनके दुराचरण व व्यवहार को देखते हुए उनको अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया था और दिनांक 05-12-2024 को कौमी पत्रिका नामक दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित सार्वजनिक सूचना के माध्यम से उनसे सम्बन्ध तोड दिये थे, हालांकि अब मेरी मुवक्किल के उपरोक्त पुत्र, बहु और पोते ने अपना व्यवहार सुधार लिया है और वे मेरी मुवक्किल का सम्मान कर रहे हैं इसलिए मेरी मुवक्किल अपने उपरोक्त पुत्र, बहु और पोते के साथ अपने सम्बन्ध पुनः स्थापित कर रही है और आज से उपरोक्त व्यक्तियों को मेरी मुवक्किल की सभी चल और अचल सम्पत्तियों में पुर्ण अधिकार प्राप्त होंगें।

दीपक जुनेजा, एडवोकेट
चैम्बर न0 24, वैस्र्टन विंग, तीस हजारी कोर्ट
दिल्ली 110054

NAME CHANGE

I, NO-14865724H, Rank-SEP/MT, Name-BARANDA VINAYAK KUMAR R residing at VILL-JAYLA, PO-TAKATUKA, TEHSIL-BHILODA, DIST-ARVALLI, GUJARAT-383246, have changed my father's name from BARANDA RAJENDRA KUMAR to RAJENDRAKUMAR NANJIBHAI BARANDA for all future purposes vide Affidavit dated 17/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-14865724H, Rank-SEP/MT, Name-BARANDA VINAYAK KUMAR R residing at VILL-JAYLA, PO-TAKATUKA, TEHSIL-BHILODA, DIST-ARVALLI, GUJARAT-383246, have changed my mother's name from RAJENDRA PREMILA BEN to PREMILABEN RAJENDRAKUMAR BARANDA for all future purposes vide Affidavit dated 17/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-14847276Y, Rank-NK/MT, Name-ANARUL MONDAL residing at VILL-GOKHURAPOTA, PO-CHARATALA, TEHSIL-KRISHNAGAR, DIST-NADIA, WEST BENGAL-711123, have changed my wife's name from PARVINA KHATUN to PARVINA MONDAL for all future purposes vide Affidavit dated 17/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-14847276Y, Rank-NK/MT, Name-ANARUL MONDAL residing at VILL-GOKHURAPOTA, PO-CHARATALA, TEHSIL-KRISHNAGAR, DIST-NADIA, WEST BENGAL-711123, have changed my mother's name from ROMJANI BIBI to RAMJANI MONDAL for all future purposes vide Affidavit dated 17/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-14857534F Rank-HAV/MT Name-AJIT KUMAR MAURYA residing at VILL-RANITARA, PO-MOKARSHIM, TEHSIL-GHRWOAL, DIST-SONBHADRA, UTTAR PRADESH-231216, have changed my wife's name from ARATI MAURYA to ARATI for all future purposes vide Affidavit dated 17/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-14828985Y, Rank-HAV/MT, Name-GOVIND KUMAR residing at VILL-KOTRA, PO-KOTRA MAKRANDPUR, TEHSIL-GHATAMPUR, DIST-KANPUR NAGAR, UTTAR PRADESH-209206, have changed my father's name from VIR SINGH to VEER SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 17/04/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, Ajay Sharma S/o Satpal Sharma & R/o House no 401, Sector 10, Near Community Center, Village Kadipur, Gurugram - 122001 have changed my name from Ajay Sharma to Ajay Kumar for all legal purposes in future.

NAME CHANGE

I Poonam Sharma D/o Prem Chand Jagdeo & W/o Ajay Kumar R/o House No. 401, Sector 10, Near Community Center, Village Kadipur, Gurugram - 122001 have changed my name from Poonam Sharma to Poonam for all legal purposes in future.

NAME CHANGE

I Samiksha Tehriya D/o Bharat Bhushan R/o 10/162, Geeta Colony, East Delhi, - 110031 have changed my name Samiksha for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती प्रभा देवी पत्नी स्वर्गीय श्री द्वारिका प्रसाद, निवासी RZ-63, द्वारका विहार, धर्मपुरा एक्सटेंशन, नजफगढ़, नई दिल्ली-110043 ने अपने पुत्र श्री दीपक डिमरी एवं उसकी पत्नी श्रीमती अंजू कुमारी को नियंत्रण में न होने, उनके कहे अनुसार न चलने, उनके साथ अभद्र व्यवहार करने के कारण तथा उनके व्यवहार से बहुत दुखी होकर अपनी सभी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है और उनसे अपने सारे संबंध विच्छेद कर दिए है। यदि कोई व्यक्ति उनके साथ किसी प्रकार का कोई लेन-देन रखता है तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा मुवक्किल व उनके परिवार वाले किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होंगे।

विवेकानंद राय अधिवक्ता
चैम्बर-528, द्वारका अधिवक्ता काम्प्लेक्स,
सेक्टर-10, द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

NAME CHANGE

I,SANTOSH KUMAR S/O RAM ABHILASH MISHRA R/O F-233 GALI NO 6 NEAR POLICE CHOKI GUJJAR CHOWK WAZIRABAD VILLAGE DELHI 110084, CHANGED MY NAME TO SANTOSH KUMAR MISHRA.

NAME CHANGE

I.PANKAJ KUMAR TEWARI S/O RAVINDRA NATH TIWARI R/O 461 GROUND FLOOR RAJESHWAR NAGAR PHASE 1 DEHRADUN UTTRAKHAND 248001, CHANGED MY NAME TO PANKAJ KUMAR TIWARI.

NAME CHANGE

I,RAVINDRA NATH TEWARI S/O RAM NITHUR TIWARI R/O 24D/3V NYAY MARG NEWADA ALLAHABAD UTTAR PRADESH 211001, CHANGED MY NAME TO RAVINDRA NATH TIWARI.

NAME CHANGE

I, NIRMALA RANI TEWARI W/O RAVINDRA NATH TIWARI R/O 24D/3V NYAY MARG NEWADA ALLAHABAD UTTAR PRADESH 211001, CHANGED MY NAME TO NIRMALA RANI TIWARI.

NAME CHANGE

I,REETA TEWARI W/O PANKAJ KUMAR TIWARI R/O 461 GROUND FLOOR RAJESHWAR NAGAR PHASE 1 DEHRADUN UTTRAKHAND 248001, CHANGED MY NAME TO REETA TIWARI.

NAME CHANGE

I, hitherto known as DARAO S/O GANGA RAM R/O C-581, LIG FLATS, EAST OF LONI ROAD, NAND NAGRI, SHAHDARA, DELHI-110093. have changed my name and shall hereafter be known as DARIYAV SINGH. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE

I, MANDEEP S/o HARBHAJAN SINGH R/o H No: 500/8, Salara Mohalla, Rohtak - 124001, Haryana have changed my name from MANDEEP to MANDEEP AHUJA for all intents and purposes.

NAME CHANGE

I, MEENAKSHI DERAWAL W/o AMIT DERAWAL R/o House No: 1155/2, Ward No: 16, Quilla Road, Old Sabzi Mandi, Rohtak - 124001, Haryana have changed my name from MEENAKSHI DERAWAL to MEENAKSHI for all intents and purposes.

NAME CHANGE

I Tanuja W/o Amar Singh R/o Flat No. C - 107, Lotus Homz, Near Puri Society, Sector - 111, Gurgaon - 122001 have changed my name to Tanuja to Tanuja Rani for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

मैं, इरफ़ान खान बेटा मोहम्मद यासीन, B-14/71, गली नंबर-13, सुभाष विहार, नॉर्थ घोंडा, दिल्ली-110053 में रहता हूँ। मैं ये दो प्रॉपर्टीज़ खरीद रहा हूँ, पहली B-5/98, यमुना विहार, दिल्ली-110053 और दूसरी B-5/279, ग्राउंड फ्लोर, यमुना विहार, दिल्ली-110053। अगर इन दोनों प्रॉपर्टीज़ पर कोई बैंक लोन है तो बैंक मेरे नंबर 9212710936 /9899145173 पर मुझसे कॉन्टैक्ट करे।

NAME CHANGE

I.LAXMAN S/o JAGDISH CHAND R/o E-698, BLOCK-E, J.J COLONY CAMP NO-2, NANGLOI, DELHI-110041 have changed my name to LAXMAN SINGH.

NAME CHANGE

It is for general information that I, BIMAL KUJUR S/O JUSTIN KUJUR R/O H NO-24, Phase-4, Aya Nagar, Aya Nagar, South Delhi, Delhi-110047 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as VIMAL KUJUR and MARIAM KUJUR in my minor daughter namely SARGAM KUJUR aged 11 years in her School Records. The actual name of mine and my wife are BIMAL KUJUR and MARIAM LAKRA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, ASRI W/o HASAN ALI R/o E-18,4th Floor, Haji Colony, Gaffar Mnazil Part-2, Jamia Nagar, Okhla, Delhi-110025, have changed my name to ASRI BEGUM permanently

NAME CHANGE

I, Abhishek S/o Sh. Om Prakash R/o 458, Village Parsa, Post Parsa, Distt. Ghazipur (U.P.), Pin-233301 declare that in my Graduation marksheet & Degree certificate my mother name has been wrongly mentioned AARTI KHARWAR instead AARTI.That my mother correct name is AARTI. And my Father name has been wrongly mentioned OM PRAKASH KHARWAR instead OM PRAKASH. That my father correct Name is OM PRAKASH For All future purpose.

NAME CHANGE

I, PADMAKUMAR PLAKUNNATH PADMAVATHY S/o Sreedharan Nair R/o 702 C, JG-2, Vikas Puri, Delhi-110018, have changed my name to PADMAKUMAR P permanently.

NAME CHANGE

I, MEENA S W/o PADMAKUMAR P R/o 702 C, JG-2, Vikas Puri, Delhi-110018, have changed my name to MEENA P KUMAR permanently

NAME CHANGE

I,ADITYA KUMAR S/o Nagesh Vishwakarma R/o Kh.No.100, H.No.293, Wazirabad, Gali No.12, Shiv Mandir Marg, Wazirabad Extn., Burari, Delhi110084, have changed my name to ADITYA KUMAR VISHWAKARMA permanently.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती बबली, पत्नी धर्मपाल, निवासी बी-2/364 जेजे कॉलोनी, मदनपुर खादर, नई दिल्ली 110076, ने अपनी बेटियों गीता और आरती (पुत्री धर्मपाल), निवासी बी-2/364 जेजे कॉलोनी, मदनपुर खादर, नई दिल्ली 110076, से सभी पारिवारिक संबंध तोड़ लिए हैं और उनके बुरे, विश्वासघाती और अपमानजनक व्यवहार के कारण उन्हें अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है। इसके बाद, मेरी मुवक्किल और उनके परिवार के सदस्यों की सूचना पुलिस स्टेशन कालिंदीकुंज के एसएचओ को दी जाएगी।

JAY KUMAR (ADVOCATE)
High Court &
District Court of Delhi.
Ch. No.969 Patiala House Court
New Delhi 110002

NAME CHANGE

I Rajender Khilani S/O Assumal Khilani R/O BHF 2BR Ritz -203 Omaxe North Avenue Sector 15 Bahadurgarh Haryana have changed my name to Rajendra Khilani for all future purposes.

NAME CHANGE

I Tilak Gambhir S/O Narain Das Gambhir R/O MIG FLAT NO 6 POCKET A-1 Sector 5, Rohini, Delhi-110085 have changed my name to Tilak Raj Gambhir for all future purposes.

NAME CHANGE

I Pritam Sharma S/o Sukhram Sharma R/o House No. 514, second floor, West Parmanand Colony, Delhi-110009 have changed my name to Pritam Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE

I, DEVADAS N P father of No-2622038N Rank-NK Name- AJILDAS P residing at VILL-KOLARI, PO- PORORA, TEH - THALASSERY, DIST- KANNUR, KERALA- 670702, have changed my name from DEVADAS N P to N P DEVADAS for all future purposes vide Affidavit dated 17/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, P ANITHA mother of No-2622038N Rank-NK Name- AJILDAS P residing at VILL-KOLARI, PO- PORORA, TEH - THALASSERY, DIST- KANNUR, KERALA- 670702, have changed my name from P ANITHA to ANITHA P P for all future purposes vide Affidavit dated 17/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, B BHEEMAVVA Mother of No-2616691M Rank-L/NK Name-BODA RAJKUMAR residing at VPO-BEERNANDI, PS & TEHSIL-KHANAPUR, DIST-NIRMAL, TELANGANA-504203, have changed my name from B BHEEMAVVA to BODA BHEEMAVVA for all future purposes vide Affidavit dated 16/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, D VANNURBEE Mother of No-2616705A Rank-L/NK Name-DUDEKULA NAJEER residing at H NO-1-110, VPO-VANKARAJUKALVA, PS-PAMIDI, TEHSIL-GOOTY, DIST-ANANTHAPURAMU, ANDHRA PRADESH-515775, have changed my name from D VANNURBEE to D VANUR BEE for all future purposes vide Affidavit dated 16/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, DUDEKULA FUKRUDDIN father of No-2616705A Rank-L/NK Name-DUDEKULA NAJEER residing at H NO-1-110, VPO-VANKARAJUKALVA, PS-PAMIDI, TEHSIL-GOOTY, DIST-ANANTHAPURAMU, ANDHRA PRADESH-515775, have changed my name DUDEKULA FUKRUDDIN to DUDEKULA PAKRUDDIN for all future purposes vide Affidavit Dated 16/04/2026 before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अभिषेक** उर्फ **सोंटा,** पुत्र श्री राजकुमार, निवासी मकान नंबर 383, गोल्डन पैलेस के पास, खोड़ा कॉलोनी, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 04/2021 धारा 34/392 भा.दं.सं. थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अभिषेक** उर्फ **सोंटा** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अभिषेक** उर्फ **सोंटा** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा **धारा 82 Cr.P.C.** की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 04/2021 धारा 34/392 भा.दं.सं. थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अभिषेक** उर्फ **सोंटा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **22.05.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: श्री राहुल सैनी,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी -06,
कमरा संख्या-जी-06, नया न्यायालय भवन,
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली।

DP/4987/NE/2026

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

आरटीई में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना अनिवार्य : महीपाल ढांडा

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को कक्षा प्रथम एवं उससे पूर्व की कक्षाओं में वंचित एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना अनिवार्य है। इस संबंध में विभाग द्वारा निर्देश जारी किए गए थे कि सभी विद्यालय अपनी आरक्षित सीटों का विवरण विभागीय वेबसाइट एवं उज्ज्वल पोर्टल पर 11 मार्च से 20 मार्च 2026 तक अपलोड करें। उन्होंने बताया कि प्रदेश के कुल 9230 निजी विद्यालयों में से 8621 विद्यालयों ने समय रहते पोर्टल पर सीटें घोषित कीं, जबकि 609 विद्यालयों ने निर्देशों का पालन नहीं किया। इसके अतिरिक्त सीटें घोषित करने वाले 8621 विद्यालयों में से 891 विद्यालय ऐसे पाए गए, जिन्होंने अपनी मान्यता से संबंधित आवश्यक दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड नहीं किए। इसी कारण उनकी प्रविष्टियां अस्वीकृत कर दी गईं। इस लापरवाही के कारण विभाग द्वारा लगभग 1500 विद्यालयों का एमआईएस पोर्टल अस्थायी रूप से बंद किया गया। शिक्षा मंत्री ढांडा ने गुरुवार को कहा कि इस विषय को लेकर निजी विद्यालयों के प्रतिनिधियों ने उनसे भेंट कर अवगत कराया कि सत्र 2026-27 की दाखिला प्रक्रिया जारी है।

हरियाणा के दो राज्यसभा सांसदों ने की शपथ ग्रहण

चंडीगढ़। हरियाणा से हाल ही में चुने गए दो राज्य सभा सांसदों ने दिल्ली में आयोजित विशेष सत्र के दौरान शपथ ग्रहण की। बीती 16 मार्च को हरियाणा में राज्य सभा की दो सीटों के लिए मतदान हुआ था। एक सीट पर भाजपा के संजय भाटिया निर्विरोध चुने गए थे जबकि दूसरी सीट पर भाजपा समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी सतीश नांदल को हराकर कांग्रेस के कर्मवीर बोध राज्य सभा चुनाव जीते थे। दोनों प्रतिनिधियों का कार्यकाल आठ अप्रैल को शुरू हो चुका है। उस समय सदन की कार्यवाही नहीं चल रही थी। लिहाजा विशेष सत्र के दौरान सभापति एवं उपराष्ट्रपति सी.पी. कृष्णन ने संजय भाटिया तथा कर्मवीर बोध को पद व गोपनियता की शपथ दिलाई। इस दौरान सदन में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी भी मौजूद रहीं।

सिंचाई विभाग के चीफ इंजीनियर कादियान निलंबित

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ सतबीर सिंह कादियान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस संबंध में विभाग की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं। कथित तौर पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में यह कार्रवाई की गई है। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा जारी आदेश के अनुसार, निलंबन अवधि के दौरान सतबीर सिंह कादियान को हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) नियम, 2016 के तहत निर्धारित जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। साथ ही इस अवधि में उनका मुख्यालय पंचकूला स्थित हेड ऑफिस निर्धारित किया गया है। कादियान के निलंबन का कारण नहीं बताया गया है, लेकिन विभागीय और प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक इस कार्रवाई के पीछे कुछ प्रमुख वजहें मानी जा रही हैं। कार्यप्रणाली और प्रशासनिक निर्णयों को लेकर शिकायतें सामने आई थीं।

अटेली में विकास को रफ्तार, 12.49 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अटेली विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए 12 करोड़ 49 लाख 68 हजार रुपये की विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन योजनाओं के जरिए, क्षेत्र के दर्जनों गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस बजट के तहत कनीना, सीहमा और अटेली के गांवों में सड़क निर्माण, जल निकासी व्यवस्था और सामुदायिक भवनों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि योजना बनाते समय हर गांव की जरूरत का विशेष ध्यान

रखा गया है। विभिन्न गांवों में पाइपलाइन बिछाने, पार्क व फुटपाथ निर्माण, नालों की व्यवस्था और इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। गढ़ी रूथल में फिरनी निर्माण, सराय बहादुर नगर में बड़ा सामुदायिक हॉल और ढाणा में पार्क व व्यायामशाला जैसी परियोजनाएं भी शामिल हैं। इसके अलावा कई गांवों में लाइब्रेरी, जिम, स्टेज, स्कूल ट्रैक और मंदिर परिसरों के विकास कार्यों को भी स्वीकृति दी गई है। जल निकासी सुधारने और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए नालों व वेस्ट वॉटर पाइपलाइन का निर्माण कराया जाएगा। वहीं, ग्रामीण संपर्क को बेहतर बनाने के लिए सड़कों और रास्तों का व्यापक जाल बिछाया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि सभी विकास कार्य तय समय सीमा में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के 'विकसित हरियाणा' के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए सरकार पूरी तरह गंभीर है। इन परियोजनाओं के लागू होने से अटेली क्षेत्र के लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

हर नागरिक की भागीदारी से ही सफल होगी जनगणना-2027 : नायब सिंह सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ऑनलाइन सेल्फ एन्यूमरेशन (Self Enumeration) फॉर्म भर कर राज्य में जनगणना 2027 की प्रक्रिया का विधिवत शुभारंभ किया। इस पहल के माध्यम से उन्होंने प्रदेशवासियों को जनगणना में सक्रिय भागीदारी करने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने वीरवार को आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि स्व-गणना की प्रक्रिया बेहद सरल और समय की बचत करने वाली प्रणाली है। यह पहल प्रधानमंत्री के ईज ऑफ लिविंग और डिजिटल इंडिया के विजन को और सशक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि जनगणना-2027 विकसित हरियाणा-विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है और यह केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि राज्य के समग्र और न्यायसंगत

विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में जनगणना का प्रथम चरण 1 मई से 30 मई, 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें मकानों की गणना एवं सूचीकरण का कार्य पूरा किया जाएगा। इससे पूर्व 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक नागरिकों को डिजिटली स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जो डिजिटल भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि सटीक और विश्वसनीय जनगणना आंकड़े ही ऐसी नीतियों और योजनाओं के निर्माण को सुनिश्चित करते हैं, जो समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच सकें। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए मंत्र 'हमारी जनगणना, हमारा विकास' को दोहराते हुए कहा कि यह संकल्प हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी से ही साकार होगा। उन्होंने कहा कि भारत में जनगणना का गौरवशाली इतिहास रहा है, जिसकी व्यवस्थित शुरुआत वर्ष 1872 में हुई थी। स्वतंत्रता के बाद यह देश की 8वीं और हरियाणा के गठन के बाद 6वीं जनगणना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना के सटीक आंकड़े ही राज्य और देश की विकास योजनाओं की नींव होते हैं। स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण से लेकर गरीब एवं जरूरतमंदों के लिए योजनाओं के निर्माण तक हर नीति की आधारशिला सही जनगणना आंकड़े ही होते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे अपने परिवार की सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि योजनाएं प्रभावी और न्यायसंगत बन सकें। उन्होंने कहा कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जा रही है, जिससे यह अधिक पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनेगी। स्व-गणना सुविधा के तहत नागरिक अपने मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर के माध्यम से घर बैठे अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए se.census.gov.in पोर्टल विकसित किया गया है।

सीएफएमएस पर लंबित फाइलों का 15 दिन में करें निपटारा : नायब सिंह सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएफएमएस पोर्टल पर लंबित सभी फाइलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की देरी प्रशासनिक कार्यों को प्रभावित करती है, इसलिए फाइलों को समयबद्ध तरीके से निपटाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। लंबित फाइलों का निपटारा अधिकतम 15 दिनों के भीतर पोर्टल के माध्यम से किया जाए। मुख्यमंत्री सिविल सचिवालय में ह्यूमैन रिसोर्स मॉड्यूल की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने स्तर पर सीएफएमएस में लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा करें और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करें।

उन्होंने कहा कि पोर्टल पर फाइलों को समय-समय पर अपडेट करना भी उतना ही आवश्यक है, ताकि कार्यों की पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस के पूर्ण क्रियान्वयन से न केवल कार्यों में तेजी आएगी, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और दक्षता भी बढ़ेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर महीने इसकी नियमित समीक्षा की जाए और वे स्वयं भी इसकी मॉनिटरिंग करेंगे।

मुख्यमंत्री ने एचआरएमएस के अंतर्गत मौजूद सभी 18 मॉड्यूल्स को विभागवार अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे मानव संसाधन प्रबंधन में एकरूपता और सुगमता आएगी। उन्होंने एचआरएमएस 2.0 के विकास की प्रगति, संबंधित अधिनियम की अधिसूचना की स्थिति और इसके क्रियान्वयन की समय-सीमा की भी समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फाइलों का समय पर निपटारा सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि प्रदेश के विकास कार्य निर्बाध रूप से चलते रहें और जनता को बेहतर सेवाएं मिलती रहें।

मंत्री ने पीड़ित किसानों को दिया सहायता का आश्वासन

एजेंसी
पानीपत। पानीपत के गांव बुआना लाखु में एक सप्ताह पहले आग लगने से लगभग 90 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई थी। इस घटना के बाद, विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने पीड़ित किसानों से मुलाकात की और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। फसल जलने की घटना के बाद, विपक्षी दलों और किसान संगठनों ने भी गांव का दौरा किया था। उन्होंने पीड़ित किसानों के लिए मुआवजे की मांग की थी। गांव में पहुंचे मंत्री कृष्ण लाल पंवार के साथ एसडीएम नवदीप सिंह नैन और तहसीलदार जितेंद्र दलाल भी उपस्थित रहे। किसानों से बातचीत करते हुए मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि किसी भी किसान को परेशानी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पहले

की सरकारों में फसल खराब होने पर छह से सात हजार रुपए मुआवजा मिलता था। पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने यह मुआवजा राशि बढ़ाई थी, और अब सीएम नायब सिंह सैनी ने इसे बढ़ाकर 15 हजार रुपए प्रति एकड़ कर दिया है। मंत्री ने बताया कि सरकार अपनी कार्रवाई कर रही है और जल्द ही पूरे हरियाणा का डेटा इकट्ठा करके मुआवजे की घोषणा की जाएगी, ताकि किसान अपनी अगली फसल की तैयारी कर सकें।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने फर्रुखनगर व सोहना अनाज मंडी का किया दौरा

एजेंसी
गुरुग्राम। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने फर्रुखनगर अनाज मंडी तथा सोहना अनाज मंडी का दौरा कर रबी सीजन 2026-27 के लिए गेहूं खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फसल खरीद तथा लिफ्टिंग कार्य के दृष्टिगत आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। कैबिनेट मंत्री ने मंडियों में किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, फसल सत्यापन प्रक्रिया, बिजली, पानी, साफ-सफाई और बायोमैट्रिक प्रणाली सहित सभी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। जिले की तीनों मंडियों में खाद्यान की खरीद का कार्य राज्य खरीद एजेंसी हैफेड और हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन द्वारा किया जा रहा है। हरियाणा सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल और सरसों का 6200 रुपये

प्रति क्विंटल निर्धारित किया है।

श्याम सिंह राणा ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों के हितों की रक्षा और उनकी उपज की सुचारू खरीद सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य है कि किसानों का एक-एक दाना बिना किसी परेशानी के खरीदा जाए और उन्हें अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की बाधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में किसान हित सर्वोपरि है, इसी सोच के तहत मंडियों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुदृढ़ की गई हैं, ताकि किसानों को समय पर भुगतान, सुचारू खरीद प्रक्रिया और बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने आढ़तियों व किसानों से खरीद प्रक्रिया से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए उनकी समस्याओं व सुझावों की विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान आढ़तियों एवं किसानों ने सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतुष्टि जताई और कहा कि खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो रही है।

जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी विनय यादव ने कृषि मंत्री को मंडियों में फसल की आवक तथा उठान कार्य प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि अब तक फर्रूखनगर मंडी में 7401 मीट्रिक टन, पटौदी-जटौली में 17561 मीट्रिक टन और सोहना मंडी में 2605 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। मंडियों में खरीद के साथ-साथ उठान कार्य भी निरंतर गति से किया जा रहा है।

अंबाला छावनी बनेगा एयर कनेक्टिविटी हब, ऑफ-एयरपोर्ट कार्गो टर्मिनल की भी तैयारी : अनिल विज

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी में निर्मित डोमेस्टिक एयरपोर्ट का उद्घाटन शीघ्र किया जाएगा। इस संबंध में आज हरियाणा सिविल विमानन विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में एयरपोर्ट के शेष छोटे-मोटे कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए। *अंबाला छावनी एयरपोर्ट का दौरा करेगी तकनीकी टीम-विज* बैठक की अध्यक्षता करते हुए विज ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम गठित कर एयरपोर्ट का निरीक्षण किया जाए, ताकि तकनीकी रूप से लंबित कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण किया जा सके। उन्होंने सीसीटीवी इंस्टॉलेशन, कंट्रोल रूम की स्थापना, सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं, ऑनलाइन यूपीएस, छोटे सिविल कार्य एवं कार्यालय की आवश्यकताओं से जुड़े अन्य कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, स्टाफ एवं वाहनों की उपलब्धता को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश

जारी किए गए। वही, दूसरी ओर विज ने अधिकारियों को कार्गो की सुविधा के लिए ऑफ-एयरपोर्ट एयर टर्मिनल स्थापित करने के संबंध में भी निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अंबाला छावनी एक प्रमुख जंक्शन है और यहां से हवाई सेवाएं शुरू होने पर आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी तथा व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, कैथल, करनाल और पानीपत सहित हरियाणा के विभिन्न जिलों के अलावा पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि शहर के भीतर स्थित होने के कारण यात्रियों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। विज ने बताया कि अंबाला से अयोध्या के लिए प्रस्तावित उड़ान को लेकर लोगों में विशेष उत्साह है और उड़ान शुरू होने का इंतजार किया जा रहा है। इसके अलावा, श्री विज ने बताया कि अंबाला से श्रीनगर रूट पर एक कंपनी को कार्य दिया जा रहा है जबकि अंबाला-लखनऊ इत्यादि शहरों के लिए विभिन्न एयरलाईन कंपनियों ने आवेदन किया है जिस पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, इस डोमेस्टिक एयरपोर्ट के शुरू होने से क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। बैठक से पूर्व विज ने डोमेस्टिक एयरपोर्ट, अंबाला छावनी का निरीक्षण किया तथा पीडब्ल्यूडी और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों के साथ समीक्षा की। अधिकारियों ने अवगत कराया कि एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने यात्रियों की सुविधाओं-जैसे आवागमन, खान-पान, बैठने की व्यवस्था, वाहन पार्किंग और लगाए गए उपकरणों, जिनमें बैगेज स्कैनर आदि शामिल हैं, की जानकारी ली।

हरियाणा में मौसम का यू-टर्न : 10 जिलों में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट, भीषण गर्मी से मिलेगी राहत

हिसार। हरियाणा में भीषण गर्मी के बीच मौसम विभाग ने राहत भरी खबर दी है। प्रदेश में मौसम ने करवट ली है और शुक्रवार को पश्चिमी व दक्षिण-पश्चिमी हरियाणा के 10 जिलों में आंधी और बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, इन क्षेत्रों में 30 से 40 किमी/घंटा की रफ्तार से धूल भरी हवाएं चलने और गरज-चमक के साथ हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। मौसम विभाग ने सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, जींद, भिवानी, चरखी दादरी, रोहतक, सोनीपत, झज्जर और महेंद्रगढ़ के लिए चेतावनी जारी की है। उम्मीद जताई जा रही है कि बादलों की आवाजाही और संभावित बारिश से पिछले कुछ दिनों से जारी भीषण गर्मी से लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी। बीते प्रदेश में सूरज के

तीखे तेवरों ने लोगों को बेहाल कर दिया। राज्य का औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 3.6एष्ट ऊपर दर्ज किया गया। प्रदेश के 10 प्रमुख शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गयाः नारनौल : 42.0°C (सबसे गर्म शहर), रोहतकः 41.9°C, फरीदाबादः 41.6°C, हिसारः 41.2°C, गुरुग्रामः 40.0°C सिर्फ दिन ही नहीं, बल्कि प्रदेश में रात के तापमान में भी 0.7एष्ट की औसत बढ़ोतरी देखी गई है। नारनौल और चरखी दादरी में न्यूनतम तापमान 24°C तक पहुंच गया है। हालांकि, चंडीगढ़ जैसे कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहने के कारण रात में हल्की ठंडक बनी हुई है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगले 24 घंटों में होने वाली हलचल से तापमान में हल्की गिरावट आ सकती है।

पानीपत की हैंडलूम फैक्ट्री में भीषण आग : ऊपरी मंजिल से शुरू हुई लपटें

लाखों का माल जलकर राख

एजेंसी
पानीपत। औद्योगिक नगरी पानीपत के सेक्टर-25 (पार्ट-2) में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहाँ स्थित जेके हैंडलूम हाउस (JK Handloom House) में अचानक भयंकर आग लग गई। सुबह करीब 7:30 बजे लगी इस आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। राहत की बात यह रही कि समय रहते कर्मचारी बाहर निकल आए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग फैक्ट्री की सबसे ऊपरी मंजिल से शुरू हुई। हैंडलूम यूनिट होने के कारण यहाँ भारी मात्रा में धागा और कपड़ा मौजूद था, जिसने ईंधन का काम किया और आग तेजी से फैल गई। धुएं का गुबार इतना विशाल था कि वह कई किलोमीटर दूर से ही साफ दिखाई दे रहा था। आशंका जताई जा रही है कि

आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। आग लगने के तुरंत बाद फैक्ट्री में मौजूद श्रमिकों ने साहस का परिचय दिया। लपटों के बीच उन्होंने निचले फ्लोर से तैयार माल और कच्चा सामान बाहर निकालना शुरू किया ताकि नुकसान को कम किया जा सके। सूचना मिलते ही डायल 112 और दमकल विभाग की गाड़ियाँ मौके पर पहुँचीं और बचाव कार्य शुरू किया। आग की भयावहता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने एहतियात के तौर पर आसपास की फैक्ट्रियों में काम रुकवा दिया है। पड़ोसी उद्यमियों ने भी अपने संसाधनों से आग पर काबू पाने में मदद की ताकि लपटें अन्य इमारतों तक न पहुँच सकें।

फिलहाल दमकल विभाग की कई गाड़ियाँ आग बुझाने के प्रयास में जुटी हैं। इस हादसे में फैक्ट्री के भीतर रखा लाखों रुपये का माल जलकर स्वाहा हो गया है।

हरियाणा कांग्रेस में बड़ी कार्रवाई : 5 विधायक सस्पेंड, पार्टी की मजबूती पर उठ रहे सवाल

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस में अनुशासन का डंडा चला है। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले पांच विधायकों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया है। केंद्रीय नेतृत्व ने अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति की रिपोर्ट के आधार पर यह कड़ा फैसला लिया है। हालांकि, राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस कार्रवाई से पार्टी को फायदे के बजाय नुकसान अधिक हो सकता है। निलंबित होने वाले विधायकों में शैली चौधरी (नारायणगढ़), रेनू बाला (साढ़ौरा), मोहम्मद इलियास (पुन्हाना), मोहम्मद इजराइल (हथीन) और जरनैल सिंह (रतिया) शामिल हैं। तकनीकी रूप से ये पांचों अपनी विधानसभा सीटों पर विधायक बने रहेंगे, लेकिन अब वे कांग्रेस पार्टी के सदस्य नहीं कहलाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट किया है कि पार्टी विरोधी गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनके अनुसार, यह फैसला उन सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए एक कड़ा संदेश है जो संगठन की मर्यादा का उल्लंघन करते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस फैसले का असर तत्काल भले ही न दिखे, लेकिन भविष्य में इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैंः

ताकत में कमीः 5 विधायकों के हटने से सदन में कांग्रेस की संख्याबल और प्रभाव कम हुआ है। राज्यसभा चुनाव 2028ः विशेषज्ञों के अनुसार,

2028 में राज्यसभा की दो सीटों पर होने वाले चुनाव में कांग्रेस को इन विधायकों की कमी खलेगी।

2029 की चुनौतियांः आगामी चुनावों में इन विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी के लिए नए समीकरण साधना मुश्किल हो सकता है। कुल मिलाकर, पार्टी ने अनुशासन का संदेश तो दे दिया है, लेकिन चुनावी राजनीति के बिसात पर खुद को कमजोर भी कर लिया है।

नारी शक्ति वंदन संकल्प यात्रा में महिलाओं ने दिखाया उत्साह

ज्योति दर्पण
गुरुग्राम। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में जिले में महिलाओं द्वारा नारी शक्ति वंदन संकल्प यात्रा निकाली गई। यह यात्रा राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14 के पास से शुरू होकर अग्रसेन चौक तक निकाली गई। यात्रा का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के समर्थन में संदेश देना रहा। सफेद टी-शर्ट और कैप पहने महिलाओं ने हाथों में तख्तियां, पोस्टर और बैनर लेकर नारे लगाते हुए अपनी भागीदारी दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान संयोजक गार्गी कक्कड़ (प्रदेश सचिव, भाजपा एवं पूर्व चेयरपर्सन, खादी एवं ग्रामोद्योग) की अगुवाई में पूरे आयोजन का संचालन किया गया। उनके नेतृत्व में महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए अभियान को सफल बनाया। इस अवसर पर मेंबर केंद्रीय पार्लियामेंट्री बोर्ड एवं पूर्व सांसद सुधा यादव ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं की भागीदारी राजनीति में बढ़ेगी और वे देश के विकास में और

अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय ऐतिहासिक है, जो महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में भागीदारी का अवसर देगा। इससे महिलाएं राजनीति में आगे बढ़कर समाज और देश के विकास में अपनी भूमिका निभा सकेंगी। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री अर्चना गुप्ता, गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा, जिला सचिव निधि मल्होत्रा, जिला सचिव सुचिता शर्मा, जिला महामंत्री महिला पूजा बलहारा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।नारी शक्ति वंदन संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित हस्ताक्षर अभियान में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में हस्ताक्षर करते हुए इसे महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। महिलाओं ने कहा कि 33 प्रतिशत आरक्षण से उन्हें राजनीति में अपनी भागीदारी बढ़ाने का अवसर मिलेगा और वे समाज के विकास में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी।

हाईकोर्ट के वकील ने एचसीएस अधिकारियों की तैनाती पर उठाए सवाल

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा में जहां निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है वहीं एचसीएस अधिकारियों की एक ही जगह लंबे समय से तैनाती को लेकर भी विवाद हो गया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के एडवोकेट और म्यूनिसिपल कानून विशेषज्ञ हेमंत कुमार ने राज्य निर्वाचन आयोग को ज्ञापन भेजकर कार्रवाई की मांग की है। हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग ने 13 अप्रैल को प्रदेश के 7 नगर निकायों (3 नगर निगम, 1 नगरपालिका परिषद और 3 नगरपालिका समितियों) के आम चुनाव तथा 6 अन्य निकायों में रिक्त वार्डों के उपचुनाव की घोषणा की है। इन चुनावों के लिए मतदान 10 मई को और मतगणना 13 मई को होगी। इसी बीच कुछ एसडीएम की तैनाती को लेकर विवाद सामने आ गया है। ज्ञापन में कहा गया कि अंबाला शहर के मौजूदा एसडीएम दर्शन कुमार, जो 2019 बैच के एचसीएस अधिकारी हैं, सितंबर 2022 से लगातार साढ़े तीन वर्षों से एक ही पद पर तैनात हैं। वहीं जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) एवं सचिव, आरटीए सुशील कुमार-श्री भी दिसंबर 2022 से एक ही जिले में कार्यरत हैं। हेमंत कुमार ने तर्क दिया है कि चुनावी निष्पक्षता बनाए रखने के लिए ऐसे अधिकारियों को चुनाव ड्यूटी से दूर रखा जाना चाहिए, क्योंकि चुनाव आयोग की सामान्य परंपरा के अनुसार तीन वर्ष से अधिक समय तक एक स्थान पर तैनात अधिकारियों का तबादला किया जाता है। विवाद का दूसरा बड़ा मुद्दा पंचकूला के एसडीएम चंद्रकांत कटारिया की नियुक्ति को लेकर है। चंद्रकांत कटारिया दिवंगत पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री और तीन बार सांसद रहे रतन लाल कटारिया के पुत्र हैं, जबकि उनकी माता बंतो कटारिया वर्तमान में हरियाणा भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। एडवोकेट हेमंत कुमार ने राज्य निर्वाचन आयुक्त से मांग की है कि अंबाला के उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजय सिंह तोमर और पंचकूला के उपायुक्त सतपाल शर्मा को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं कि संबंधित अधिकारियों को नगर निकाय चुनाव में किसी भी प्रकार की चुनाव ड्यूटी न दी जाए।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 505, निफ्टी 156 अंक उछला

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध जल्द समाप्त होने की उम्मीदों से भी निवेशकों में उत्साह है जिससे भी बाजार उछला है। आज कारोबार के दौरान इसी कारण सेंसेक्स और निफ्टी में 0.65 फीसदी की बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 504.86 अंकों के उछाल के साथ ही 78,493.54 स्तर पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 156.80 अंक बढ़कर 24,353.55 पर बंद हुआ। आज एक समय सेंसेक्स 78,553.45 वहीं निफ्टी 24,371.90 तक पहुंच गया। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 में 1.27 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.48 फीसदी की बढ़त रही। दूसरी ओर निफ्टी आईटी जिसमें 0.02 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। सभी इंडेक्स हरे निशान में कारोबार करते हुए नजर आए। सबसे ज्यादा निफ्टी एफएमसीजी में 2.65 फीसदी, निफ्टी मीडिया में 1.34 फीसदी, निफ्टी मेटल में 1.10 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 0.94 फीसदी की बढ़त रही। इसके अतिरिक्त निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.78फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.74 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.61 फीसदी की तेजी रही।निफ्टी में जेएसडब्ल्यू स्टील, नेस्ले इंडिया, अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज, पावर ग्रिड, मैक्स हेल्थ के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई जबकि एचडीएफसी लाइफ, सनफार्मा, बजाज-ऑटो, एमएंडएम, एचसीएल टेक, एलएंडटी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। इससे पहले आज सुबह बाजार में गिरावट के साथ शुरुआत हुई पर जल्द ही रिकवरी के साथ बाजार लाभ में आ गया। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 78,000 के स्तर के पास 74.05 अंक की मामूली बढ़त के साथ 78,062.73 पर, और निफ्टी 4.50 अंक बढ़कर 24,201.25 के स्तर पर खुला।

स्पेसएक्स का रिकॉर्ड आईपीओ, मस्क अंतरिक्ष के बाद अब शेयर बाजार में रचेंगे इतिहास?

- 2 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य के साथ नेस्डेक में गोपनीय दस्तावेज दाखिल, कंपनी के लिए नियमों में भी मिली ढील

वाशिंगटन।

एलन मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने अमेरिकी शेयर बाजार नेस्डेक में लिस्टिंग की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ के लिए गोपनीय दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं, जिसका लक्ष्य लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर के अभूतपूर्व मूल्यांकन के साथ बाजार में उतरना है। यदि यह सौदा सफल रहा, तो यह इतिहास का सबसे बड़ा प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बन सकता है। स्पेसएक्स अपनी कुल हिस्सेदारी का एक छोटा सा भाग बेचकर लगभग 75 अरब डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। 2002 में स्थापित, इस कंपनी का मूल उद्देश्य मानवता को बहुग्रह बनाना है। उसने रॉकेट के दोबारा उपयोग की तकनीक विकसित कर अंतरिक्ष प्रक्षेपण की लागत को नाटकीय रूप से 5 फीसदी तक कम कर दिया है, जिससे 600 से अधिक सफल रॉकेट लैंडिंग हुई हैं। कंपनी की आय का बड़ा हिस्सा उसके सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक से आता है, जिसके दुनिया भर में एक करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। विस्तार और रणनीतिक विलयः फरवरी 2026 में ग्रोक का डेवलपर के साथ हुए 1.25 ट्रिलियन डॉलर के विलय ने इस आईपीओ की नींव तैयार की है। मस्क के मुताबिक आईपीओ से जुटाई गई रकम का उपयोग अंतरिक्ष में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संचालित डेटा सेंटर सैटेलाइट स्थापित करने के लिए किया जाएगा, ताकि पृथ्वी की ऊर्जा सीमाओं को पार किया जा सके। नेस्डेक के नियमों में बदलावः स्पेसएक्स की संभावित लिस्टिंग को देखते हुए, नेस्डेक ने अपने कुछ नियमों में ढील दी है। इसमें आमतौर पर आवश्यक 10 फीसदी सार्वजनिक हिस्सेदारी की शर्त और इंडेक्स में शामिल होने की समय-सीमा को तीन महीने से घटाकर 15 ट्रेडिंग दिन करना शामिल है। इससे स्पेसएक्स तेजी से नेस्डेक 100 जैसे प्रमुख इंडेक्स का हिस्सा बन सकेगी, जिससे इंडेक्स फंड्स से स्वतः निवेश आकर्षित होगा। चुनौतियां और विशेषज्ञ सलाहः हालांकि, कंपनी की ऊंची वैल्यूएशन (पिछले साल का राजस्व करीब 15 अरब डॉलर बनाम 2 ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य) को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जो टेस्ला जैसी महंगी कंपनियों के मुकाबले भी कई गुना अधिक है। स्पेसएक्स अपने 30 फीसदी शेयर खुदरा निवेशकों को उपलब्ध कराने की योजना बना रही है, जिससे भारी उत्साह की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने नियमों में ढील और इतनी ऊंची वैल्यूएशन के कारण निवेशकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है, क्योंकि इससे बाजार में अस्थिरता और जोखिम बढ़ सकता है।

विप्रो के शेयर धड़ाम, चौथी तिमाही के नतीजे उम्मीद से कमजोर

नई दिल्ली।

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी विप्रो के शेयरों में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में लगभग चार प्रतिशत की तेज गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट कंपनी द्वारा अपनी जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे घोषित किए जाने के बाद आई। कंपनी का मुनाफा बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में घटकर 3,501.8 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 3,569.6 करोड़ रुपये था। चुनौतीपूर्ण व्यापक आर्थिक परिस्थितियों को लाभ में इस कमी की मुख्य वजह बताया गया। नतीजों की घोषणा के बाद बीएसई पर विप्रो का शेयर 3.61 प्रतिशत गिरकर 202.60 रुपये पर, जबकि एनएसई पर 3.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 202.50 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

नेटफ्लिक्स को-फाउंडर रीड हेस्टिंग्स निदेशक मंडल से हटेंगे

न्यूयॉर्क।

ओटीटी दिग्गज नेटफ्लिक्स के सह-संस्थापक और वर्तमान चेयरमैन रीड हेस्टिंग्स इस साल जून में अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद कंपनी के निदेशक मंडल से हट जाएंगे। कंपनी ने इस अहम बदलाव की जानकारी देते हुए बताया कि हेस्टिंग्स अब परोपकारी कार्यों और अन्य गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने 1990 के दशक के अंत से 2023 तक दो दशकों से अधिक समय तक कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में कार्य किया। हेस्टिंग्स ने अपने कार्यकाल में हमेशा ग्राहकों की खुशी, बेहतर कार्य संस्कृति और दीर्घकालिक सफलता पर जोर दिया। यह महत्वपूर्ण घोषणा कंपनी के नवीनतम तिमाही परिणामों के साथ की गई।

बुल स्प्रेड रणनीति सिर्फ 3700 लगाकर 6300 रुपए कमाने का मौका!

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में इस समय कुछ स्टॉक्स अचानक सुर्खियों में आए हैं, जहां तेजी का रुझान देखा जा रहा है। ऐसे में निवेशक सीमित जोखिम के साथ अधिकतम मुनाफा कमाने के तरीकों की तलाश में हैं। इसी कड़ी में एक बाजार` विशेषज्ञ ने जेएसडब्ल्यू एनर्जी और आईआईएक्स ५र बुल स्प्रेड ऑप्शन रणनीति अपनाने की सलाह दी है। बाजार` विशेषज्ञ का मानना है कि इन दोनों स्टॉक्स में वर्तमान में तेजी का माहौल बन रहा है। बुल स्प्रेड एक ऐसी ऑप्शन ट्रेडिंग रणनीति है जिसमें नुकसान की सीमा तय होती है और मुनाफे का अनुमान पहले से लगाया जा सकता है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी के लिए, 28 अप्रैल एक्सपायरी का 540 कॉल ऑप्शन 11.75 रुपये में खरीदने और साथ ही 550 कॉल ऑप्शन 8.05 रुपये में बेचने का सुझाव दिया गया है। इस रणनीति में यदि शेयर 550 रुपये या उससे ऊपर बंद होता है, तो लगभग 6300 रुपये तक का मुनाफा हो सकता है। स्टॉक में शॉर्ट कवरिंग और तकनीकी रूप से मजबूत स्थिति के कारण तेजी की संभावना है। इसी तरह आईईएक्स के लिए भी बुल स्प्रेड रणनीति सुझाई गई है, जिसमें 136 कॉल ऑप्शन 2.90 रुपये में खरीदने और 140 कॉल ऑप्शन 1.40 रुपये में बेचने की सलाह दी गई है। अगर आईईएक्स 140 रुपये या उससे ऊपर बंद होता है, तो लगभग 9375 रुपये का मुनाफा संभव है। आईईएक्स में भी हालिया शॉर्ट कवरिंग और 3 महीने के उच्च स्तर पर बंद होने से मजबूत ब्रेकआउट के संकेत मिल रहे हैं। यह रणनीति उन निवेशकों के लिए आदर्श है जो बाजार में नियंत्रित जोखिम के साथ अवसर तलाश रहे हैं।

सॉफ्टेल ने पेश की आधुनिक तकनीक वाली कॉम्पैक्ट घरघंटी

पारंपरिक पत्थर की पिसाई से मिलेगा शुद्ध स्वाद और पोषण, रसोई की रौनक बढ़ाएगा नया उत्पाद

अहमदाबाद।

रसोई में ताज़ा पिसे आटे और मसालों की शुद्धता को पुनर्जीवित करने के लिए घरेलू उपकरणों के प्रतिष्ठित ब्रांड सॉफ्टेल ने अपनी नई कॉम्पैक्ट घरघंटी बाज़ार में उतारी है। 35 वर्षों के अनुभव के साथ सॉफ्टेल अब आधुनिक घरों के लिए ऐसी तकनीक लाया है, जो पारंपरिक पिसाई की गुणवत्ता को आधुनिक सुविधा के साथ जोड़ती है।

यह घरघंटी आकार में इतनी छोटी है कि रसोई के प्लेटफॉर्म पर आसानी से फिट हो जाती है, लेकिन कार्यक्षमता के मामले में बेहद शक्तिशाली है।

इसकी मुख्य विशेषता पत्थर-आधारित पिसाई प्रक्रिया है, जो अनाज और मसालों के प्राकृतिक स्वाद, बनावट और पोषण को बरकरार रखती है। यह मशीन प्रति घंटे 7.5 से 10 किलोग्राम अनाज पीसने की क्षमता रखती है और बिजली की खपत भी मात्र एक यूनिट प्रति घंटा है।

उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए कंपनी ने फुली ऑटोमैटिक, सेमी ऑटोमैटिक और मैनुअल जैसे तीन मॉडल पेश किए हैं। सॉफ्टेल के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल कुमार जैन ने बताया कि ताज़ा भोजन अच्छे स्वास्थ्य का आधार है

और यह घरघंटी शुद्धता व विश्वास को वापस लाने का एक सरल जरिया है।

इस लॉन्च के साथ सॉफ्टेल ने ताज़ा और ईमानदार भोजन को रोज़मर्रा की आदत बनाने की दिशा में अहम कदम बढ़ाया है।

रूसी-ईरानी तेल पर अमेरिकी छूट खत्म, भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर असर

- भारत की ऊर्जा आपूर्ति रणनीतियों में खड़ी हो सकती हैं नई चुनौतियां

नई दिल्ली।

अमेरिका ने रूस और ईरान से कच्चे तेल तथा पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद पर दी गई एक महीने की विशेष छूट को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह छूट, जो भारत के लिए पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण बढ़ी आपूर्ति की कमी को पूरा करने में सहायक थी, अब समाप्त हो गई है। इस निर्णय से भारत की ऊर्जा आपूर्ति रणनीतियों में नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्पष्ट किया कि रूसी और ईरानी तेल के लिए सामान्य लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा, क्योंकि 11 मार्च से पहले समुद्र में मौजूद सारा तेल अब इस्तेमाल हो चुका है। रूसी तेल पर यह छूट 11 अप्रैल को समाप्त हुई, जबकि ईरानी तेल पर इसी तरह की छूट 19 अप्रैल को खत्म हो रही है। इस अवधि के दौरान, पश्चिम एशिया में तनाव के चलते आपूर्ति में आई कमी को पूरा करने के लिए भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि की थी। आंकड़ों के अनुसार, मार्च में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात बढ़कर नौ महीने के उच्चतम स्तर 20.6 लाख बैरल प्रतिदिन पर पहुंच गया था, जो फरवरी में 10.6 लाख बैरल प्रतिदिन था। हालांकि, अमेरिकी छूट खत्म होने के बावजूद, भारतीय रिफाइनरियों ने संकेत दिया है कि वे उन रूसी आपूर्तिकर्ताओं और जहाजों से कच्चे तेल की खरीद जारी रखेंगी जिन पर कोई अमेरिकी प्रतिबंध नहीं है। गौरतलब है कि भारत ने 2019 से अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करने से बचने के लिए ईरान से ऊर्जा उत्पादों की खरीद रोक दी थी, जबकि प्रतिबंध से पहले ईरानी तेल भारत के कुल कच्चे तेल आयात का 11.5 फीसदी था। रूसी कच्चे तेल पर पहले मिलने वाली 8-10 डॉलर प्रति बैरल की छूट भी पश्चिम एशिया संकट के बाद कम हो गई है, और अब भारतीय रिफाइनरियों को कम से कम 6-7 डॉलर प्रति बैरल अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है, जिससे उनके मार्जिन पर दबाव बढ़ सकता है।

एशिया के सबसे अमीर बने गौतम अडानी, मुकेश अंबानी को पछाड़ रचा इतिहास

अडानी की नेटवर्थ 92.6 अरब डॉलर, मुकेश अंबानी 90.8 अरब डॉलर पर खिसके

मुंबई। एशिया के सबसे धनी व्यक्तियों की सूची में एक बड़ा उलटफेर हुआ है। अडानी ग्रुप के प्रमुख गौतम अडानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी को पछाड़ते हुए अब एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति का खिताब हासिल कर लिया है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार गौतम अडानी की कुल संपत्ति 92.6 अरब डॉलर पहुंच गई है, जिससे वह दुनिया के 19वें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। वहीं मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 90.8 अरब डालर रह गई है, और वे वैश्विक सूची में 20वें स्थान पर खिसक गए हैं। इस साल अडानी की संपत्ति में 8.10 अरब डालर की वृद्धि हुई, जबकि अंबानी की संपत्ति में 16.9 अरब डालर की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। लिस्ट में 656 अरब डॉलर के साथ एलन मस्क पहले नंबर पर बने हुए हैं। गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज 286 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। अमेजन के जेफ बेजोस (269 अरब डॉलर), सर्गेई ब्रिन (266 अरब डॉलर), मार्क जुकरबर्ग (239 अरब डॉलर), लैरी एलिसन (230 अरब), माइकल डेल (170 अरब), जेंसन हुआंग (164 अरब), बर्नार्ड आरनॉल्ट (164 अरब) और जिम वॉल्टन (150 अरब डालर) भी टॉप 10 में शामिल हैं।

एंथ्रोपिक के एआई मॉडल से फिनटेक पर साइबर खतरा

नई दिल्ली।

भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में एंथ्रोपिक के उन्नत एआई मॉडल क्लॉड मिथोस से जुड़े शुरुआती साइबर सुरक्षा खतरों को महसूस किया जा रहा है। फिनटेक स्व-नियामकीय संगठन फिनटेक एसोसिएशन फॉर कंज्यूमर एम्पावरमेंट (फेस) ने सबसे पहले इस पर कार्रवाई करते हुए अपने सदस्यों से आवश्यक रक्षात्मक उपाय मजबूत करने का आग्रह किया है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब क्लॉड मिथोस प्रीव्यू ने सॉफ्टवेयर कमजोरियों, विशेषकर जीरो-डे वल्नरबिलिटी (जिनके बारे में डेवलपर्स को पहले से जानकारी नहीं होती) की पहचान करने और उनका फायदा उठाने की उल्लेखनीय क्षमता का प्रदर्शन किया है। फेस के सीईओ सुगंध सक्सेना ने सदस्यों को ईमेल भेजकर साइबर सुरक्षा मजबूत करने, संभावित कमजोरियों को दूर करने और खतरों की तत्काल सूचना देने की सिफारिश की है।

यह चिंताजनक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी नई तकनीकों की यह क्षमता गलत हाथों में पड़ सकती है, जिससे भारत और दुनिया भर में सॉफ्टवेयर प्रणालियों की स्थिरता पर गंभीर सवाल उठते हैं। इन चिंताओं के जवाब में, एंथ्रोपिक ने प्रोजेक्ट ग्लास विंग की घोषणा की है, जिसमें एमेजॉन, ऐपल, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट सहित एक दर्जन प्रमुख कंपनियां रक्षात्मक सुरक्षा कार्यों के लिए मिथोस का उपयोग करेंगी।

तेल-गैस सेक्टर में उछाल, ओएनजीसी और ऑयल इंडिया को रिकॉर्ड मुनाफा!

- कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और उत्पादन वृद्धि से बढ़ सकता है इन कंपनियों का एबिटडा

मुंबई।

भारत के तेल और गैस सेक्टर में काम करने वाली अपस्ट्रीम कंपनियों, खासकर ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के लिए आने वाला समय बेहद मजबूत दिख रहा है। एंटीक स्टॉक ब्रोकरेज की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2027 में इन कंपनियों को कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और उत्पादन में अनुमानित वृद्धि के कारण रिकॉर्ड फायदा मिल सकता है। रिपोर्ट ने ब्रेंट क्रूड के` वित्त वर्ष 27 के औसत अनुमान को बढ़ाकर 75 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो पहले 65 डॉलर था। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कई कारणों से मजबूत बनी हुई हैं। हालिया सप्लाई झटकों, विशेषकर होर्मुज क्षेत्र में बाधा के कारण बाजार में कच्चे तेल की कमी हुई है। मार्च और अप्रैल के दौरान करीब 500 मिलियन बैरल की आपूर्ति प्रभावित हुई, जिससे कीमतों में उछाल आया। लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन की दिक्कतों के चलते अगले 4 से 6 महीने तक कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना रह सकता है, भले ही सप्लाई सामान्य होने लगे। इन अनुकूल परिस्थितियों का सीधा लाभ ओएनजीसी और ऑयल इंडिया को मिलेगा। इन कंपनियों को एक तरफ कच्चे तेल की ऊंची कीमतें मिलेंगी, वहीं दूसरी तरफ उनके उत्पादन में भी बढ़ोतरी का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 से 2028 के बीच ओएनजीसी के उत्पादन में सालाना 2.5 प्रतिशत और ऑयल इंडिया के उत्पादन में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इस दोतरफा फायदे के परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2027 में इन कंपनियों की कमाई में बड़ा उछाल आने की संभावना है। ओएनजीसी का एबिटडा करीब 26 प्रतिशत और ऑयल इंडिया का एबिटडा 27 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है, जो इनकी वित्तीय स्थिति को और मजबूत करेगा।

क्या कम एसआईपी रिटर्न से परेशान हैं? रुकने की बजाय अपनाएं ये रणनीति

- पोर्टफोलियो में कम या निगेटिव रिटर्न देख एसआईपी रोकने की गलती न करें, समझें विशेषज्ञ की राय

नई दिल्ली।

अगर पिछले 2-3 सालों में आपके एसआईपी पोर्टफोलियो में अपेक्षित रिटर्न नहीं मिला है या एक्सआईआरआर नकारात्मक हो गया है, तो परेशान होना स्वाभाविक है। कई निवेशक ऐसे में अपनी एसआईपी बंद करने या फंड बदलने का विचार करते हैं। हालांकि, वित्तीय विशेषज्ञ ऐसी स्थिति में घबराने की बजाय धैर्य रखने और कुछ रणनीतियों का पालन करने की सलाह देते हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि सिर्फ 3 साल के प्रदर्शन के आधार पर एसआईपी का मूल्यांकन करना सही नहीं है। तीन साल का समय इक्विटी निवेश के लिए काफी नहीं म्यूचुअल फंड एक्सपर्ट एके निगम स्पष्ट करते हैं कि इक्विटी एसआईपी के प्रदर्शन को तीन साल में आंकना जल्दबाजी है। उनके अनुसार, इक्विटी निवेश को 5 से 7 साल का समय देना चाहिए, ताकि वह बाजार के विभिन्न चरणों (तेजी, गिरावट, रिकवरी) से गुजर सके। जिस तरह किसी टेस्ट मैच के पहले दिन ही नतीजा निकालने जैसा बताते हैं, जो कि अक्सर गलत साबित होता है। खासकर मिड और स्मॉल कैप फंड्स में तो और भी धैर्य की जरूरत होती है, क्योंकि उनमें बाजार का चक्र लंबा होता है। बाजार` विशेषज्ञों की राय है कि गिरते या कमजोर बाजार में एसआईपी रोकना एक बड़ी गलती हो सकती है। वह बताते हैं कि एसआईपी का मूल सिद्धांत ही बाजार की अस्थिरता को निवेशक के पक्ष में मोड़ना है। जब बाजार गिरता है, तो आपकी तय निवेश राशि से आपको अधिक यूनिट्स मिलती हैं। बाद में जब बाजार वापसी करता है, तो ये अतिरिक्त यूनिट्स आपके कुल रिटर्न को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा देती हैं। यह सिर्फ` किताबी बात नहीं, एक आजमाई हुई रणनीति है, यह केवल किताबी बात नहीं, बल्कि एक आजमाई हुई रणनीति है। लगातार निवेश जारी रखने से औसत लागत बेहतर होती है। गिरावट के दौरान एसआईपी जारी रखने से निवेशक सस्ते दामों पर अधिक यूनिट्स खरीदते हैं, जिससे लंबी अवधि में उन्हें बेहतर औसत लागत का फायदा मिलता है। इस प्रकार, बाजार की गिरावट एसआईपी निवेशक के लिए अक्सर भविष्य की मजबूत कमाई की नींव तैयार करती है, बशर्ते वह धैर्य रखे और निवेश जारी रखे।

पश्चिम एशिया संकट की मार, महंगी हो सकती हैं जीवनरक्षक औषधियां

- इनपुट लागत में तेजी से बढ़ोत्तरी और मार्जिन पर दबाव के कारण उत्पादन प्रभावित

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गहराते संकट का असर अब सीधा मरीजों की जेब पर पड़ने वाला है। पेट्रोल-एलपीजी की बढ़ती कीमतों से पहले ही जूझ रहे आम आदमी को अब जीवनरक्षक दवाओं के लिए भी अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। सरकार ने कैंसर की दवाओं, एंटीबायोटिक्स और इंजेक्शन सहित कई जरूरी औषधियों की कीमतों में लगभग 10 से 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव किया है, जिसका मुख्य कारण वेस्ट एशिया में जारी तनाव के चलते दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग लागत में भारी उछाल आना है। यह कदम फिलहाल एक अल्पकालिक समाधान के तौर पर उठाया जा रहा है, जिसकी अवधि लगभग तीन महीने तक सीमित रखने पर चर्चा हो रही है। सरकार का उद्देश्य है कि दवा उद्योग को मौजूदा संकट से राहत मिले, लेकिन उपभोक्ताओं पर लंबे समय तक बोझ न पड़े। हालांकि, मरीजों के लिए यह एक बड़ा झटका होगा, जो पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे हैं। दवाओं की लागत में यह उछाल मुख्य रूप से खाड़ी देशों से सॉल्वेंट्स की आपूर्ति में बाधा के कारण आया है। ये सॉल्वेंट्स दवा निर्माण प्रक्रिया में जरूरी रसायनों को घोलने, शुद्ध करने और प्रोसेस करने में उपयोग होते हैं। ईरान युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण इन रसायनों की आवक कम हो गई है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमतें आसमान छू रही हैं। दवा कंपनियों का कहना है कि इनपुट लागत में तेजी से बढ़ोत्तरी और मार्जिन पर दबाव के कारण उनका उत्पादन प्रभावित हो रहा है। उद्योग संगठनों जैसे ओपीपीआई और आईपीए ने सरकार से मूल्य समायोजन की मांग की है, ताकि उत्पादन को बनाए रखा जा सके। कुछ उद्योग समूहों ने तो 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की मांग भी रखी थी। दवा निर्माताओं ने चेतावनी दी है कि यदि कीमतों में वृद्धि नहीं की गई, तो कई आवश्यक दवाओं का उत्पादन आर्थिक रूप से घाटे का सौदा बन जाएगा और उन्हें उत्पादन रोकना पड़ सकता है। इससे बाजार में दवाओं की कमी हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि यह स्थिति दो से तीन महीने तक बनी रहती है, तो दवा उत्पादन पर व्यापक असर पड़ सकता है। सरकार ऐसे प्रावधानों की जांच कर रही है जिनके तहत असाधारण परिस्थितियों में दवा कीमतों में बदलाव किया जा सकता है। मंजूरी मिलने पर यह बढ़ी हुई कीमत सीधे खुदरा बाजार में लागू होगी।

वैश्विक तनाव के बीच भारत की सधी हुई चाल, ऑस्ट्रिया के साथ सहयोग बढ़ाकर मोदी ने किया कमाल

नीरज कुमार दुबे

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भारत और ऑस्ट्रिया के बीच संबंधों को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल के तहत ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की भारत यात्रा ऐतिहासिक मानी जा रही है। लगभग चार दशकों के बाद किसी ऑस्ट्रियाई चांसलर का भारत आगमन न केवल द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का संकेत है, बल्कि यह वैश्विक परिदृश्य में बदलती प्राथमिकताओं के बीच नई साझेदारी के निर्माण का भी प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चांसलर स्टॉकर का स्वागत करते हुए इसे विशेष अवसर बताया और इस बात पर जोर दिया कि यूरोप के बाहर अपनी पहली यात्रा के लिए भारत को चुनना ऑस्ट्रिया की भारत के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के बाद आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के नए अवसर सामने आए हैं।

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा रेलवे परियोजनाओं, रोपवे, स्वच्छ ऊर्जा और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में भी ऑस्ट्रियाई कंपनियों की सक्रिय भागीदारी रही है।

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कुल पंद्रह महत्वपूर्ण समझौते और पहलें सामने आईं, जो रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, नवाचार और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों को कवर करती हैं। इनमें सबसे प्रमुख है आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्य समूह की स्थापना का प्रस्ताव, जो वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से निपटने में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा।

रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति देने के लिए सैन्य मामलों में सहयोग पर एक आशय पत्र पर सहमति बनी है। इसके तहत रक्षा उद्योग, नीति संवाद, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल भारत और यूरोप के बीच हाल ही में हुए सुरक्षा सहयोग को भी मजबूती प्रदान करेगी। आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक फास्ट ट्रैक तंत्र स्थापित करने की घोषणा की गई है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों और निवेशकों को आने वाली समस्याओं का

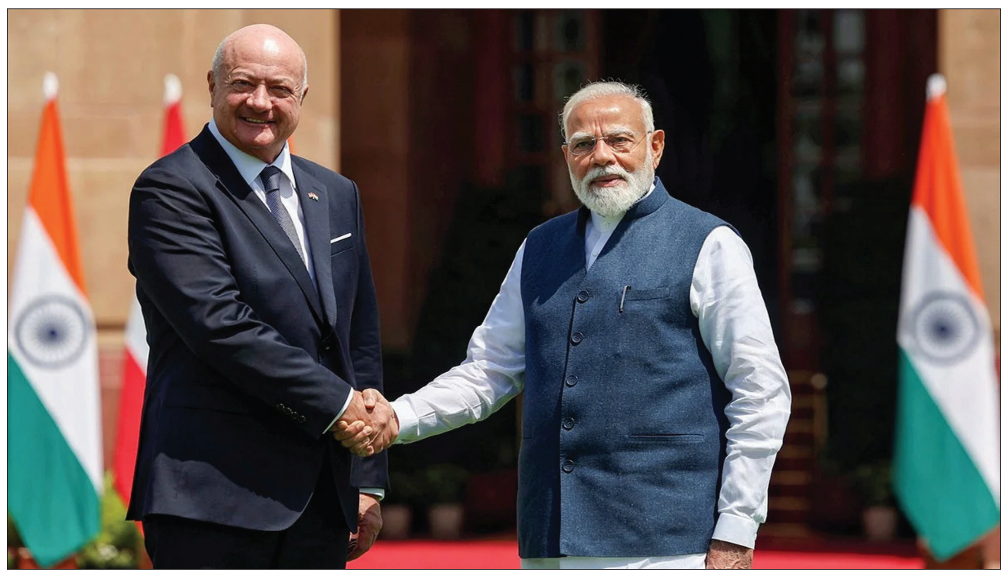

शीघ्र समाधान किया जा सकेगा। इससे व्यापार को सुगम बनाने और निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए ऑडियो विजुअल सह उत्पादन समझौता किया गया है, जिससे दोनों देशों के फिल्म उद्योग के बीच संयुक्त निर्माण और सांस्कृतिक आदान प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जिसके तहत वैज्ञानिक सहयोग, मानकों के आदान प्रदान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जाएगा। इससे कृषि और खाद्य उत्पादों के व्यापार को भी मजबूती मिलेगी।

इसके अलावा, दोनों देशों के बीच कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक संयुक्त आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें प्रशिक्षुता प्रणाली, ज्ञान साझा करने और योग्यता की पारस्परिक मान्यता पर जोर दिया गया है। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए संरचित संवाद शुरू करने और तकनीकी विश्वविद्यालयों के माध्यम से भारतीय छात्रों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने की पहल भी की गई है।

इस यात्रा के दौरान स्टार्टअप सहयोग को बढ़ाने, साइबर सुरक्षा संवाद शुरू करने, अंतरिक्ष उद्योग में संयुक्त सेमिनार आयोजित करने और वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम को लागू करने जैसी घोषणाएं भी की गईं। उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्वांटम तकनीक, मशीन लर्निंग, जल शोधन और सामग्री विज्ञान में संयुक्त अनुसंधान को साझेदारी का मुख्य आधार बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर यह भी कहा कि भारत की प्रतिभा और ऑस्ट्रिया की नवाचार क्षमता मिलकर वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद तकनीक और आपूर्ति श्रृंखला विकसित कर सकती है। उन्होंने रक्षा, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और क्वांटम क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। इसके अलावा, मानव संसाधन के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाया है। वर्ष 2023 में हुए प्रवासन और गतिशीलता समझौते के तहत अब नर्सिंग क्षेत्र में भी सहयोग को विस्तार दिया जाएगा। युवा आदान प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।

साथ ही वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि सैन्य संघर्ष किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। चाहे यूक्रेन का संकट हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, दोनों देशों ने स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया। साथ ही वैश्विक संस्थाओं में सुधार और आतंकवाद के पूर्ण उन्मूलन की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

हम आपको एक बार फिर बता दें कि ऑस्ट्रिया भारत के लिए एक महत्वपूर्ण यूरोपीय साझेदार है। यह मध्य और पूर्वी यूरोप में प्रवेश का एक प्रमुख द्वार है और हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा तथा उन्नत इंजीनियरिंग में इसकी विशेषज्ञता भारत के विकास कार्यक्रमों के लिए उपयोगी है। दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और यह लगभग तीन अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच चुका है।

देखा जाये तो भारत और ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत होते संबंधों का प्रभाव वैश्विक भू-राजनीति पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। यूरोप के मध्य में स्थित ऑस्ट्रिया, भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सेतु का काम करता है, जिससे भारत को यूरोप के बाजारों, तकनीक और निवेश तक बेहतर पहुंच मिलती है। इस सहयोग से भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भूमिका और अधिक मजबूत होगी, विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। इसके साथ ही, ऑस्ट्रिया का भारत के प्रति समर्थन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति को सुदृढ़ करेगा, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता जैसे मुद्दों पर। दक्षिण एशिया के संदर्भ में यह साझेदारी भारत की रणनीतिक बढ़त को और मजबूत करेगी, क्योंकि उन्नत तकनीक, रक्षा सहयोग और आर्थिक निवेश के माध्यम से भारत क्षेत्रीय नेतृत्व को और प्रभावी ढंग से स्थापित कर सकेगा। इससे न केवल भारत की सुरक्षा क्षमताएं बढ़ेंगी, बल्कि वह क्षेत्र में स्थिरता, विकास और संतुलन बनाए रखने में भी अधिक सक्षम भूमिका निभा सकेगा।

बहरहाल, ऑस्ट्रिया के चांसलर की भारत यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों देशों के संबंध अब पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर नवाचार केंद्रित और भविष्य उन्मुख साझेदारी की ओर अग्रसर हैं। दोनों देशों ने मिलकर एक ऐसे सहयोग मॉडल की नींव रखी है जो न केवल द्विपक्षीय हितों को साधेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी स्थिरता और प्रगति में योगदान देगा।

संपादकीय

कार्यस्थल पर भयावह

देश की एक प्रमुख आईटी कंपनी की नासिक शाखा में यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयासों के चौंकाने वाले आरोप परेशान करने वाले हैं। निस्संदेह, यह प्रकरण बेहद गंभीर है और इन आरोपों ने कार्यस्थल की सुरक्षा जैसे नजरअंदाज किए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दे पर फिर देश का ध्यान आकर्षित किया है। यह आरोप है कि पुरुष कर्मचारियों का एक समूह महिला सहकर्मियों को निशाना बनाने के लिए एक ह्यसंगठित गिरोहह्ण की तरह काम कर रहा था। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम कंपनी प्रबंधन की उस घोर लापरवाही को ही उजागर करता है जिस के चलते समय रहते इस तरह के यौन उत्पीड़न व धर्म परिवर्तन की कोशिशों पर अंकुश नहीं लग सका। यह विडंबना ही है कि मानव संसाधन प्रबंधक ने कथित तौर पर पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से यह कहकर रोका कि झह्यऐसी चीजें होती रहती हैंह्ण आक्षेप लगाया गया है कि इस प्रकरण में आरोपी का ही पक्ष लिया गया। निश्चित तौर पर यह दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम कॉर्पोरेट जगत में व्याप्त विद्रूपताओं और एक गहरी तथा व्यापक विफलता की ओर ही इशारा करता है। जबकि दावा यह किया जाता रहा है कि कॉर्पोरेट जगत की प्राथमिकता कर्मचारियों की सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चत करना है। इसमें दो राय नहीं है कि जब यौन उत्पीड़न रोकथाम ढांचे को लागू करने के लिये जिम्मेदार उच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों पर दुर्व्यवहार को सामान्य या मामूली बात समझने का आरोप लगता है, तो सारे संस्थागत सुरक्षा उपाय ध्वस्त हो जाते हैं। निर्विवाद रूप से यह एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति है, जब पीड़ित महिला कर्मचारी को न केवल अपराधियों द्वारा बल्कि उनकी सुरक्षा का दायित्व संभालने वालों द्वारा भी चुप कराने के प्रयास किये जाते हैं। एक बार फिर से पुलिस के हस्तक्षेप और परामर्श के बाद ही कई पीड़ित महिला कर्मचारियों ने आगे आने का साहस जुटाया है। जिसके बाद ही मामले में प्राथमिकी दर्ज हो पायी है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण को लेकर एक असहज करने वाला प्रश्न यह उठता है कि क्यों भय, सामाजिक कलंक अथवा संस्थागत उदासीनता के कारण देश भर के विभिन्न कार्यस्थलों में ऐसे कितने ही यौन उत्पीड़न के मामले उजागर नहीं हो पाते हैं? इसमें दो राय नहीं कि इस मामले में जांच बिना किसी पुर्वाग्रह के आगे बढ़नी चाहिए। निर्विवाद रूप से आईटी कंपनी के नासिक प्रकरण में सांप्रदायिक या राजनीतिक रंग देने का प्रयास इस संकट की मूल चिंताओं को धूमिल करने का जोखिम जरूर पैदा कर सकता है। निस्संदेह, ऐसी घटनाओं को धार्मिक या वैचारिक नजरिये से देखना कॉर्पोरेट जवाबदेही और लैंगिक संवेदनशीलता वाले सुधारों की तत्काल आवश्यकता से ध्यान भटका सकता है। इस संवेदनशील विषय पर नजर रखने वाले तर्क देते हैं कि उत्पीड़न को संप्रदाय विशेष के अपराध के रूप में देखने के बजाय, इसे एक अधिकारी द्वारा अपने अधिकार के दुरुपयोग के रूप में देखा जाना चाहिए, जो किसी भी संस्थान में पारदर्शिता और प्रवर्तन की कमी वाले वातावरण में ही पनपता है। इस विचलित करने वाले प्रकरण में अधिकारियों की प्रतिक्रिया, जिसमें एक विशेष जांच दल का गठन भी शामिल है, स्वागत योग्य है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में महिला आयोग द्वारा भी एक स्वतंत्र जांच की जा रही है, जो कि एक सराहनीय कदम कहा जा सकता है।

विश्व धरोहर दिवसः सभ्यता की अमूल्य धरोहरों को बचाने का संकल्प

सुनील कुमार महला

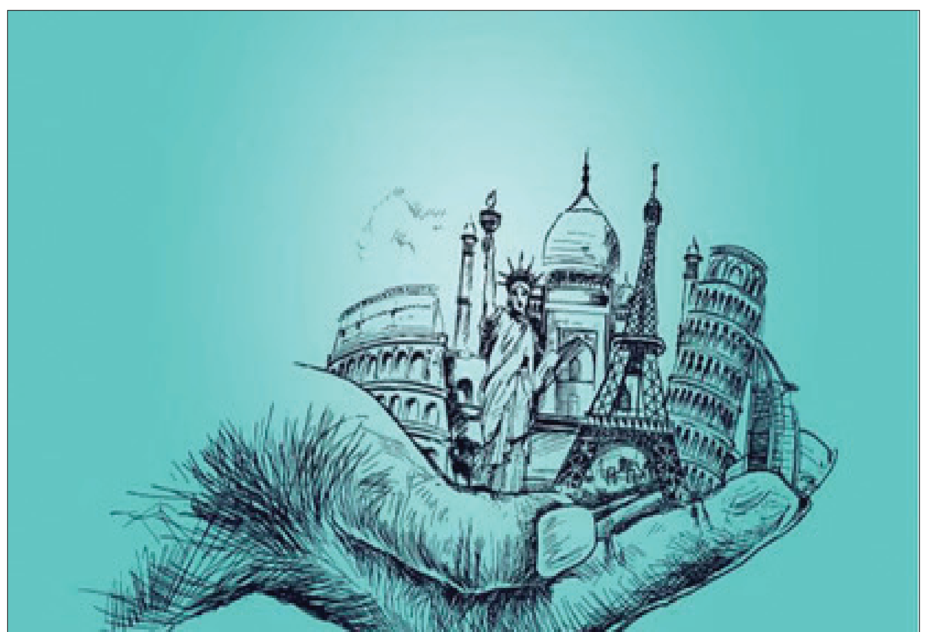

प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। इसे विश्व विरासत दिवस, वर्ल्ड हेरिटेज डे तथा आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस (इंटरनेशनल डे फोर मोन्यूमेंट्स एंड साइट्स) कहा जाता है। यह दिवस मानवता की साझा सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।वास्तव में, विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स) वे स्थान हैं जिन्हें मानवता के लिए उनके असाधारण सार्वभौमिक महत्व के आधार पर मान्यता दी जाती है और भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने हेतु विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाता है। इन स्थलों का संरक्षण यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972 के अंतर्गत किया जाता है, जिसे यूनेस्को सदस्य देशों द्वारा स्वीकार किया गया एक महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समझौता माना जाता है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विश्वभर के ऐतिहासिक स्मारकों, सांस्कृतिक स्थलों, पुरातात्विक अवशेषों, प्राकृतिक संपदाओं तथा मानव सभ्यता से जुड़ी अमूल्य विरासतों के संरक्षण के प्रति जनचेतना उत्पन्न करना है। वास्तव में धरोहर केवल पत्थरों से बनी इमारतें नहीं हैं, बल्कि वे हमारी संस्कृति, परंपरा, कला, ज्ञान, संघर्ष, इतिहास और सामूहिक पहचान की जीवंत प्रतीक हैं।

उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरूआत वर्ष 1982 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स द्वारा ट्यूनीशिया में आयोजित बैठक में हुई, जहाँ 18 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने का प्रस्ताव रखा गया। इसके बाद वर्ष 1983 में यूनेस्को की 22वीं महासभा ने इसे औपचारिक मान्यता प्रदान की। तभी से प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को यह दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। विश्व धरोहर स्थल विशेष स्थान, भवन, दुर्ग, नगर, वन, पर्वत, झील, मरुस्थल या प्राकृतिक क्षेत्र हो सकते हैं, जिन्हें मानवता के लिए विशिष्ट महत्व का माना जाता है। किसी स्थल को विश्व विरासत सूची में शामिल करने से पूर्व यूनेस्को उसे कठोर मानकों पर परखता है। वर्तमान में 10 चयन मानदंड निर्धारित हैं, जिनमें से कम से कम एक को पूरा करना आवश्यक है। इनमें ऐतिहासिक महत्व, स्थापत्य कला, सांस्कृतिक प्रभाव, प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता तथा वैज्ञानिक महत्त्व जैसे पहलू सम्मिलित हैं।विश्व धरोहर मुख्यतः तीन प्रकार की होती है- पहली, सांस्कृतिक धरोहर, जिसमें स्मारक, मंदिर, मस्जिद, चर्च, किले, मूर्तियाँ, प्राचीन नगर, स्थापत्य कला, भाषा, संगीत, नृत्य और परंपराएँ शामिल हैं। दूसरी, प्राकृतिक धरोहर, जिसमें पर्वत, नदियाँ, समुद्र, वन, वन्यजीव, जैव विविधता और अद्वितीय प्राकृतिक परिदृश्य आते हैं तथा तीसरी, मिश्रित धरोहर, जिनमें सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों विशेषताएँ विद्यमान होती हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यूनेस्को केवल स्थायी संरचनाओं या प्राकृतिक स्थलों को ही नहीं, बल्कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी मान्यता देता है। भारत की योग परंपरा और कुंभ मेला इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

विश्व स्तर पर सबसे अधिक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों वाला देश इटली है, जिसके बाद चीन का स्थान आता है। भारत भी विश्व धरोहर स्थलों की दृष्टि से अग्रणी देशों में सम्मिलित है। यूनेस्को एक विशेष सूची वर्ल्ड हेरिटेज इन डेंजर भी संचालित करता है, जिसमें उन स्थलों को शामिल किया जाता है जो युद्ध, प्रदूषण, प्राकृतिक आपदा, अतिक्रमण, अत्यधिक पर्यटन, जलवायु परिवर्तन या उपेक्षा के कारण संकट में हों। यदि कोई स्थल संरक्षण मानकों का पालन न करे या उसका मूल स्वरूप गंभीर रूप से बदल जाए, तो उसे सूची से हटाया भी जा सकता है। उदाहरणस्वरूप ओमान का अरेबियन ओरिक्स अभयारण्य तथा जर्मनी की ड्रेसडेन एल्बे घाटी को सूची से हटाया जा चुका है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2024 तक विश्वभर के 196 देशों में लगभग 1,223 विश्व धरोहर स्थल थे, जिनमें 952 सांस्कृतिक, 231 प्राकृतिक और 40 मिश्रित स्थल शामिल हैं। भारत जैसे प्राचीन और बहुसांस्कृतिक देश में इस दिवस का विशेष महत्व है। अप्रैल 2025 तक भारत में 43 विश्व धरोहर स्थल (34 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 2 मिश्रित) तथा 62 स्थल संभावित सूची में सम्मिलित थे। भारत के प्रमुख धरोहर स्थलों में ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, अजंता-एलोरा गुफाएँ, एलीफेंटा गुफाएँ, खजुराहो समूह, सांची स्तूप, महाबोधि मंदिर, हम्पी, महाबलीपुरम, जंतर-मंतर, कुतुब मीनार, लाल किला, कोणार्क सूर्य मंदिर, नालंदा, भीमबेटका, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिमी घाट तथा कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान प्रमुख हैं। राजस्थान धरोहर संपदा की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ जयपुर शहर, जंतर-मंतर जयपुर, आमेर किला, चित्तौड़गढ़ दुर्ग, कुंभलगढ़, रणथंभौर दुर्ग, जैसलमेर किला, गागरोन दुर्ग तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान जैसे विश्व धरोहर स्थल स्थित हैं। वर्ष 2021 में भारत के रामप्पा मंदिर (तेलंगाना) तथा धोलावीरा (गुजरात) को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया, जिससे भारत की संख्या में वृद्धि हुई।विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष एक विशेष थीम घोषित की जाती है।वर्ष 2025 की थीम थी-आपदाओं और संघर्षों से विरासत खतरे मेंः आइसीओएमओएस के 60 वर्षों के अनुभवों से तैयारी और सीख। तथा वर्ष 2026 की थीम है-संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया। रखी गई है।इसका आशय यह है कि युद्ध, संघर्ष और प्राकृतिक आपदाओं के समय केवल भवनों और स्मारकों की ही नहीं, बल्कि जीवित विरासतों-जैसे लोक परंपराएँ, सामाजिक ज्ञान, सांस्कृतिक पहचान और समुदाय आधारित परंपराएँ की भी त्वरित सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

वर्तमान समय में बढ़ता शहरीकरण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अवैध निर्माण, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएँ और लापरवाही अनेक धरोहरों के अस्तित्व पर संकट बनकर खड़े हैं। इसलिए इनका संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। धरोहरों से हमारी जड़ें मजबूत होती हैं, राष्ट्रीय गौरव बढ़ता है और पर्यटन उद्योग को नई दिशा मिलती है। भारत सरकार ने भी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु अनेक महत्त्वपूर्ण पहलें की हैं। विदेशों में पहुँचे प्राचीन पुरावशेषों की वापसी के प्रयास तेज किए गए हैं, और वर्ष 1976 से अब तक लगभग 655 पुरावशेष भारत वापस लाए जा चुके हैं। इतना ही नहीं, वर्ष 2024 में रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-स्थान जैसी कृतियों को यूनेस्को की विश्व स्मृति समिति के एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय रजिस्टर में शामिल किया गया, जिससे भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक सम्मान मिला। यह अच्छी बात है कि वर्ष 2017 में प्रारंभ हेरिटेज एडॉप्ट कार्यक्रम के माध्यम से सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं को सीएसआर फंडिंग के जरिए विरासत स्थलों के संरक्षण और विकास में भागीदारी का अवसर दिया गया। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय स्मारक और पुरावशेष मिशन के अंतर्गत 12.3 लाख से अधिक पुरावशेषों तथा 11,400 विरासत स्थलों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही डिजिटल स्पेस में भारतीय विरासत पहल के माध्यम से लोगों को आभासी रूप से विरासत स्थलों का अनुभव कराया जा रहा है।भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) द्वारा विकसित मस्ट सी पोर्टल पर लगभग 100 प्रमुख स्मारकों की जानकारी, चित्र और दृश्य उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे पर्यटकों और शोधकताओं को सुविधा मिलती है। जुलाई 2024 में भारत ने दिल्ली में यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र की मेजबानी कर वैश्विक सांस्कृतिक नेतृत्व में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

निष्कर्षतः, विश्व धरोहर दिवस केवल कैलेंडर की एक तिथि नहीं, बल्कि मानवता की साझा विरासत को सुरक्षित रखने का वैश्विक संकल्प है। यदि हम अपनी धरोहरों की रक्षा नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ अपने इतिहास, संस्कृति और पहचान से वंचित हो जाएँगी। अतः विकास के साथ-साथ विरासतों के संरक्षण, संवर्द्धन और सम्मान के लिए हमें दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करना चाहिए।

फ़ैशन डिज़ाइनिंग

फैशन डिजाइनिंग में करियर की शुरूआत

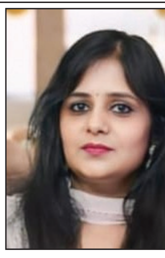

कंचन मेहता (दिशा सिरसा)

आज के आधुनिक दौर में फैशन डिजाइनिंग एक तेजी से उभरता हुआ और आकर्षक करियर विकल्प बन चुका है। यह केवल कपड़े बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक रचनात्मक कला है जिसमें व्यक्ति अपनी कल्पनाशक्ति, सौंदर्यबोध और नवीन विचारों को परिधानों के माध्यम से व्यक्त करता है। बदलते समय के साथ फैशन इंडस्ट्री का विस्तार लगातार बढ़ रहा है, जिससे युवाओं के लिए इसमें करियर के अनेक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

फैशन डिजाइनिंग में शुरूआत करने के लिए सबसे पहले अपनी रुचि और क्षमता को समझना आवश्यक है। यदि आपको रंगों, कपड़ों और नए-नए स्टाइल्स में रुचि है, तो यह क्षेत्र आपके लिए उपयुक्त हो सकता है। एक अच्छे फैशन डिजाइनर के लिए ड्रॉइंग और स्केचिंग की समझ होना बहुत जरूरी है, क्योंकि हर डिजाइन पहले कागज पर तैयार किया जाता है। इसके अलावा, फैशन ट्रेंड्स पर नजर रखना भी आवश्यक है, ताकि आपके डिजाइन समय के अनुरूप और आकर्षक बने रहें।

फैब्रिक की पहचान, रंगों का सही संयोजन और सिलाई की बेसिक जानकारी भी इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक सफल डिजाइनर वही होता है जो साधारण कपड़े को भी अपनी रचनात्मकता से खास बना सके। इसके लिए निरंतर अभ्यास और नए प्रयोग करना जरूरी होता है। साथ ही, कम्युनिकेशन स्किल्स भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आपको अपने विचारों को ग्राहकों और टीम के सामने स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना होता है।

शैक्षिक दृष्टि से, आज कई संस्थान फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा, डिग्री और मास्टर कोर्स प्रदान करते हैं। 12वीं के बाद छात्र इस क्षेत्र में प्रवेश लेकर अपने करियर की शुरूआत कर सकते हैं। इसके अलावा, शॉर्ट-टर्म कोर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी शुरूआती स्तर पर सीखने के लिए अच्छे विकल्प हैं।

फैशन डिजाइनिंग में प्रैक्टिकल अनुभव का विशेष महत्व है। केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं होता। छात्रों को इंटर्नशिप करनी चाहिए, फैशन शोज में भाग लेना चाहिए और छोटे-छोटे प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहिए। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे इंडस्ट्री की वास्तविकताओं को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। एक मजबूत पोर्टफोलियो बनाना भी जरूरी है, जिसमें आपके बेहतरीन डिजाइन शामिल हों।

करियर के दृष्टिकोण से, फैशन डिजाइनिंग में कई विकल्प उपलब्ध हैं। आप फैशन डिजाइनर, स्टाइलिस्ट, फैशन कंसल्टेंट या बुटीक ओनर बन सकते हैं। इसके अलावा, आप अपना खुद का ब्रांड शुरू करके भी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया के माध्यम से अपने डिजाइन्स को प्रमोट करना भी आसान हो गया है।

अंततः, फैशन डिजाइनिंग एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें सफलता पाने के लिए मेहनत, धैर्य और निरंतर सीखने की इच्छा आवश्यक है। यदि आप अपने काम के प्रति समर्पित हैं और अपनी रचनात्मकता को निखारते रहते हैं, तो आप इस क्षेत्र में एक सफल और प्रसिद्ध डिजाइनर बन सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में पोलियो टीमों पर हमले, 3 कर्मचारी अगवा, एक पुलिस कांस्टेबल की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में पोलियो टीकाकरण टीमों को निशाना बनाकर किए गए अलग-अलग हमलों में एक पुलिस कांस्टेबल की जान चली गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। इसके अलावा, खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले से तीन टीकाकरण कर्मियों के अपहरण की भी खबर है। बलूचिस्तान के नासिराबाद जिले के डेरा मुराद जमाली इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने पोलियो टीम पर उस समय हमला किया जब वे विश्राम कर रहे थे। क्वेटा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आसिफ खानजादा के अनुसार, महिला स्वास्थ्य कर्मियों सहित सुरक्षाकर्मियों का दल दोपहर के भोजन के लिए एक छायादार स्थान पर रुका था। तभी तीन मोटरसाइकिलों पर सवार हमलावरों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस हमले में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल फरहान बशीर की मौके पर ही मौत हो गई। हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार होने में सफल रहे। नासिराबाद के उपायुक्त जुल्फिकार अली करार ने स्पष्ट किया है कि इस कायराना हमले के बावजूद राष्ट्रव्यापी पोलियो रोधी अभियान जारी रहेगा। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले कुछ दिनों में हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। हांगू जिले के समाना रोड पर एक सशस्त्र हमलावर ने पुलिस दल पर गोलीबारी की, जिसमें कांस्टेबल मोहम्मद अनस घायल हो गए। हालांकि, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, बन्नू जिले के झंडोखेल इलाके में संदिग्ध आतंकवादियों ने पोलियो टीम के तीन कर्मचारियों का अपहरण कर लिया है। ये कर्मी नियमित टीकाकरण अभियान पर थे। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू कर दिया है। इससे दो दिन पहले भी हांगू के वापरी वजीरान इलाके में एक कांस्टेबल की हत्या कर दी गई थी और चार अन्य घायल हुए थे।

तुर्किये में 13 साल के छात्र ने गोलीबारी की :9 की मौत

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये में लगातार दूसरे दिन स्कूल में गोलीबारी का मामला सामने आया है। बुधवार को एक मिडिल स्कूल में 13 साल के छात्र ने गोलीबारी की। इसमें एक शिक्षक समेत 9 छात्रों की मौत हुई, जबकि लगभग 13 लोग घायल हुए। हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मार ली। 6 घायलों की हालत गंभीर है। गवर्नर मुकर्रम उनलुएर ने बताया कि हमलावर आठवीं कक्षा का छात्र था। वह अपने बैग में पांच हथियार और सात मैगजीन लेकर स्कूल पहुंचा था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये हथियार उसके पूर्व पुलिस अधिकारी पिता के हो सकते हैं। घटना के बाद इलाके में पुलिस तैनात किया गया और जांच शुरू की गई। गवर्नर के मुताबिक, हमलावर स्कूल के अंदर दो कक्षाओं में घुसा, जहां पांचवीं कक्षा के छात्र पढ़ रहे थे। उसने वहां अंधाधुंध फायरिंग की। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई गई है और उनका ऑपरेशन चल रहा है। इसी बीच, सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा गया कि गोलीबारी के दौरान कई छात्र स्कूल की दूसरी मंजिल से कूदकर जान बचाने की कोशिश कर रहे थे। सीसीटीवी फुटेज में हमलावर को स्कूल के गलियारे में छात्रों पर गोली चलाते हुए भी देखा गया। हालांकि इन फुटेज की पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद न्याय मंत्री अकीन गुरलेक ने कहा कि इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अमेरिका ने ईरान से निकल रहे 10 जहाजों को लौटाया

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के बंदरगाहों से निकलने की कोशिश कर रहे 10 जहाजों को वापस लौटा दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान के समुद्री इलाके में नाकाबंदी कर रखी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, सोमवार से शुरू हुई इस नाकाबंदी के बाद अब तक कोई भी जहाज इसे पार नहीं कर पाया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने नाकाबंदी नहीं हटाई, तो वह खाड़ी इलाके में व्यापार को बाधित कर सकता है। आज इजराइल और लेबनान के नेता जंग खत्म करने पर सीधे बातचीत करेंगे। यह पिछले 34 साल में दोनों देशों के बीच पहली सीधी बातचीत होगी। इजराइल और लेबनान के नेता आखिरी बार 1991 में मैड्रिड कॉन्फ्रेंस में आमने-सामने बैठे थे। अमेरिका और ईरान 21 अप्रैल को खत्म हो रहे सीजफायर से पहले समझौते के करीब पहुंच रहे हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ी है, हालांकि कुछ मतभेद अब भी बाकी हैं। इस बीच तेहरान में ईरानी अधिकारियों और पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के बीच अहम बैठक होगी। मुनीर पहले ही ईरान पहुंचकर विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात कर चुके हैं और वे अमेरिकी संदेश लेकर गए हैं। पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। उधर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ मिलकर बातचीत और ड्राफ्ट प्रस्ताव साझा कर रहे हैं।

ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच 34 साल बाद हो रही वार्ता का किया स्वागत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने एक बार फिर से साफ किया है कि इजरायल और लेबनान के बीच संभावित सीजफायर ईरान के साथ उसकी बातचीत का हिस्सा नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारतीय समयानुसार गुरुवार को यानी इजरायल और लेबनान के बीच बातचीत होगी। भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'इजराइल और लेबनान के बीच थोड़ी राहत दिलाने की कोशिश कर रहा हूं। दोनों नेताओं ने लगभग 34 साल से बात नहीं की है। अब बात होगी। बढ़िया।' हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वार्ता में कौन-कौन शामिल होंगे। ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते का सीजफायर होने के बाद ईरानी पक्ष की तरफ से ये दावा किया कि इजरायल ने लेबनान पर हमला करके सीजफायर का उल्लंघन किया है। हालांकि, अमेरिका ने कहा कि इस सीजफायर में लेबनान को शामिल नहीं किया गया था। इजरायल और लेबनान के बीच लगभग 34 सालों में पहली बार उच्चस्तरीय बातचीत हो रही है। दोनों देशों के बीच अमेरिका मध्यस्थ का काम कर रहा है। वॉशिंगटन इजरायल की उत्तरी सीमा पर तनाव कम करने के लिए डिप्लोमैटिक कोशिशें तेज कर रहा है। अमेरिकी सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने

लेबनान में युद्धविराम के लिए नहीं कहा था और यह ईरान के साथ शांति बातचीत का हिस्सा नहीं था। हालांकि, अधिकारी ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजरायल और लेबनान के बीच शांति समझौते के हिस्से के तौर पर लेबनान में दुश्मनी खत्म होने का स्वागत करेंगे। रुबियो की मौजूदगी में लेबनान और इजरायल के बीच दुर्लभ सीधी बातचीत सालों में पहली बार हुई थी। अमेरिकी अधिकारियों ने इस बातचीत को तनाव कम करने और शायद एक बड़े समझौते का रास्ता खोलने की दिशा में एक कदम बताया। एक और सीनियर अधिकारी ने कहा, 'अमेरिका एक टिकाऊ शांति चाहता है, लेकिन उसने तुरंत सीजफायर की मांग नहीं की है। अमेरिका का ध्यान दोनों सरकारों के बीच भरोसा बनाने पर है ताकि हम शांति समझौते के लिए जगह बना सकें और भविष्य में होने वाली कोई भी समझ टिकाऊ हो सके। दोनों पक्षों को पॉलिटिकल माहौल बनाने की जरूरत है। अमेरिकी अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि वॉशिंगटन तनाव कम करने का समर्थन तो करता है, लेकिन वह बातचीत के अलग-अलग रास्तों को नहीं जोड़ रहा है। अधिकारी ने कहा, 'अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का इजरायल और लेबनान के बीच चल रही शांति वार्ता से कोई लेना-देना नहीं है। इजरायल लेबनान में एक अल्पकालिक युद्धविराम पर विचार कर रहा है, जो लगभग एक सप्ताह तक चल सकता है, हालांकि यह अभी अंतिम निर्णय नहीं है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि हिजबुल्लाह इस प्रस्ताव को स्वीकार करेगा या नहीं। अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वाशिंगटन विभिन्न वार्ता प्रक्रियाओं को आपस में जोड़ नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता को इजरायल-लेबनान शांति वार्ता से अलग रखा गया है। लेबनान में तनाव के हालात तब से हैं, जब इजरायल ने इस साल की शुरुआत में हिजबुल्लाह के रॉकेट हमलों के बाद सैन्य अभियान शुरू किया था। इस संघर्ष ने बड़ी संख्या में नागरिकों को विस्थापित किया है और क्षेत्रीय तनाव बढ़ा दिया है। वॉशिंगटन की मौजूदा रणनीति तत्काल समाधान के बजाय धीरे-धीरे प्रगति पर केंद्रित है, ताकि जल्दबाजी में लिए गए फैसलों से बचा जा सके और स्थायी शांति का रास्ता तैयार हो सके।

ईरान में अब ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक महीने से ज्यादा चले भीषण सैन्य टकराव के बाद भले ही अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम हुआ हो, लेकिन जंग अब नए मोर्चे पर पहुंच गई है। गोलियों और मिसाइलों की जगह अब आर्थिक हथियारों का इस्तेमाल तेज हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान की कमर तोड़ने के लिए कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की नई रणनीति तैयार कर ली है। ईरान के तेल कारोबार से लेकर वैश्विक बैंकिंग नेटवर्क तक, हर रास्ता बंद करने की कोशिश की जा रही है, जिससे ईरान पर चौतरफा दबाव बनाया जा सके। बढ़ते इस तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप की प्रशासन ने अपना रुख साफ किया है कि वह ईरान पर और सख्त प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। इसमें उन देशों और बैंकों पर भी कार्रवाई शामिल हो सकती है, जो ईरान के तेल कारोबार से जुड़े हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि यह कदम ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी के तहत उठाया जा रहा है। उनका कहना है कि पिछले एक साल से ईरान पर मैक्सिमम प्रेशर यानी अधिकतम दबाव बनाया जा रहा है। इस बात को ऐसे समझिए कि अमेरिका अब उन देशों से भी सख्त कदम उठाने को कह रहा है, जिनके पास ईरान से जुड़े पैसे हैं।

यूक्रेन को ब्रिटेन से मिला अब तक का सबसे बड़े हथियारों का पैकेज

लंदन , एजेंसी। यूक्रेन को ब्रिटेन की ओर से घोषित अब तक के सबसे बड़े ड्रोन पैकेज की आपूर्ति शुरू हो गई है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ड्रोन की खेप पहुंचनी शुरू हो चुकी है और इससे उसकी फ्रंटलाइन की ताकत मजबूत हो रही है। मंत्रालय ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि हम यूके के आभारी हैं, जिसने यूक्रेन के लिए अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन पैकेज दिया है। ये ड्रोन पहुंचने लगे हैं और हमारी फ्रंटलाइन को मजबूत कर रहे हैं। बयान के अनुसार, इस वर्ष यूक्रेन को कुल 1.2 लाख (120,000) ड्रोन मिलने की उम्मीद है। इस पैकेज में स्ट्राइक, टोही, लॉजिस्टिक्स और समुद्री ड्रोन शामिल हैं, जो युद्ध के अलग-अलग मोर्चों पर इस्तेमाल किए जाएंगे। इससे पहले ब्रिटेन ने घोषणा की थी कि वह 2026 में यूक्रेन को कम से कम 1.2 लाख ड्रोन उपलब्ध कराएगा। यह पहल ब्रिटेन की इस साल की करीब 3 अरब पाउंड (लगभग 4.07 अरब अमेरिकी डॉलर) की सैन्य सहायता योजना का हिस्सा है। इसके साथ ही यह त्र7 की एक्स्ट्राऑर्डिनरी रेवेन्यू एक्सेलेरेशन फॉर यूक्रेन पहल से भी समर्थित है, जिसका उद्देश्य यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना

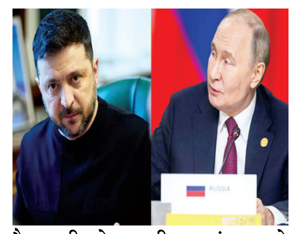

है। दूसरी ओर, रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस कदम की कड़ी आलोचना की है। रूस ने कहा कि यूरोपीय देशों द्वारा यूक्रेन के लिए ड्रोन उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने से महाद्वीप सीधे तौर पर रूस के साथ संघर्ष में और अधिक उलझता जा रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि यूरोपीय नेताओं के ऐसे कदम उनकी सुरक्षा बढ़ाने के बजाय उन्हें युद्ध की ओर धकेल रहे हैं। मंत्रालय के मुताबिक, 26 मार्च को कई यूरोपीय देशों ने यूक्रेन के लिए ड्रोन उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने का निर्णय लिया, खासकर उस समय जब यूक्रेनी सेना को बढ़ते नुकसान और जनशक्ति की कमी का सामना करना पड़ रहा है। रूस ने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी ड्रोन निर्माता कंपनियों की शाखाएं यूरोप के आठ देशों में सक्रिय हैं। इनमें से कुछ इकाइयां स्ट्राइक ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन जैसे हथियारों के निर्माण में लगी हैं, जिनके उत्पादन के लिए यूरोप में अतिरिक्त फंडिंग भी बढ़ाई जा रही है।

हिजबुल्लाह का भीषण प्रहार, 24 घंटे में इस्राइली ठिकानों पर 39 किए हमले; जंग तेज हुई तेज

तेलअवीव, एजेंसी। लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में 39 सैन्य अभियान चलाए हैं। इन हमलों में इस्राइली बस्तियों, सैनिकों की टुकड़ियों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया गया। साथ ही दक्षिणी सीमा और उत्तरी इस्राइल में दोनों पक्षों के बीच आमने-सामने की झड़पें भी हुईं। अल जजीरा की रिपोर्ट में बात सामने आई है। इस बीच, इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि इस्राइली सेना दक्षिण लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान जारी रखेगी। नेतन्याहू ने बिंट जबील को हिजबुल्लाह का मुख्य गढ़ बताया और इसे पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया। इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने लेबनान के अस्पतालों की हालत पर चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि दक्षिण लेबनान का 'तेबनीन सरकारी अस्पताल' गंभीर संकट में है। अप्रैल में अस्पताल के पास हुए दो अलग-अलग हमलों में इसे काफी नुकसान पहुंचा है। इन घटनाओं में 11 स्वास्थ्य कर्मी घायल हुए। अस्पताल का इमरजेंसी विभाग, वेंटिलेटर, मॉनिटर और फार्मेसी जैसी जरूरी चीजें खराब हो गई हैं। हालांकि कुछ सेवाएं अभी भी चालू हैं, टेड्रोस ने कहा कि डब्लयूएचओ प्राथमिकता वाली जरूरतों के आधार पर तत्काल आपातकालीन रखरखाव में सहायता कर रहा है। डब्लयूएचओ प्रमुख ने स्वास्थ्य सेवाओं पर हो रहे हमलों के आंकड़े भी साझा किए। संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक स्वास्थ्य सेवाओं पर 133 हमले हुए हैं। इनमें 88 लोगों की मौत हुई और 206 लोग घायल हुए हैं। हमलों की वजह से 15 अस्पताल और 7 स्वास्थ्य केंद्र क्षतिग्रस्त हुए हैं। वहीं, 5 अस्पतालों और 56 स्वास्थ्य केंद्रों को पूरी तरह बंद करना पड़ा है। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों, एम्बुलेंस और मरीजों की सुरक्षा की अपील की है। अल जजीरा के अनुसार, एक अन्य घटना में, दक्षिण लेबनान के मईफादौन में इस्राइली हमलों में कम से कम चार पैरामेडिक्स की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

ईरान ने यूरेनियम संवर्धन के अधिकारों पर समझौते से किया इनकार, यूएस पर युद्ध भड़काने का लगाया आरोप

तेहरान , एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि ईरान अपने न्यूक्लियर संवर्धन अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगा। सरकारी मीडिया ने गुरुवार को बताया कि न्यूक्लियर एनर्जी पर उसका अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर आधारित है। तेहरान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बाघेई ने पश्चिमी मीडिया में ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को लेकर फैल रही अटकलों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ईरान के वैध अधिकार पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण परमाणु संवर्धन का अधिकार किसी बाहरी शक्ति की कृपा या रियायत नहीं है, जिसे दबाव या संघर्ष के समय वापस लिया जा सके। जब

तक ईरान एनपीटी का सदस्य है, उसे इस संधि के सभी प्रावधानों का पूरा लाभ मिलना चाहिए। पाकिस्तान में हाल ही में हुई ईरान-अमेरिका वार्ता को लेकर संवर्धन से जुड़ी चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए बाघेई ने कहा कि किसी भी संभावित समझौते के लिए पहले एक व्यापक ढांचा तय होना जरूरी है। जब तक बुनियादी शर्तें तय नहीं होतीं, तब तक युद्ध और शांति जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विस्तृत बातचीत जल्दबाजी होगी। लेबनान प्रतिरोध को लेकर उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा 'वैध प्रतिरोध' का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि लेबनान में युद्ध समाप्त करना भी उस सीजफायर समझौते का हिस्सा था, जिस पर इस्लामाबाद वार्ता में चर्चा हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरा पक्ष (इजरायल) शुरू से ही सीजफायर की शर्तों का पालन नहीं कर रहा है। बाघेई ने यह भी कहा कि किसी समझौते के तहत यदि एक पक्ष अपनी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करता है, तो दूसरे पक्ष को भी अपनी जिम्मेदारियों को उसी अनुपात में समायोजित करने का अधिकार होता है।

उन्होंने इस दावे को पूरी तरह गलत बताया कि ईरान ने लेबनान में प्रतिरोध मोर्चों का समर्थन कम किया है। बाघेई ने होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा को लेकर यूरोपीय प्रस्ताव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ईरान और उसके क्षेत्रीय साझेदार इस महत्वपूर्ण जलमार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि ईरान ऐतिहासिक रूप से इस क्षेत्र का संरक्षक रहा है और पिछले 40 दिनों में जो भी व्यवधान हुए हैं, वे अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए संघर्ष का परिणाम हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि बाहरी हस्तक्षेप से क्षेत्रीय स्थिति और जटिल हो सकती है।

ईरान के साथ तनाव के चलते अमेरिका में गैस की कीमतों के पूर्वानुमान पर छाई अनिश्चितता

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में ईंधन की कीमतों के भविष्य को ईरान संघर्ष में हो रहे घटनाक्रमों से जोड़ दिया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि पेट्रोल की कीमतों में लगातार गिरावट इस बात पर निर्भर करेगी कि होरमुज़ जलडमरूमध्य दोबारा खोला जाता है या नहीं और चल रही वार्ताओं में कितनी प्रगति होती है। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बुधवार (स्थानीय समय) व्हाइट हाउस में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं से कहा कि गैस की कीमतों में कमी का समय अभी अनिश्चित है। उन्होंने ईरान से जुड़े तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में आई बाधाओं का हवाला दिया। बेसेंट ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि 20 जून से 20 सितंबर के बीच किसी समय हम फिर से 3 डॉलर प्रति गैलन गैस देख सकते हैं,' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि परिणाम इस बात पर निर्भर करेंगे कि बातचीत कैसे आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा कि होरमुज़ जलडमरूमध्य अभी 'पूरी तरह से दोबारा नहीं खोला गया है,' और यह भी जोड़ा कि जैसे ही शिपिंग मार्ग सामान्य संचालन में लौटेंगे, ऊर्जा बाजार स्थिर हो जाएंगे। बेसेंट ने कहा कि मध्य पूर्व के वित्त मंत्रियों के साथ हुई चर्चाओं से संकेत मिलता है कि परिस्थितियां सुधरते ही तेल उत्पादन तेजी से फिर शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा, 'जैसे ही जलडमरूमध्य खुलता है, वे एक सप्ताह के भीतर फिर से उत्पादन शुरू कर सकते हैं।' प्रशासन ने कहा कि वह ईंधन की कीमतों पर नजर बनाए हुए है और खुदरा विक्रेताओं से अपील की है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी आने पर उसका लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने कहा कि मौजूदा मूल्य दबाव ईरान की स्थिति से जुड़े एक व्यापक रणनीतिक प्रयास को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, 'यह संयुक्त राज्य अमेरिका के दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्य के लिए एक अल्पकालिक व्यवधान है।' इन प्रयासों का उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। लेविट ने कहा कि जैसे ही ऑपरेशन समाप्त होंगे और जलडमरूमध्य फिर से खुलेगा, प्रशासन को उम्मीद है कि ईंधन की कीमतें घटेंगी। साथ ही उन्होंने घरेलू ऊर्जा उत्पादन पर सरकार के ध्यान का भी उल्लेख किया।

बेसेंट ने इस दृष्टिकोण को 'अल्पकालिक अस्थिरता, दीर्घकालिक लाभ के लिए' बताया। साथ ही, यह संकेत दिया कि अस्थायी आर्थिक दबाव एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है। प्रशासन ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर करने के प्रयासों पर भी जोर दिया, जिसमें सहयोगी देशों और क्षेत्रीय भागीदारों के साथ समन्वय शामिल है।

ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर बोले आईएईए प्रमुख- तेहरान बेहद महत्वकांक्षी, भ्रम में न पड़े अमेरिका

तेहरान, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक मारियानो राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका-ईरान के बीच किसी संभावित समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम की जांच के लिए व्यापक उपाय शामिल किए जाने चाहिए। ग्रॉसी ने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम की सख्त और विस्तृत जांच की व्यवस्था के बिना कोई भी समझौता सिर्फ एक भ्रम साबित होगा। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख ने साफ कहा है कि आईएईए निरीक्षकों को इसके लिए यदि पूरी पहुंच नहीं मिलती, तो ऐसा समझौता वास्तविक नहीं होगा। सियोल में संवाददाताओं से बात करते हुए ग्रॉसी ने कहा, 'ईरान का परमाणु कार्यक्रम बहुत महत्वाकांक्षी और व्यापक है, इसलिए इन सभी पहलुओं के लिए आईएईए निरीक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उन्होंने कहा कि परमाणु प्रौद्योगिकी पर किसी भी समझौते के लिए 'बेहद विस्तृत सत्यापन तंत्र' की जरूरत होती है।

ईरान के परमाणु ठिकानों तक एजेंसी की पहुंच नहीं : इससे पहले फरवरी की अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की एक गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार, जून में 12 दिनों के युद्ध के दौरान इस्राइल और अमेरिका द्वारा बमबारी किए गए परमाणु ठिकानों तक ईरान ने आईएईए को पहुंच नहीं दी। रिपोर्ट में कहा गया कि एजेंसी यह सत्यापित नहीं कर सकती कि ईरान ने संवर्धन

से संबंधित सभी गतिविधियां बंद कर दी हैं या प्रभावित परमाणु सुविधाओं में ईरान के यूरेनियम भंडार का आकार कितना बड़ा है। ईरान लंबे समय से अपने कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बताता आया है। वहीं, आईएईए और पश्चिमी देशों का दावा है कि तेहरान के पास 2003 तक संगठित परमाणु हथियार कार्यक्रम था। आईएईए के अनुसार, ईरान के पास 60% तक संवर्धित 440.9 किलोग्राम यूरेनियम मौजूद है। ग्रॉसी ने कहा, ईरान अपने कार्यक्रम को हथियार बनाने की दिशा में ले जाता है, तो यह भंडार 10 परमाणु बम बनाने योग्य होगा। ग्रॉसी ने बताया कि उत्तर कोरिया के परमाणु ठिकानों पर गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। उनकी टिप्पणी उन विदेशी पर्यवेक्षकों के नजरिये से मेल खाती है, जो मानते हैं कि वर्ष 2019 में अमेरिका के साथ कूटनीति विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया ने अपने मुख्य योंगब्योन परमाणु परिसर का विस्तार किया है और अतिरिक्त यूरेनियम संवर्धन केंद्र बनाने के लिए कदम उठाए हैं। घटनाक्रम से संकेत मिलता है कि आईएईए की कड़ी शर्तें अमेरिका-ईरान के बीच किसी संभावित समझौते को प्रभावित कर सकती हैं। राफेल ग्रॉसी का यह बयान ऐसे समय पर आया है।

आसिम मुनीर ही हैं असली मालिक ! पाकिस्तान के पूर्व मंत्री बोले- ट्रंप ने तो शरीफ का नाम तक नहीं लिया

इस्लामाबाद, एजेंसी। ऐसे समय में जब ईरान और अमेरिका के बीच राजनयिक वार्ताओं के संदर्भ में पाकिस्तान चर्चा के केंद्र में है, तो एक जाना-पहचाना सवाल फिर से सामने आया है: इस्लामाबाद में इस मध्यस्थता का नेतृत्व असल में कौन कर रहा है? पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने इस पर स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर ही 'पाकिस्तान का नेतृत्व कर रहे हैं' और सारे फैसले लेने का अधिकार उन्हीं के पास है। एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि अमेरिका-ईरान मध्यस्थता वार्ता की कमान किसके हाथों में है, तो चौधरी ने कहा: ईमानदारी से कहूं तो इसमें कोई दो राय नहीं है। इस वक्त पाकिस्तान का नेतृत्व जनरल असीम मुनीर कर रहे हैं। वे ही पाकिस्तान के वास्तविक (ष्ठद्ग द्धड्डष्ह्लश्च) नेता हैं। अभी निर्णय लेने की सारी शक्ति फील्ड मार्शल (सीडीएफ) के पास ही है... यहां तक कि कल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी जनरल असीम मुनीर को ही पाकिस्तान का नेता बताया, और उन्होंने (प्रधानमंत्री) शहबाज शरीफ का नाम लेने की जहमत तक नहीं उठाई।

ईरान गया पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल : ईरान की सरकारी मीडिया ने बुधवार को बताया कि एक पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल अमेरिका का एक विशेष संदेश लेकर ईरान पहुंचा है। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी ने ईरानी मीडिया के हवाले से बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों (अमेरिका और ईरान) के बीच दूसरे दौर की बातचीत की रूपरेखा भी तैयार कर सकता है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माइल बघाई ने भी अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद में हुई पिछली चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए तेहरान में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल पहुंच चुका है।

पहली वार्ता रही बेनतीजा और अमेरिका की 'अवास्तविक' मांगें : पिछले सप्ताहांत पाकिस्तान के इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत किसी भी ठोस या निर्णायक नतीजे पर पहुंचने में विफल रही थी। एएफपी न्यूज एजेंसी ने प्रवक्ता बघाई के हवाले से बताया कि रविवार को जब से ईरानी प्रतिनिधिमंडल वापस तेहरान लौटा है, तब से पाकिस्तान के माध्यम से दोनों देशों के बीच कई संदेशों का आदान-प्रदान किया गया है। बघाई ने यह भी स्पष्ट किया कि पहली वार्ता के दौरान अमेरिका की कुछ मांगें बेहद अनुचित और अवास्तविक थीं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वे मांगें वास्तव में क्या थीं।

डोनाल्ड ट्रंप का बयान और अमेरिकी नाकेबंदी : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस बात के संकेत दिए हैं कि तेहरान के साथ शांति वार्ता इसी सप्ताह फिर से शुरू हो सकती है। बातचीत की यह कोशिश ऐसे तनावपूर्ण माहौल में हो रही है जब अमेरिकी सेना ने समुद्र में कड़ी नौसैनिक नाकेबंदी कर दी है। अमेरिका का दावा है कि इस नाकेबंदी के कारण ईरान के साथ होने वाला समुद्री व्यापार पूरी तरह से कट गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को 'न्यूयॉर्क पोस्ट' को बताया कि पाकिस्तान में ईरान के साथ एक नए दौर की बातचीत 'अगले दो दिनों के भीतर' होने वाली है।

स्वीडन के वैज्ञानिकों का दावा

लंबी उम्र पाना है तो चलाएं साइकिल

भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ और लंबा जीवन जीने के लिए लोग जिम पर खूब पैसा खर्च कर रहे हैं, फिर भी बेहतर परिणाम सामने नहीं आ रहे। अब उनकी परेशानी चुटकियों में हल हो सकती है। स्वीडन के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि साइकिल चलाने से बेहतर स्वास्थ्य के साथ ही लंबी जिंदगी भी पाई जा सकती है। यह जिम जाने से कहीं ज्यादा फायदेमंद है।

एलिन एक्बलोम-बक ने कहा, सीढ़ियां चढ़ना, साइकिल चलाना या पैदल चलना आपको लंबे समय तक जीवित रहने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि बेहतर जीवनशैली के लिए लोगों को लगता है, कि उन्हें जिम जाना चाहिए और कड़ी मेहनत करनी होगी। लेकिन, ऐसा जरूरी नहीं है। लोगों के लिए दिनभर सक्रिय रहना, सीढ़ियां चढ़ना, साइकिल चलाना काफी लाभदायक हो सकता है। अध्ययन में 18-74 वर्ष आयु के करीब तीन लाख वयस्क शामिल थे। शोध में कार्डियो रेसपिरेटरी फिटनेस को एक सबमैक्सिमल साइकिल टेस्ट का उपयोग करके मापा गया और इसे अधिकतम ऑक्सीजन अपटेक के रूप में व्यक्त किया गया।

ब्रेन ट्यूमर के लिए अब उपलब्ध हैं इलाज की नई तकनीकें

एक समय मौत का दूत माने जाने वाले ब्रेन ट्यूमर का उपचार आज रेडियो सर्जरी, कीमोथैरेपी, रेडियेशन थैरेपी के अलावा कंप्यूटर आधारित स्टीरियोटौक्सी एवं रोबेटिक सर्जरी जैसी नवीनतम तकनीकों की बदौलत अत्यंत कारगर, सुरक्षित एवं काफी हद तक कष्ट रहित हो गया है। ब्रेन ट्यूमर की पहचान जितनी पहले हो जाए, इलाज उतना ही आसान हो जाता है। ब्रेन ट्यूमर के लक्षण साधारणतः सीधे उस से संबंधित होते हैं, जहां दिमाग के अंदर ट्यूमर होता है।

उदाहरण के लिए मस्तिष्क के पीछे ट्यूमर के कारण दृष्टि संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। मस्तिष्क के बाहरी भाग में होने वाले ट्यूमर के कारण बोलते समय रूकावट आने जैसी समस्या हो सकती है। ट्यूमर का आकार बढ़ने के परिणास्वरूप मस्तिष्क पर बहुत दबाव पड़ता है, इस कारण सिर दर्द, उल्टी आना, जी मचलना, दृष्टि संबंधी समस्याएं या चलने में समस्या, बोलते समय समस्या होना आदि लक्षण हो सकते हैं। कभी-कभी ट्यूमर की वजह से सिर में पानी इकटठा होने लगता है, जिसको चिकित्सकीय भाषा में हाइड्रोसिफेलस कहते हैं। यह स्थिति मरीज के लिए खतरनाक हो सकती है। प्रायः ब्रेन ट्यूमर का निदान करना थोड़ा मुश्किल होता है, क्योंकि इस में पाए जाने वाले लक्षण किसी अन्य समस्या के भी संकेत हो सकते हैं। बोलते समय अटकना, दवाइयों, नशीले पदार्थो या शराब का सेवन करने के कारण भी हो सकता है। जब यह लक्षण बहुत तीव्रता के साथ उत्पन्न होने लगते हैं, तो यह ब्रेन ट्यूमर का कारण हो सकते हैं।

ब्रेन ट्यूमर के अन्य लक्षण

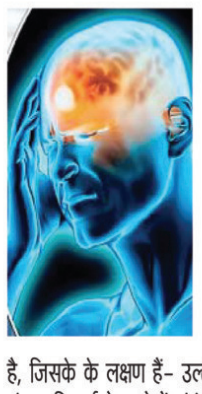

सिरदर्द: ब्रेन ट्यूमर के शुरूआती लक्षणों में एक है सिरदर्द। इसमें अक्सर सुबह उठते ही भयानक सिरदर्द शुरू हो जाता है, जो दिन में धीरे-धीरे ठीक हो जाता है। झुकने में, व्यायाम करने में सिरदर्द अधिक कष्टकारी होता है।

मानसिक व व्यक्तित्व बदलाव: मरीजों के स्वभाव संबंधी व्यवहार व व्यक्तित्व में बदलाव पाया जाता है। मरीज को बोलने में तकलीफ महसूस होती है व स्मरण शक्ति भी कम हो जाती है।

मास इफेक्ट: यह इंट्राक्रेनियल दबाव के बढ़ने से होता है, जिसके के लक्षण हैं- उल्टी व जी मचलाना, चक्कर आना, दृष्टि संबंधी तकलीफे, धुंधला दिखाई देना, नेत्रों संबंधी नस (पापिलेडेमा) में सूजन। यह लक्षण छोटे बच्चो में, उम्रदराज लोगों में व जिनमें धीरे-धीरे ट्यूमर बढ़ता है आदि लोगों में पाए जाते हैं।

फोकल लक्षण: इन फोकल लक्षणों जैसे साफ सुनाई न देना, कानों में कुछ बजने की आवाज सुनना, कमजोरी, बोलने व चलने में दर्द, मांसपेशियों पर घटता नियंत्रण, दोहरा दिखाई देना और घटती चेतना (सेंसेशन) आदि भी ट्यूमर के कारण हो सकते हैं।

क्या ब्रेन ट्यूमर खतरनाक है?

सामान्यत मस्तिष्क में किसी भी चीज में वृद्धि होना बहुत खतरनाक माना जाता है और यह बात ब्रेन ट्यूमर के मामले में भी लागू होती है। ब्रेन ट्यूमर कई प्रकार के होते हैं, हालांकि इसे कैंसर के आधार पर मुख्य रूप से दो वर्गों पहला कैंसरजन्य और कैंसर रहित ट्यूमर में विभाजित किया जा सकता है। बीस से चालीस साल के लोगों को ज्यादातर कैंसर रहित और 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को ज्यादातर कैंसर वाले ट्यूमर होने की संभावना रहती है। कैंसर रहित ट्यूमर, कैंसर वाले ट्यूमर की तुलना में धीमी गति से बड़ता है।

क्या यह आनुवांशिक है?

यहां कुछ ऐसे ब्रेन ट्यूमर है जो आनुवांशिक होते हैं, जिस प्रकार से न्यूरोफाइब्रोमेटोसिस। लेकिन व्यापक रूप से ऐसा नहीं है। चिकित्सा विज्ञान में ब्रेन ट्यूमर के मुख्य कारणों का पता नहीं चल पाया है। आनुवांशिक संबंधों के विषय में दुनिया भर में शोध कार्य चल रहा है।

आधुनिक इलाज

ब्रेन ट्यूमर के प्रकार, स्थान और आकार पर अधारित विभिन्न प्रकार के इलाज करने के तरीकों का चुनाव किया जाता है। यदि ऑपरेशन सुरक्षित है, तो ऐसे में ट्यूमर को हर संभव तरीके से दूर करने के लिए ऑपरेशन को उपचार की पहली विधि के रूप में अपनाया जाता है। यह सर्जरी इंडोस्कोपिक प्रक्रिया से की जाती है, अन्यथा स्टीरिओटेक्सी से बायोप्सी की जाती है। ■ **डॉ. सतनाम सिंह छाबड़ा**

रेसिपी

बेसन टिक्की की सब्जी

■ टिक्की के लिए ■ बेसन- 1 कप ■ खसखस- 1 चम्मच ■ बारीक कटी मिर्च- 2 ■ अनारदाना पाउडर- 1/4 चम्मच ■ बारीक कटी धनिया पत्ती- 2 चम्मच ■ हल्दी पाउडर- 1/4 चम्मच

■ लाल मिर्च पाउडर- 1/4 चम्मच ■ जीरा- 1/4 चम्मच ■ तेल- 2 चम्मच तेल- तलने के लिए ■ बारीक कटे टमाटर- 2 ■ हल्दी पाउडर- 1/3 चम्मच ■ धनिया पाउडर- 1/4 चम्मच ■ गरम मसाला पाउडर- 1/4 चम्मच ■ लाल मिर्च पाउडर- 1/4 चम्मच ■ कसूरी मेथी- 1/2 चम्मच ■ नमक- स्वादानुसार

विधि

बेसन की टिक्की बनाने के लिए एक बरतन में टिक्की की सभी सामग्री डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए कढ़ा गूंद लें। गूंदे हुए बेसन से छोटी-छोटी लोई काटें और अपनी हथेलियों के बीच रखकर उन्हें हल्का-सा चपटा कर दें। सॉसपेन में पर्याप्त मात्रा में पानी डालकर उबालें। उसमें तैयार बेसन की टिक्कियां डालें और चार-पांच मिनट तक उबालें। बेसन की टिक्कियों को पानी से निकाल दें और ठंडा होने दें। कड़ाही में तेल गर्म करें और टिक्कियों को उसमें डालकर सुनहरा होने तक तल लें। टिश्यू पेपर पर निकाल लें। इस बीच ग्रेवी तैयार करने के लिए कुकर में तेल गर्म करें और उसमें प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। अब ग्रेवी के लिए बची हुई सारी सामग्री को कुकर में डालें और मध्यम आंच पर मसालों को अच्छी तरह से भूनें। कुकर में ग्रेवी के लिए आवश्यकतानुसार पानी डालें। कुकर को बंद करें और तीन सीटी लगाएं। आंच धीमी करें तीन-चार मिनट और पकाएं। गैस ऑफ करें और कुकर का प्रेशर अपने-आप निकलने दें। कुकर का ढक्कन खोलकर उसमें बेसन की तैयार टिक्की डालें। धीमी आंच पर ग्रेवी को टिक्की के साथ चार-पांच मिनट तक पकाएं। धनिया पत्ती से गार्निश करें।

रॉ मैंगो सांभर

■ मुटठीभर तूअर दाल, मुटठीभर चना दाल ■ 1 कप छोटे टुकड़ों में कटा कच्चा आम ■ 1 कप टुकड़ों में कटी लौकी ■ कुछ बीन्स, कुछ कद्दू ■ 1 गाजर, 2 टीस्पून सांभर मसाला ■ चुटकीभर हल्दी पाउडर ■ 1 हरी मिर्च, नमक- स्वादानुसार ■ 1 सूखी लाल मिर्च ■ चुटकी भर हींग ■ 1 टीस्पून राई दाना ■ 1 टेबलस्पून सनफ्लॉवर आयल ■ कुछ करी पत्ता

विधि

प्रेशर कुकर में चार कप पानी के साथ सारी सामग्री डालकर करीब पांच सीटी लगाएं। कुकर खोलकर चेक करें कि दाल पक गई है या नहीं। अगर नहीं पके तो और सीटियां लगा लें। दाल पक जाएं तो फ्राइंगपैन में तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें हींग, राई दाना, करी पत्ता, सूखी लाल मिर्च भूनें और सांभर पर डालें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों आगमन होगा। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ समाचारों मिलेगें। शुभांक-3-5-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, झ्चता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन्स

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

□ □ □

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

□ □ □

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

काकुरो पहेली -4028

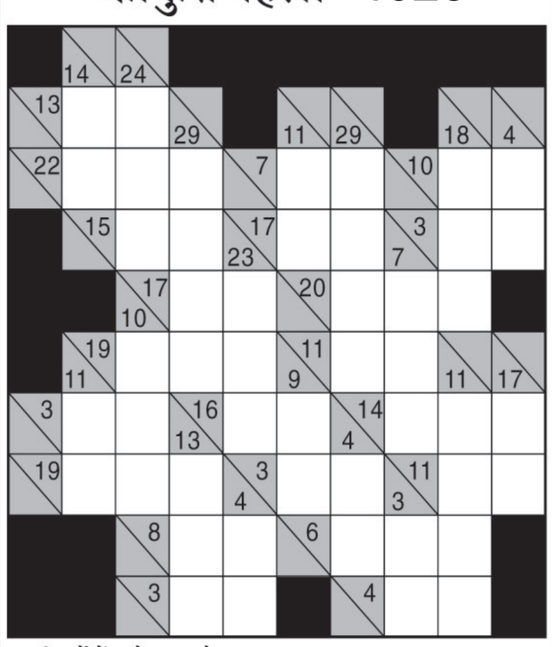

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

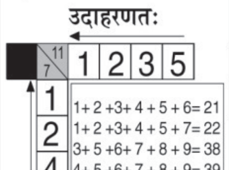

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4027 का हल

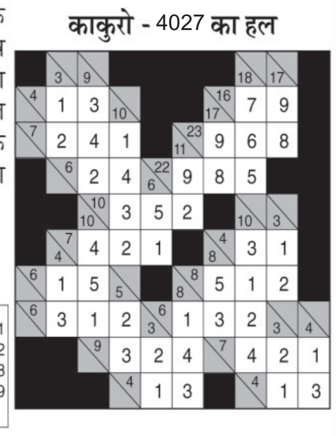

फिल्म वर्ग पहेली- 4028

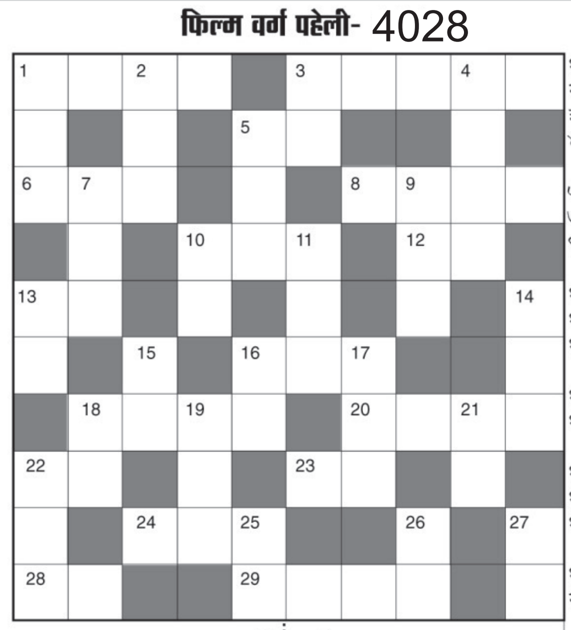

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4027

सूडोकु -4028

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4027 हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 4028

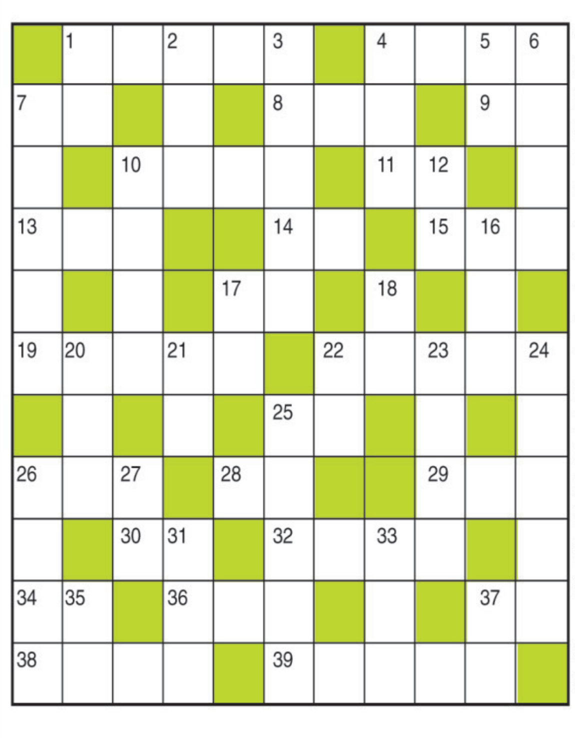

बाएँ से दाएँ

1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -4027 का हल

केजरीवाल ने लखनऊ के विकास नगर स्थित झुग्गी बस्ती में लगी आग पर जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को लखनऊ के विकास नगर स्थित झुग्गी बस्ती में लगी आग पर दुख व्यक्त किया। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए लिखा कि लखनऊ के विकास नगर स्थित झुग्गी बस्ती में लगी भीषण आग में अपना सब कुछ खो देने वाले पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहन संवेदनाएं। उन्होंने कहा कि इन गरीब परिवारों के सिर से सिर्फ छत नहीं गई है, बल्कि उनके जीवनभर की जमा-पूंजी और रोजगार के साधन आग में जलकर खाक हो गए हैं। केजरीवाल ने सरकार से अपील की है कि पीड़ित परिवारों के लिए जल्द से जल्द उचित राहत, रोजगार एवं पुनर्वास की व्यवस्था की जाए। उल्लेखनीय है कि, लखनऊ के विकास नगर की झुग्गी बस्ती में बुधवार शाम में आग लगने की घटना सामने आई। जिसमें 200 से ज्यादा झिग्गियां जल कर राख हो गई।

शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान : जयपुर में विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई, 1422 लीटर घी सीज, बिलौना घी के एक बैच पर प्रतिबंध

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेशभर में मिलावट के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 'शुद्ध आहार एवं मिलावट पर वार' अभियान के तहत जयपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर सघन निरीक्षण एवं सैंपलिंग की कार्रवाई की गई।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि मैसर्स शंकर एजेंसी का निरीक्षण कर गुलकंद सिरप, गवावा क्रश, पपीता प्रिजर्व फूड, सोया सॉस, चिली सॉस एवं कॉन्टिनेंटल सॉस के कुल 6 नमूने लिए गए। मिलावट के संदेह पर मौके पर 99 लीटर गुलकंद सिरप, 22 लीटर गवावा क्रश, 97 किलोग्राम पपीता प्रिजर्व फूड, 142 किलोग्राम सोया सॉस, 78 किलोग्राम ग्रीन चिली सॉस, 120 किलोग्राम कॉन्टिनेंटल सॉस को सीज किया गया। इसके अतिरिक्त अविधपार 175 किलो कस्टर्ड पाउडर, 240 किलो चेरी पपीता फ्रूटी एवं 750 किलो फलूदा नष्ट करवाया गया। अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह ने बताया कि अनु मिल्क प्रोडक्ट्स लिमिटेड का निरीक्षण कर घी बिलौना के बैच नं. 024 एवं घी डेयरी फ्रेश के बैच नं. 23 के नमूने लिए गए। मौके पर 1422 लीटर घी सीज किया गया।

संस्कृति से जुड़कर सहकार के भाव को प्रबल करें : राज्यपाल बागडे

जालोर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जालोर में जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि. के नवनिर्मित प्रधान कार्यालय का लोकार्पण किया। समारोह में राज्यपाल ने जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि. जालोर के नवनिर्मित प्रधान कार्यालय के लोकार्पण की शुभकामनाएं देते हुए सहकारी बैंकिंग संस्थाओं के आम व्यक्ति के जीवन में वित्तीय महत्व के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंक छोटे उद्यमियों, कुटीर उद्योगों, किसानों, मजदूरों, फल-सब्जी के व्यापारियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवा उन्हें अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में सहायता देते हैं। इससे गरीब एवं मध्यम वर्ग को स्वरोजगार का मौका मिलता है। यही सहकार है जो सबको साथ लेकर आगे बढ़ता है। राज्यपाल ने अपने उद्बोधन में सहकारिता क्षेत्र में अपने जीवन के अनुभव व संस्मरण साझा करते हुए डेयरी व कृषि के व्यवसाय में सहकारी संस्थाओं का महत्व बताया। उन्होने कहा कि राज्य में कृषि व डेयरी क्षेत्र में विकास व नवाचार हेतु सहकारिता से जुड़े संस्थानों को पारदर्शिता व कर्मठता से कार्य करने होंगे एवं इन वित्तीय संस्थानों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आधिकाधिक संख्या में वंचित वर्ग के लोगों को जोड़ना होगा। राज्यपाल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2014 में शुरू की गई जन-धन योजना के तहत कुल 56 करोड़ नवीन बैंक अकाउंट खोले गए। जिससे आमजन को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का डीबीटी के माध्यम से सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है।

तमिलनाडु में परिवारवादी राजनीति को समाप्त करने का सही समयः भाजपा

रामनाथपुरम। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई ने कहा कि परिवारवादी राजनीति के पतन के लिए 2026 का चुनाव परिणाम महत्वपूर्ण है। पिछले सप्ताह मुख्य सचिव बदले गए और दो दिन पहले डीजीपी बदले गए। अब 23 तारीख को मुख्यमंत्री को बदलना चाहिए। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई रामनाथपुरम जिले के मुदुकुलाथूर में अन्नाद्रमुक उम्मीदवार मलेशिया पांडी के समर्थन में चुनाव प्रचार के दौरान बोल रहे थे। अन्नामलाई ने कहा कि आप लोग तेज धूप की परवाह किए बिना मेरा इंतजार कर रहे हैं। यहां चुनाव लड़ रहे डीएमके सरकार के मंत्री एक रोटेशन मंत्री हैं। जहां भी जाते हैं, वहां विरोध होता है। अन्नामलाई ने कहा कि डीएमके के 5 साल के शासन में महिलाओं के खिलाफ अपराध–2080 बलात्कार के मामले दर्ज हुए और 8,008 हत्याएं हुई हैं।

बच्चों के खिलाफ यौन अपराध 900 हुए हैं। पांच साल बाद चुनाव के समय मंत्री जनता से मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि रामनाथपुरम जिले के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत कुछ किया है–मेडिकल कॉलेज, रामेश्वरम रेलवे स्टेशन, 1800 करोड़ रुपये की परमक्कुडी-रामनाथपुरम फोर-लेन सड़क, 3,900 करोड़ रुपये की जल जीवन योजना से रामनाथपुरम और पुदुकोट्टई जिलों को लाभ मिलेगा।

'महिला आरक्षण बिल' के विरोधियों को नारी शक्ति के आक्रोश का करना होगा सामना : बांसुरी स्वराज

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद बांसुरी स्वराज ने लोकसभा में पेश किए गए 'संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन विधेयक), 2026' का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सम्मान हमारी संस्कृति है और नारियों का सशक्तीकरण हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि भारत की बेटियां हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं, लेकिन राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व बहुत कम है। 2024 के चुनाव के दौरान महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक थी। विपक्ष और इस बिल का विरोध करने वालों से मैं पूछना चाहती हूं कि क्या आप महिलाओं की भूमिका सिर्फ मतदाता तक ही सीमित रखना चाहते हैं? इस सदन में महिलाओं का प्रतिनिधित्व

महज 13.6 प्रतिशत है। हम विधानसभा में जाएं तो वहां महिलाओं का प्रतिनिधित्व दस प्रतिशत से भी कम है। वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 27.6 प्रतिशत है। मैं प्रधानमंत्री मोदी और इस बिल का समर्थन करने वालों को धन्यवाद देती हूं, जिन्होंने 27 साल बाद इस बिल को 2023 में पारित करवाया। बांसुरी स्वराज ने सवाल उठाया कि जिन लोगों ने इस बिल को सर्वसम्मति से पास कराया था, वे इसे 2029 में लागू करने के लिए अपना समर्थन क्यों नहीं दे रहे हैं? उन्होंने नेता प्रतिपक्ष के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि यह पावर ग्रैब का मुद्दा नहीं है, बल्कि पावर बैलेंस का मुद्दा है। यह हक की चोरी का नहीं, हक के हिसाब का मामला है। इस सदन को नारी शक्ति के हक का हिसाब देना होगा। उन्होंने अखिलेश यादव के 'जल्दबाजी' के आरोपों पर जवाब देते हुए कहा कि 40 साल की देरी हो चुकी है, तो आप जल्दबाजी का आरोप किस मुंह से लगा रहे हैं? बात चुनाव की है, तो हमारे यहां तो हमेशा चुनाव होते रहते हैं। चुनाव मातृ शक्ति का हक मारने के लिए कोई बहाना नहीं बन सकता।

बांसुरी स्वराज ने यह भी कहा कि परिसीमन को लेकर एक भ्रम पैदा कर दिया गया है। परिसीमन भाजपा का मुद्दा नहीं है, यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत किया जा रहा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करना मंजिल है और परिसीमन केवल एक रास्ता है। राह और मंजिल में भ्रम पैदा मत कीजिए। उन्होंने कहा कि फिलहाल संसद में 1971 की जनगणना के आधार पर 543 सीटें हैं। तब भारत की जनसंख्या बहुत कम थी, जबकि आज यह तीन गुना हो चुकी है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के लिए परिसीमन होना और सीटों का बढ़ाया जाना जरूरी है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला, दो विमानों के विंग टकराए

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर बड़ा विमान हादसा टल गया, जब दो अलग-अलग एयरलाइंस के विमानों के विंग आपस में टकरा गए। घटना के बाद दोनों विमानों को तत्काल ग्राउंड कर दिया गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई भी यात्री या क्रू सदस्य घायल नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, आकासा एयर की फ्लाइट क्यूपी-1406 दिल्ली से हैदराबाद जाने के लिए तैयार थी और पुशबैक के बाद एप्रन पर खड़ी थी। इसी दौरान लेह से आई स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-124 (क्र737-700) टैक्सी करते हुए निर्धारित पार्किंग बे की ओर बढ़ रही थी। इसी दौरान दोनों विमानों के विंग आपस में टकरा गए। टक्कर में स्पाइसजेट विमान के दाहिने पंख का विंगलेट क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि आकासा एयर के विमान के पिछले हिस्से यानी हॉरिजॉन्टल स्टेबलाइजर को नुकसान पहुंचा। घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट स्टाफ और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं और यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतार लिया गया। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने बताया कि टैक्सींग के दौरान उनका विमान दूसरी एयरलाइन के विमान से टकरा गया, जिसके चलते विंगलेट को नुकसान पहुंचा है। वहीं, आकासा एयर ने भी पुष्टि की कि उनका विमान खड़ा था, तभी दूसरी उड़ान उससे टकरा गई, जिसके बाद उड़ान रद्द कर दी गई। एयरलाइन ने यात्रियों को गंतव्य तक भेजने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था शुरू कर दी है। घटना पर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भी संज्ञान लिया है।

आईजीएनसीए और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बीच समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के बीच सेतु बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू), नोएडा ने एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। आईजीएनसीए की विज्ञप्ति के अनुसार इस साझेदारी का प्राथमिक लक्ष्य भारत के परम्परागत ज्ञान का आधुनिक विज्ञान के साथ समन्वय करना है। दोनों संस्थान मिलकर ज्ञान के नए आयामों की खोज करेंगे और अनुसंधान के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देंगे। समझौता पत्र पर आईजीएनसीए की ओर से प्रो. (डॉ.) रमेश चंद्र गौड़ और जीबीयू की ओर से रजिस्ट्रार प्रो. चंद्र कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन एक अनोखी और नई पहल है। यह ज्ञान के क्षेत्र में एक नए आयाम का मार्ग प्रशस्त करेगा। जीबीयू के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने कहा कि डिजिटली पाण्डुलिपियों में उपयोगी विचार, जानकारी और अनुवाद उपलब्ध हैं। उन पर शोध किया जा सकता है। साथ ही, उनकी वर्तमान प्रासंगिकता को समझकर यह देखा जा सकता है कि वे समाज और आम जनता के लिए किस प्रकार उपयोगी हो सकते हैं। इस प्रकार की ज्ञान-आधारित परियोजनाओं पर हम मिलकर काम कर सकते हैं क्योंकि हमारे पास

उससे सम्बंधित सामग्री उपलब्ध है। प्रो. रमेश चंद्र गौड़ ने कहा कि पिछले लगभग सात वर्षों में हमने इन सभी पाण्डुलिपियों की विवरणात्मक सूची (डिस्क्रिप्टिव कैटलॉग) भी तैयार की है। इसमें यह जानकारी है कि वेदांत, बौद्ध धर्म, आयुर्वेद आदि विषयों पर कौन-कौन सी पाण्डुलिपियां उपलब्ध हैं। हमने कुल 53 विषय-क्षेत्रों की पहचान की है। इसलिए यदि हमें बौद्ध धर्म और आयुर्वेद पर कार्य प्रारम्भ करना हो, तो हमारे पास पहले से तैयार सूची उपलब्ध है कि आयुर्वेद पर कितनी पाण्डुलिपियां हैं और बौद्ध धर्म पर कितनी हैं। प्रो. धर्मचंद चौबे ने कहा कि इस समझौते के पहले चरण के क्रियान्वयन के क्रम में सबसे पहले आईजीएनसीए मैप मॉडल 'बुद्ध शासनं चिरं तिष्ठतु' (बुद्ध की शिक्षाएं चिरस्थायी हैं) को जीबीयू में स्थापित कर रहा है। इस मैप मॉडल में भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़े प्रमुख स्थानों और बौद्ध धर्म के भारत तथा एशिया के विभिन्न क्षेत्रों में प्रसार को मानचित्र के माध्यम से दिखाया गया है। इस अवसर पर आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी, डीन एवं कलानिधि प्रभाग के प्रमुख प्रो. (डॉ.) रमेश चंद्र गौड़, जीबीयू के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह, रजिस्ट्रार प्रो. चंद्र कुमार सिंह, प्रो. उत्तम कुमार, कलाकोश एवं सीआईएल प्रभाग के प्रमुख प्रो. सुधीर लाल, मीडिया प्रभाग के प्रमुख अनुराग पुनेठा और बृहत्तर भारत एवं क्षेत्र अध्ययन प्रभाग के प्रमुख प्रो. धर्मचंद चौबे सहित कई अध्यापक और अधिकारी मौजूद रहे।

लाहौर में लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक सदस्य अमीर हमजा गोलीबारी में घायल

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापक सदस्यों में से एक अमीर हमजा गोली लगने से घायल हो गया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, लाहौर के कोट लखपत इलाके में हमदर्द चौक के पास पेको रोड पिंडी स्टॉप के नजदीक कुछ बाइक सवारों ने उनकी कार पर फायरिंग की।

रिपोर्ट्स के अनुसार, हमजा सुबह करीब 8:30 बजे एक धार्मिक कार्यक्रम 'नूर सहर' में शामिल होकर घर लौट रहे थे। तभी हथियारबंद लोग बाइक से उतरे और उनकी कार पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। यह कार्यक्रम लाहौर के एक निजी टीवी चैनल पर आता है, जो देश के गृह मंत्री मोहसिन नकवी का बताया जाता है। बताया गया कि टीवी कार्यक्रम के होस्ट, जस्टिस (रिटायर्ड) नजीर अहमद गाजी भी कार में मौजूद थे, लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई। हमजा ने 1990 के दशक की शुरुआत में हाफिज मोहम्मद सईद के साथ मिलकर लश्कर-ए-तैयबा की स्थापना की थी। इस संगठन को दिसंबर 2001 में अमेरिका के विदेश विभाग ने विदेशी

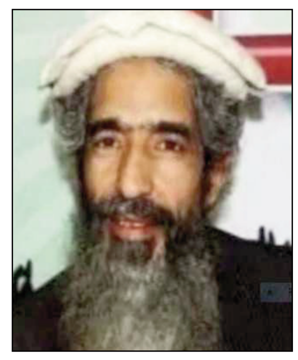

आतंकी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी घोषित किया था। हालांकि, संगठन पर प्रतिबंध लगने के बावजूद लश्कर-ए-तैयबा और इसके नेता पाकिस्तान और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय रहे और भारत सहित दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में आतंकी गतिविधियों में शामिल रहे। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के मुताबिक, हमजा लश्कर-ए-तैयबा की सेंट्रल एडवाइजरी कमेटी का सदस्य था और हाफिज सईद के निर्देश पर दूसरे संगठनों के साथ रिश्ते बनाए रखता था।

वे एक संबंधित चैरिटी का नेतृत्व भी करता था और एक ट्रस्ट के सदस्य था, जिसे सईद चलाता था। अमेरिकी विभाग ने बताया 2010 तक उनकी जिम्मेदारियों में संगठन के लिए प्रचार सामग्री तैयार करना भी शामिल था। वे लश्कर-ए-तैयबा के एक साप्ताहिक अखबार के संपादक के रूप में भी काम कर चुका है। 2011 तक उसमें लेख भी लिखे। इसके अलावा, वे उन तीन नेताओं में शामिल था, जिन्होंने पकड़े गए सदस्यों की रिहाई के लिए बातचीत की थी। 2009 तक वे संगठन के 'स्पेशल कैंपेन' विभाग के प्रमुख भी रह चुका था।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने की समीक्षा बैठक, शहरी विकास परियोजनाओं में तेजी लाने के दिए निर्देश

एजेंसी

जयपुर। राज्य में शहरी विकास परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सचिवालय में बैठक की। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (PMAY- 2.0), स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (SBM-) तथा राजस्थान अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (RUIDP) के अंतर्गत संचालित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। पीएमएवाई में जिला-स्तरीय रैंकिंग की होगी नियमित समीक्षा- मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में लगभग 75 हजार आवासों की स्वीकृति भारत सरकार से सुनिश्चित की जाए तथा पात्र लाभार्थियों को आवास निर्माण हेतु लगभग 475 करोड़ रूपये की अनुदान राशि समयबद्ध रूप से वितरित की जाए। साथ ही, शहरी आवास योजना की जिला-स्तरीय रैंकिंग की नियमित

समीक्षा करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने इंटरेस्ट सब्सिडी स्कीम (ISS) के अंतर्गत राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के साथ समन्वय स्थापित कर लाभार्थियों तक समय पर सब्सिडी पहुंचाने पर जोर दिया। स्वच्छ भारत मिशन में वेस्ट टू एनर्जी को मिलेगा बढ़ावा-बैठक में मुख्य सचिव ने स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के तहत वर्ष 2026-27 में लगभग 600 करोड़ रूपये व्यय किए जाने की जानकारी दी। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि मिशन के अंतर्गत प्रतिमाह एक वेबिनार आयोजित किया जाए, जिसमें दो नगरीय निकाय अपने श्रेष्ठ प्रथाओं (Best Practices) एवं स्वच्छ सर्वेक्षण से संबंधित प्रस्तुतियां दें। उन्होंने स्वयं भी इन वेबिनार में सहभागिता की इच्छा व्यक्त की।

इसके अतिरिक्त, मिशन के अंतर्गत वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट्स को प्रोत्साहित करने एवं स्थापित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

इस दौरान मुख्य सचिव ने नाथद्वारा स्थित श्रीनाथ मंदिर की सफ़ाई व्यवस्था की सराहना करते हुए प्रदेश के सबसे स्वच्छ शहरों के स्वच्छता मॉडल से अन्य जिलों को भी प्रेरणा लेने के निर्देश दिए।

इस क्रम में उन्होंने प्रदेश की सभी नगरीय निकायों को स्वच्छ सर्वेक्षण की फील्ड विजिट कर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए वेबिनार आयोजित की जाए जिसमें सभी नगर निकायों के अधिकारी उपस्थित रहें। उन्होंने स्वयं भी इस वेबिनार में शामिल होने की बात कही।

प्रदूषण के चलते दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-1 लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) का स्टेज-1 तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। क्षेत्र का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 226 दर्ज किया गया है, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। सीएक्यूएम की ग्रैप उप-समिति की ओर से आदेश जारी किया गया है। आयोग ने यह निर्देश दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के मुख्य सचिवों, पर्यावरण एवं परिवहन विभागों, पुलिस विभाग, नगर निकायों, प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों सहित विभिन्न संबंधित एजेंसियों को जारी किए हैं, ताकि पूरे एनसीआर में ग्रैप के तहत उपायों को सख्ती से लागू किया जा सके। उप-समिति ने बैठक में मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और आईएमडी/आईआईटीएम के पूर्वानुमान की समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया। पूर्वानुमान के अनुसार अगले दो दिनों तक वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी (एक्यूआई 201-300) में बनी रह सकती है। आदेश में सभी एजेंसियों को सख्त निगरानी रखने और प्रदूषण नियंत्रण उपायों को तेज करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि वायु गुणवत्ता और खराब न हो।

साथ ही नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे वाहन का रखरखाव करें, अनावश्यक इंजन चालू न रखें, प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों की सूचना दें, कचरा खुले में न फैलाएं और अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। आयोग ने कहा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जाएगी और वायु गुणवत्ता के आधार पर आगे के निर्णय लिए जाएंगे। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार एक्यूआई को 0-50 अच्छा, 51-100 संतोषजनक, 101-200 मध्यम, 201-300 खराब, 301-400 बहुत खराब और 401-500 गंभीर श्रेणी में वर्गीकृत करता है।

399 लोगों को वितरित किए नियुक्ति पत्र, यह हमारे लिए खुशी का पलः सीएम विष्णु देव साय

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि राज्य में उच्च शिक्षा निदेशालय में 399 पदों पर भर्ती निकाली गई थी। इन पदों पर भर्ती के लिए युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इसी को देखते हुए आज का दिन प्रदेश के युवाओं के लिए काफी खुशी का दिन है। इस पल को निसंदेह शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। सीएम विष्णुदेव साय ने समाचार एजेंसी से बातचीत करते हुए कहा कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं के परिजन भी आए हुए हैं। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। हम व्यापम और शिक्षा निदेशालय को इस नियुक्ति के लिए धन्यवाद देते हैं। इसके अलावा, उन्होंने जनगणना को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जनगणना की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। छत्तीसगढ़ में भी जनगणना शुरू होगी। यह स्वगणना होगी, जिसमें व्यक्ति खुद ही अपने बारे में जानकारी देगा। उसे किसी की आवश्यकता नहीं होगी। इसके बाद उन लोगों को सभी के घरों पर भेजा जाएगा, जिनकी ड्यूटी जनगणना के लिए लगाई गई है। इसके तहत सबसे

पहले घरों की गिनती होगी, जिसमें यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि किसी कस्बे में कुल कितने घर हैं। इसके बाद फिर फरवरी 2027 में फिर से उस व्यक्ति को ड्यूटी पर भेजा जाएगा और उसकी जिम्मेदारी होगी कि सभी लोगों के बारे में पूरी जानकारी जुटाए।

साथ ही, उन्होंने कांग्रेस के उन आरोपों को भी सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें यह कहा गया था कि आदिवासियों के अधिकारों को खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि इन आरोपों में बिल्कुल भी सत्यता नहीं है। लिहाजा मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है। विशेष रूप से आदिवासियों को बिल्कुल भी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज की तरफ एक समिति का गठन किया जाएगा, जो इस पूरे मामले की जांच करेगी। आने वाले दिनों में सभी वर्गों के लोगों से पूरी जानकारी जुटाई जाएगी, जिसके बाद पूरा प्रारूप तैयार किया जाएगा। इसके बाद ही किसी नतीजे पर पहुंचा जा सकेगा।

साथ ही, उन्होंने कांग्रेस को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि आज की तारीख में कांग्रेस लोगों का विश्वास खो चुकी है। इस पार्टी को अब कोई भी पूछने वाला नहीं है। इसी वजह से ये लोग विभिन्न मुद्दों का जिक्र करके लोगों को भरमाने की कोशिश करते हैं, लेकिन मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि अब कांग्रेस की इस स्थिति को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वहीं, उन्होंने जानकारी दी कि गर्मी बहुत बढ़ रही है। इसी को देखते हुए हमने आगामी 20 अप्रैल से स्कूल में छुट्टी करने का फैसला किया है, ताकि छात्र-छात्राओं को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना - इस वर्ष 30 हजार युवाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य

एजेंसी

जयपुर। प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में वित्त वर्ष 2026-27 में कुल 30 हजार युवाओं को आर्थिक सहायता देने का लक्ष्य रखा गया है। विभाग ने इसके क्रियान्वयन की पूरी तैयारी कर ली है। जून तक लक्ष्य से दोगुने, 60 हजार आवेदन बैंकों को अग्रेषित किए जाएंगे। अप्रैल में 30 हजार, मई और जून में 15-15 हजार आवेदन अग्रेषित किए जाएंगे। इसके लिए सभी जिलों को समयबद्ध टारगेट देते हुए उससे दोगुने आवेदनों बैंकों को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, अप्रैल 2026 से जनवरी 2027 तक का टारगेट देते हुए हर महीने लाभार्थियों की संख्या निर्धारित की गई है। उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त नीलाभ सक्सेना ने बताया कि इस योजना के तहत अब तक 73 हजार से अधिक लोगों ने स्वयं का व्यवसाय करने के लिए आवेदन किए हैं। इन आवदेनों की कुल ऋण राशि करीब 3,580 करोड़ रुपये है। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्रो द्वारा 31 हजार से अधिक आवेदन बैंकों

के अग्रेषित कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 12 जनवरी, 2026 को इस योजना का शुभारंभ किया था। विभाग द्वारा 22 जनवरी से आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। सक्सेना ने बताया कि कि हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के अधिक से अधिक युवाओं को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रदेश में स्वरोजगार का एक ईको-सिस्टम तैयार हो। इसी मंशा के साथ योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए मुख्यालय स्तर पर लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

योजना के तहत देय लाभ

8वीं से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को सेवा एवं व्यापार क्षेत्र के लिए 3.5 लाख रुपये एवं मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 7.5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण, अधिकतम 35 हजार रुपये की मार्जिन मनी भी दी जाएगी।

स्नातक, आईटीआई और अधिक शैक्षणिक योग्यता वाले आवेदकों को सेवा एवं व्यापार क्षेत्र के लिए 5 लाख रुपये तथा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण, 50 हजार रुपये तक की मार्जिन मनी भी दी जाएगी।

एसएसओ आईडी और ईमित्र से आवेदन

इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रदेश के युवा स्वयं की एसएसओ आईडी और ई-मित्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आधार कार्ड, मूल निवास प्रमाण पत्र, आवेदक की फोटो, शैक्षणिक और तकनीकी योग्यता का प्रमाण पत्र, संस्थागत आवेदन की स्थिति में 51 प्रतिशत से अधिक स्वामित्व का दस्तावेज आवश्यक हैं।

पवन कल्याण ने टीडीपी के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर नारा लोकेश को दी बधाई

एजेंसी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर नारा लोकेश को बधाई दी है। जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने जारी अपने बयान में कहा कि वह लोकेश को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि लोकेश अपनी नई भूमिका में सफल होंगे और गठबंधन की भावना को आगे भी मजबूती से बनाए रखेंगे। वह पहले टीडीपी के राष्ट्रीय महासचिव के रूप में कार्य कर चुके हैं। पवन कल्याण ने इसके साथ ही पल्ला श्रीनिवास राव को भी टीडीपी का प्रदेश अध्यक्ष फिर से नियुक्त किए जाने पर बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। इधर, नारा लोकेश ने भी पवन कल्याण द्वारा दी गई शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'आपके आशीर्वाद और आपकी अपेक्षाओं के अनुरूप, गठबंधन की भावना और अधिक सौहार्दपूर्ण तरीके से समन्वय के साथ आगे बढ़ेगी, जिसका उद्देश्य राज्य का विकास और जनकल्याण है। आपने मुझ पर जो विश्वास जताया है, मैं उस पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा। भाई के रूप में जो स्नेह आपने दिखाया है, उसके लिए हृदय से आभार।' गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के पुत्र नारा लोकेश को बुधवार को टीडीपी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। पार्टी के इतिहास में यह पहला अवसर है जब इस पद का सृजन किया गया है और किसी नेता को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। नारा लोकेश वर्तमान में चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री हैं और उनके पास मानव संसाधन विकास, सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी है। वह पहले से ही चंद्रबाबू नायडू के राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में देखे जाते रहे हैं और कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति ने इस धारणा को और मजबूत कर दिया है। 43 वर्षीय लोकेश को यह नई जिम्मेदारी ऐसे समय में मिली है जब टीडीपी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) करीब दो साल पहले भारी बहुमत के साथ सत्ता में आया था। उनकी यह पदोन्नति पार्टी के भीतर उनके बढ़ते कद और नेतृत्व क्षमता को भी दर्शाती है। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए लोकेश ने इसे अपने लिए एक बड़ा सम्मान बताया।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और सनराइजर्स में मुकाबला

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शनिवार को यहां आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर जीत के इरादे से उतरेगी। अपने शुरुआती चार मैचों में से तीन में हारने के बाद सनराइजर्स ने अपने घरेलू मैदान पर शानदार वापसी की है। पिछले मैच में उसने प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इन दोनो ही गेंदबाजी ने रॉयल्य के खिलाफ चार-चार विकेट लेकर अपने को साबित किया था। इन दोनों युवा गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से सनराइजर्स का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है। टीम की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पर आधारित है। वहीं दूसरी और रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतर रही सीएसके का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और वह अंक तालिक में काफी नीच है। रुतुराज सहित टीम के बल्लेबाज फार्म में नहीं हैं। टीम अब तक एक संजू सैमसन के शतक से एक ही मैच जीती है। सैमसन ने ही अब तक एक अर्धशतक और एक शतक लगाया है। टीम को अब तक दो जीत मिली है जिससे वह वापसी की राह पर है। टीम के पास बल्लेबाजी में युवा आयुष म्हात्रे ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और दो अर्धशतक लगाये हैं। किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद के चोटिल होकर बाहर होने से सीएसके की गेंदबाजी कमजोर हुई है। ऐसे में टीम इस मैच में मुकेश कुमार को शामिल कर सकती है। दोनो के बीच अब तक कुल 22 मैच खेले गए हैं, जिनमें से 15 में सीएसके और 7 में सनराइजर्स जीती है।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबाद: ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जीशान अंसारी।

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, नूर अहमद, अकील हुसैन, प्रशांत वीर, कार्तिक शर्मा, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष और मुकेश चौधरी।

डी कॉक आईपीएल में तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बने

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियान प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे अब तक केवल एक पांच में से एक ही मैच में जीत मिली है। गत दिवस पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी उसे हार का सामना करना पड़ा था हालांकि इस मैच में टीम के सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे क्विंटन डी कॉक ने शानदार शतक लगया था। डी कॉक के नाम इस शतक के साथ ही एक अनौखा रिकार्ड दर्ज हो गया है। वह तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गये हैं।

मुंबई इंडियंस से पहले, उन्होंने लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली डेयरडेविल्स (जो अब दिल्ली कैपिटल्स है) के लिए भी शतक बनाए थे। उनकी यह हैट्रिक दिखाती है कि कि वह अलग-अलग आईपीएल टीमों से भी बेहतर प्रदर्शन करते आये हैं।

इसके अलावा डी कॉक आईपीएल में बतौर विकेटकीपर भी तीन शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी बने हैं। ये उपलब्धि उन्हें लीग के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक बनाती है। डी कॉक से संजू सैमसन ने ये रिकार्ड बनाया था। सैमसन ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इस सत्र में जबकि इससे पहले राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए भी शतक लगाये थे। वहीं, केएल राहुल आईपीएल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए शतक लगाये हैं।

आईपीएल के बाहर भी डी कॉक ने अपने टी20 क्रिकेट करियर में भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ लगाया गया यह शतक उनके टी20 करियर का नौवां शतक था, जिसके साथ ही वह विराट कोहली के शतकों की बराबरी पर आ गये हैं। डी कॉक अब टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में उनसे ऊपर क्रिस गेल 22 शतक, बाबर आजम 11 शतक और डेविड वॉर्नर 10 शतक हैं।

मुम्बई इंडियंस को हराकर पंजाब किंग्स अंक तालिका में शीर्ष पर

मुंबई (एजेंसी)। प्रभसिमरन सिंह (नाबाद 80) और श्रेयस अय्यर (66) की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत पंजाब किंग्स ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 24वें मुकाबले में मुम्बई इंडियंस को 21 गेंदें शेष रहते सात विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही पंजाब किंग्स अंक तालिका में नौ अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है।

197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं हुई उसने तीसरे ही ओवर में प्रियांश आर्य (15) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद कूपर कॉनली भी (17) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। दोनों बल्लेबाजों को ए एम गजनफर ने आउट किया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने प्रभसिमरन सिंह के साथ पारी को संभाला और तीसरे विकेट लिये 139 रन जोड़े। 16वें ओवर शार्दुल ठाकुर ने श्रेयस अय्यर को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। श्रेयस अय्यर ने 35 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 66 रनों की पारी खेली। पंजाब किंग्स ने 16-3 ओवरों में तीन विकेट पर 198 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम कर लिया। प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में 11 चौके और दो छक्के उड़ाते हुए नाबाद 80 रनों की पारी खेली। मार्कस स्टॉयनिस 10 रन बनाकर नाबाद रहे। मुम्बई इंडियंस की यह पांच मैचों में लगातार चौथी हार है।

आज यहां इससे पहले क्विंटन डी कॉक (नाबाद 112) और नमन धीर (50) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर मुम्बई इंडियंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ छह विकेट पर 195 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। मुम्बई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मुम्बई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे अर्शदीप सिंह ने तीसरे ही ओवर में रायन रिकलटन (दो) और सूर्यकुमार यादव (शून्य) के रूप में दोहरे झटके दिये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये नमन धीर ने क्विंटन डी कॉक के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 122 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में शशांक सिंह ने नमन धीर को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। नमन धीर ने 31 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए 50 रनों की पारी खेली। चौथे विकेट के रूप में हार्दिक पंड्या (14) एक बेहतरीन कैच पर लपके गये। उन्हें मार्को यानसन ने आउट किया। 19वें ओवर की पांचवी गेंद पर अर्शदीप सिंह ने शरफ़ेन रदरफ़ोर्ड (एक) को बोल्ड कर पंजाब को पांचवीं सफलता दिलाई। तिलक वर्मा (आठ) रन आउट हुये।

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी आरसीबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरू (ईएमएस)। यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी का इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है और उसने पांच में से अपने चार मैच जीते हैं। जिससे वह अंक तालिका में दूसरे स्थान है। ऐसे में वह इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित सभी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम के बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है।

इस सत्र में वह केवल एक मैच राजस्थान रॉयल्स से हार है। अब वह इस मैच को जीतकर अपने प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी संभावनाएं और मजबूत करने उतरेगी।

वहीं अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का प्रदर्शन मिला जुला रहा है। चार मैचों में दो जीत के साथ ही वह पांचवें स्थान पर है। उसे गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। टीम में निरंतरता की कमी है। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी आरसीबी से कमजोर है। ऐसे में उसे अगर ये मैच जीतना है तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टीम की बल्लेबाजी केएल राहुल पर निर्भर करती है जबकि गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी संभालेंगे।

आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अबतक कुल 33 मैच हुए हैं। इसमें से आरसीबी को 20 बार जबकि दिल्ली कैपिटल्स को 12 बार जीत मिली है वहीं एक मैच को परिणाम नहीं निकला।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

आरसीबी : रजत पाटीदार (कप्तान), फिल साल्ट, विराट कोहली, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर-देवदत्त पडिक्कल

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), पाथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, औकिब नबी डार, विप्रज निगम, लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार

इम्पैक्ट प्लेयर-समीर रिजवी

नोवाक जोकोविच चोट के कारण मैड्रिड ओपन से हटे

मैड्रिड। विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने लंबे समय से चली आ रही चोट के कारण मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया है। जोकोविच ने इंडियन वेल्स में आयोजित बीएनपी परीबस ओपन के बाद से कोई प्रतियोगिता नहीं खेली है। वह दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन से बाहर रहे थे और मोंटे कार्लो मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया। जोकोविच ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, 'दुर्भाग्यवश, मैं इस साल मैड्रिड ओपन में हिस्सा नहीं ले पाऊंगा। मैं जल्द वापसी के लिए अपनी रिकवरी जारी रखे हुए हूं। हस्ता प्रोंतो (जल्द ही फिर मिलेंगे)।' जोकोविच मैड्रिड में तीन बार के चैंपियन रह चुके हैं। टूर्नामेंट की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'हम उम्मीद करते हैं कि आप जल्द ही यहां वापसी करेंगे, ताकि हम काजा मागिका (मैड्रिड ओपन की मेजबानी करने वाले स्टेडियम) में एक बार फिर आपके खेल का आनंद ले सकें। जैसा कि हमने पहले कई बार किया है।'

25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से वापसी कर सकते हैं कमिंस

मुम्बई। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस अपनी चोट से उबर गये हैं और आईपीएल में अपनी टीम सनराइजर्स हैदराबाद से शीघ्र ही खेलते दिख सकते हैं। कमिंस के 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से इस सत्र में वापसी की उम्मीद है। कमिंस के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशान सनराइजर्स की मुश्किलें समाप्त हो जाएंगी। कमिंस के नहीं होने से अभी टीम ईशान किशन की कप्तानी में खेल रही है। कमिंस अगर वापसी करने में सफल रहते है तो टीम के जीतने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। कमिंस की वापसी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक बड़ी राहत है, जो उन्हें प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ने और संभावित रूप से खिताब की ओर बढ़ने में मदद कर सकती है।

मनोज तिवारी ने कहा हार्दिक की जगह पर रोहित को फिर कप्तान बनाये मुम्बई इंडियंस

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर और बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मनोज तिवारी ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लगातार खराब प्रदर्शन के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या को जिम्मेदार बताते हुए कहा है कि उन्हें कप्तानी स्वयं छोड़ देनी चाहिये जिससे एक बार फिर रोहित शर्मा को कप्तानी दी जा सके। आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के बाद से ही पांड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं। ऐसे में तिवारी का मानना है कि पांड्या को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए जिससे रोहित को एक बार फिर टीम की कमान दी जा सके। रोहित की कप्तानी मे टीम ने पांच बार खितब जीता है। वहीं जब से उन्हें कप्तानी से हटाकर हार्दिक को कप्तानी दी गयी है टीम लगातार हारी है। इस सत्र में भी खराब प्रदर्शन के कारण मुंबई अंक तालिका में नौवें स्थान पर खिसक गयी है। इन चार हार में से तीन मैचों में हार्दिक ने कप्तानी की है, जबकि एक मैच में सूर्यकुमार यादव कप्तान थे। टीम के इस खराब प्रदर्शन और हार्दिक की कप्तानी के लिए मनोज तिवारी ने उनकी आलोचना भी की है। इस पूर्व क्रिकेटर ने हार्दिक की कप्तानी को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने 2022 तक पाँच आईपीएल ट्रॉफी जीती थीं, जबकि हार्दिक पांड्या ने गुजरात टाइटन्स के साथ 2023 और 2024 में कोई ट्रॉफी नहीं जीती, और इस साल भी ऐसा होने की संभावना कम ही है। तिवारी ने जोर देते हुए कहा कि कप्तान के तौर पर जितना सजग और सक्रिय होना चाहिये वैसे हार्दिक नहीं हैं। गौरतलब है कि हार्दिक आईपीएल 2021 तक मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे पर साल 2022 में दो नई टीमों के आने के बाद उन्हें गुजरात टाइटन्स का कप्तान बना दिया गया था पर दो साल बाद ही वह वापस मुम्बई पहुंच गये।

'यही चीज आखिरकार टीम को जीत दिलाती है', रिकी पोंटिंग ने खोला पंजाब किंग्स की सफलता का राज

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग ने गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस पर अपनी टीम की 7 विकेट की शानदार जीत के बाद जीतने वाली सोच बनाने के पीछे के मुख्य कारणों का खुलासा किया। PBKS ने IPL 2026 सीजन में अपनी चौथी जीत दर्ज की। वे एकमात्र ऐसी टीम हैं जिसे अभी तक कोई हरा नहीं पाया है। पांच मैचों में से उन्होंने चार जीते हैं, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

जियो हॉटस्टार पर बात करते हुए पोंटिंग ने कहा कि एक जीतने वाली टीम बनाने की शुरुआत एक ऐसा माहौल बनाने से होती है जहां खिलाड़ियों को लगे कि उनकी कद्र हो रही है और वे टीम के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक कोच के तौर पर उनकी भूमिका खिलाड़ियों को नियंत्रित करने के बजाय उनका मार्गदर्शन करना और उन्हें चुनौती देना है, और असफलता को खेल का ही एक हिस्सा मानना है।

उन्होंने कहा, 'मेरे लिए, इसकी शुरुआत एक सही माहौल बनाने से होती है जहां हर खिलाड़ी को लगे कि उसकी कद्र हो रही है और वे सभी एक ही सोच रखते हैं। एक कोच के तौर पर मैं वहां उनका समर्थन करने और उन्हें चुनौती देने के लिए हूं, न कि उन्हें नियंत्रित करने के लिए। यहां तक कि जब वे असफल होते हैं, तो उन्हें यह पता होना चाहिए कि यह खेल का ही एक हिस्सा है।'

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने आगे कहा कि ञ20 क्रिकेट में सफलता कुछ खिलाड़ियों के आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने पर निर्भर करती है, इसलिए खिलाड़ियों की भूमिकाएं साफ तौर पर तय होना और टीम का सही कल्चर होना बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रभसिमरन सिंह और शशांक सिंह जैसे खिलाड़ियों का समर्थन करने से उन्हें शानदार प्रदर्शन करने में मदद मिली है, जिससे बदले में टीम को भी सफलता मिली है।

उन्होंने कहा, 'टी20 क्रिकेट में किसी भी दिन आपको बस कुछ ही खिलाड़ियों की जरूरत होती है जो आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभालें। इसलिए यह एक मजबूत टीम बनाने के बारे में है, जिसमें हर खिलाड़ी की भूमिका साफ तौर पर तय हो। हमारी नीलामी की रणनीति का भी यह एक बड़ा हिस्सा था - सही लोगों को टीम में लाना ताकि टीम का माहौल (culture) सही बन सके। जब खिलाड़ियों को लगता है कि टीम उनके साथ खड़ी है - जैसे कि प्रभसिमरन या शशांक जैसे खिलाड़ी - तो वे अपने प्रदर्शन से इसका जवाब देते हैं और यही चीज आखिरकार टीम को जीत दिलाती है।'

चोट के कारण एकिटिके बाकी सीजन और फुटबॉल विश्वकप से बाहर

लंदन। फ्रांस के स्ट्राइकर ह्यूगो एकिटिके, लिवरपूल के चैंपियंस लीग मैच में पेरिस सेंट-जर्मेन से हार के दौरान एच्लीस टेंडन में चोट लगने के कारण वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। एकिटिके पहले हाफ में फिसलने के बाद एनफील्ड के मैदान से स्ट्रेचर पर बाहर निकले। लिवरपूल को डर है कि 23 साल का यह खिलाड़ी लंबे समय तक खेल से बाहर रह सकता है, जिससे वह अगले सीज़न की शुरुआत में भी नहीं खेल पाएगा। बुधवार को उनका स्कैन हुआ, जिसमें गंभीर चोट की पुष्टि हुई हे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को जारी एक बयान में लिवरपूल ने उनके ठीक होने की कोई समय-सीमा नहीं बताई। क्लब ने कहा, 'चोट के स्कैन से बाद में एच्लीस टेंडन फटने की पुष्टि हुई है। इसलिए, एकिटिके क्लब सीजन के बाकी हफ्तो के लिए खेल से बाहर रहेंगे और इस गर्मी में फ्रांस के साथ होने वाले वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इस बारे में आगे की जानकारी सही समय पर दी जाएगी।' बुधवार रात, फ्रांस के मैनेजर डिडिएर डेसचैम्प्स ने फ्रेंच फुटबॉल फेडरेशन द्वारा जारी एक बयान में कहा कि एकिटिके अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले इस गर्मी के टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उन्होंने कहा- 'ह्यूगो उन दर्जन भर युवा खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने हाल के महीनों में राष्ट्रीय टीम के साथ अपना डेब्यू किया है। वह मैदान के अंदर और बाहर, दोनों जगह टीम के साथ पूरी तरह से घुल-मिल गए थे। यह चोट बेशक उनके लिए एक बड़ा झटका है, लेकिन फ्रांस की टीम के लिए भी यह एक बड़ा झटका है।'

टी20 विश्व कप में कनाडा-न्यूजीलैंड मैच में फिक्सिंग के आरोपों की जांच कर रही आईसीसी

दुबई। भारत और श्रीलंका में हुए आईपीसी टी20 विश्वकप के एक मुकाबले में मैच फिक्सिंग के संदेह के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसी) की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में कनाडाई क्रिकेट टीम के कप्तान पर भी आरोप है। इसमें टी20 विश्व कप के दौरान कनाडा के एक मैच में कथित तौर पर मैच फिक्सिंग का दावा किया गया है। इन सनसनीखेज खुलासों का आधार एक डॉक्यूमेंटी को बनाया गया है जो हाल ही में प्रसारित हुई थी। इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के प्रशासन और उसके भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कई बड़े आरोप लगाए गए हैं। एसीयू अभी दो सक्रिय मामलों की जांच कर रही है जो क्रिकेट कनाडा के कामकाज और अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू स्तर पर आईसीसी के भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के उल्लंघन से जुड़े हैं। मैच फिक्सिंग का सबसे बड़ा आरोप कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच हुए विश्व कप मैच से जुड़ा है। इससे न्यूजीलैंड की पारी के पांचवे ओवर पर संदेह जताया गया है। तब कनाडाई कप्तान दिलप्रीत बाजवा गेंदबाजी कर रहे थे। बाजवा को टूर्नामेंट शुरू होने से महज तीन हफ्ते पहले ही कप्तान बनाया गया था। ऑफ-स्पिनर होने के बाद भी वह समय समय गेंदबाजी करने आये जब तेज गेंदबाजों को गेंदबाजी संभालनी पड़ी। उस समय न्यूजीलैंड का स्कोर 2 विकेट पर 35 रन था पर इस ओवर में उन्होंने कुल 15 रन दिए, जिससे उनकी भूमिका पर संदेह गहरा गया है। दूसरी जांच पूर्व कोच खुर्रम चौहान की एक टेलीफोन कॉल रिकॉर्डिंग से संबंधित है। इस रिकॉर्डिंग में चौहान दावा कर रहे हैं कि क्रिकेट कनाडा बोर्ड के वरिष्ठ सदस्यों ने उन पर कुछ खास खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चुनने के लिए दबाव डाला था। यह ऑडियो पिछले साल लीक हुआ था और तभी से जांच के घेरे में है। रिकॉर्डिंग में मैचों को फिक्स करने की कोशिशों के भी दावे हैं, हालांकि इनके लिए पक्के सबूत अभी नहीं मिले है।

स्टटगार्ट ओपन 2026 : रयबाकिना और गॉफ क्वार्टरफाइनल में, मुचोवा भी आगे बढ़ीं

स्टटगार्ट। जर्मनी में खेले जा रहे स्टटगार्ट ओपन 2026 में शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना और मौजूदा फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। शीर्ष वरीय कजाखिस्तान की एलेना रयबाकिना ने रूस की डायना श्नाइडर को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हराया। 26 वर्षीय रयबाकिना ने अपने मजबूत सर्विस गेम के दम पर 1 घंटे 12 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। दूसरे सेट में श्नाइडर ने बेहतर खेल दिखाया, लेकिन अहम मौकों पर की गई डबल फॉल्ट्स ने उन्हें पीछे कर दिया, जिसका फायदा रयबाकिना ने उठाया। उन्होंने मैच का अंत अपने नौवें ऐस के साथ किया। अब क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला लेयला फर्नांडीज या जेनेप सोनमेज में से किसी एक से होगा। दूसरी ओर, दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी अमेरिका की कोको गॉफ ने ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 7-5, 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा। गॉफ ने कहा कि उन्होंने क्ले कोर्ट पर अपने खेल को 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन राफेल नडाल से प्रेरित किया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'क्ले कोर्ट के सबसे महान खिलाड़ी राफा हैं। मैं पूरी तरह उनकी तरह नहीं खेलती, लेकिन उनकी तरह फोरहैंड मारने की कोशिश करती हूं।' इससे पहले, कैरोलिना मुचोवा ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए एलिस मर्टेंस को 1-6, 6-3, 6-0 से हराया और क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

श्रेयस अय्यर ने हवा में उड़कर पकड़ा नामुमकिन सा कैच, रोहित और सूर्या रह गए दंग, रिएक्शन वीडियो हुआ वायरल

मुंबई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर ने बाउंड्री लाइन पर शानदार फील्डिंग करते हुए रिले कैच पूरा कराया, जिससे हार्दिक पांड्या आउट हुए। इसे देखकर रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव हैरान रह गए।

बाउंड्री लाइन पर श्रेयस अय्यर का शानदार कमाल

आईपीएल में बाउंड्री लाइन पर रिले कैच हमेशा से फैंस के लिए खास आकर्षण रहे हैं और आईपीएल 2026 के 24वें मुकाबले में भी ऐसा ही शानदार नजारा देखने को मिला। मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले जा रहे मैच में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने अपनी फुर्ती और सूझबूझ से एक बेहतरीन रिले कैच पूरा कर सभी को हैरान कर दिया। बाउंड्री के पास संतुलन बिगड़ने के बावजूद उन्होंने गेंद को साथी खिलाड़ी की ओर उछालकर विकेट हासिल कराया, जो इस मैच का यादगार पल बन गया।

यह शानदार कैच उस समय देखने को मिला जब मार्को यानसेन की गेंद पर हार्दिक पांड्या ने सामने की ओर बड़ा शॉट खेला। लॉन्ग ऑन पर खड़े श्रेयस अय्यर ने दौड़ते हुए गेंद को लपका, लेकिन उनका संतुलन बिगड़ गया और वह बाउंड्री लाइन के बाहर जाने लगे। ऐसे में उन्होंने शानदार समझदारी दिखाते हुए हवा में ही गेंद को मार्को यानसेन की ओर उछाल दिया। यानसेन ने बिना कोई गलती किए कैच पूरा कर लिया और हार्दिक पांड्या की पारी का अंत कर दिया। यह रिले कैच फील्डिंग के बेहतरीन उदाहरणों में से एक माना जा रहा है।

रोहित और सूर्यकुमार का रिएक्शन हुआ वायरल

श्रेयस अय्यर का यह कमाल मुंबई इंडियंस के डगआउट के सामने ही हुआ, जहां रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव बैठे हुए थे। इस शानदार फील्डिंग को देखकर दोनों खिलाड़ी हैरान रह गए। सूर्यकुमार यादव का मुंह खुला रह गया, जबकि रोहित शर्मा आश्चर्य से उनकी ओर देखते नजर आए। इसके बाद अय्यर ने दर्शकों की तरफ इशारा करते हुए इस विकेट का जश्न मनाया, जिसका वीडियो तेजी से वायरल हो गया और फैंस भी इस पल की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

डी कॉक का शतक और मुंबई का मजबूत स्कोर

अगर मैच की बात करें तो मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 195 रन बनाए। टीम की ओर से क्विंटन डी कॉक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 112 रन की पारी खेली। उन्होंने 60 गेंदों पर 186 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए और अपनी पारी में 8 चौके व 7 छक्के लगाए। उनके अलावा नमन धीर ने भी 31 गेंदों में 50 रन की अहम पारी खेली। पंजाब किंग्स की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 3 विकेट झटके और इस दौरान अपने 100 आईपीएल विकेट भी पूरे किए।

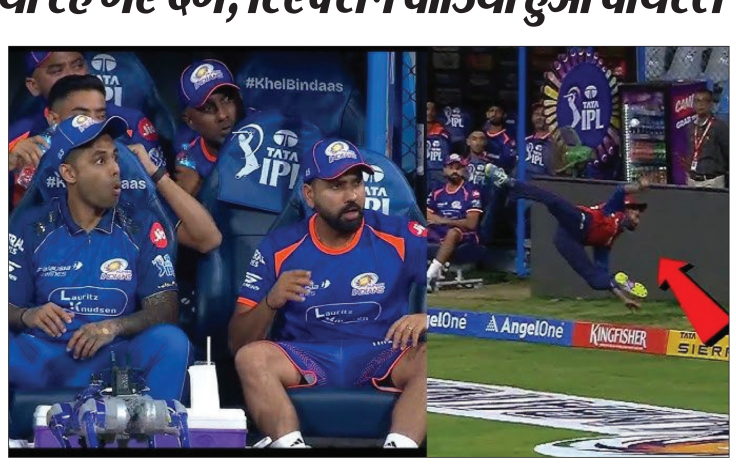

निकिता गांधी ने 'तू ही दिसदा' को बताया जेन-जी के लिए खास तोहफा

अक्षय कुमार की आगामी हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' का का नया रोमांटिक गाना 'तू ही दिसदा' हाल ही में रिलीज हुआ, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। यह गाना अरिजीत सिंह और निकिता गांधी की शानदार आवाज में हैं। इसका संगीत प्रीतम ने दिया, जबकि बोल कुमार द्वारा लिखे गए हैं। गायिका निकिता गांधी ने हाल ही में बातचीत की।

इस दौरान उन्होंने गाने को जेन जी जेनरेशन को समर्पित बताया। निकिता का मानना है कि यह गाना आज की युवा पीढ़ी, यानी कि जेन जी के लिए बेहतरीन उदाहरण है। यह गाना सुनकर लगता है जैसे कोई सपना हो, जो दिल में बस जाता है। उन्होंने कहा, 'इस गाने का हिस्सा बनकर मैं बेहद खुश हूं। यह एक बहुत ही प्यारा गाना है, जिसके जरिए एक बार फिर मैं, अरिजीत और प्रीतम दादा एक बार फिर साथ में आए। हालांकि, हमने पहले भी कई बेहतरीन गाने दिए हैं और यह भी उनमें से एक है।' गायिका ने आगे गाने की धुन की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि इस गाने की धुन भारतीय है और इसमें देसी टच, पियानो ट्रैक भी है, जो भारतीय रोमांटिक गाने के साथ खूबसूरती से मेल खाता है। आज की युवा पीढ़ी के लिए यह गाना परफेक्ट है। गायिका ने आगे रीमिक्स और ओरिजिनल गानों पर भी अपने विचार शेयर किए।

उन्होंने कहा कि दोनों अपनी जगह अच्छे हैं। हर चीज के अच्छे और बुरे पहलू होते हैं। रीमिक्स इसलिए ज्यादा पसंद किए जाते हैं क्योंकि लोग उन गानों से पहले से परिचित होते हैं। निकिता ने कहा, 'जब मैं स्टेज पर पुराना गाना जैसे 'रात बाकी, बात बाकी' का रीमेक गाती हूं, तो कॉलेज गिग या टीचर्स के सामने हर कोई उसे पहचान लेता है।

'सैयारा' की रोमांटिक इमेज छोड़

अब रफ लुक में दिखेंगे अहान पांडे

फिल्म 'सैयारा' की सफलता के बाद अहान पांडे एक बार फिर चर्चा में हैं. अपनी पहली फिल्म में रोमांटिक इमेज बनाने वाले अहान अब डायरेक्टर अली अब्बास जफर की अगली फिल्म में एक अलग लुक में नजर आएंगे. बॉलीवुड एक्टर अहान पांडे इन दिनों अपनी अगली फिल्म को लेकर हर तरफ छाए हुए हैं. फिल्म 'सैयारा' में अपनी मासूमियत और रोमांटिक अंदाज से सबका दिल जीतने के बाद, अहान अब बॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टर अली अब्बास जफर की अगली फिल्म में एक दमदार और अनोखे किरदार में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म के जरिए अहान अपनी रोमांटिक बॉय वाली इमेज को पूरी तरह बदलने जा रहे हैं, जिसे लेकर फैंस के बीच अभी से काफी एक्साइटमेंट बनी हुई है.

गैंगस्टर के रोल में आएंगे नजर

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अहान पांडे इस नई फिल्म में एक गैंगस्टर का किरदार निभा रहे हैं. इस रोल के लिए खुद पर खास काम करना शुरू कर दिया है. फिल्म की शूटिंग 3 अप्रैल से मुंबई में शुरू हो चुकी है. मुंबई का शेड्यूल पूरा करने के बाद फिल्म की पूरी टीम आगे की शूटिंग के लिए लंदन रवाना होगी. मेकर्स का लक्ष्य है कि साल 2027 की शुरुआत तक इस फिल्म को पूरा कर लिया जाए.

डेढ़-दो साल से नहीं पी शराब

'एनिमल' की सफलता के बाद से बॉबी देओल लगातार बॉलीवुड से लेकर साउथ तक की फिल्मों में सक्रिय हैं। वो कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। वहीं आने वाले वक्त में भी उनकी पाइपलाइन में कई बड़ी फिल्में हैं। हालांकि, बीच में जब बॉबी का मुश्किल वक्त था, तब वो शराब के आदी हो गए थे। जिसके चलते उनके रिश्तों और संबंधों पर भी इसका असर दिखने लगा था। लेकिन जल्द ही बॉबी को अपनी इस गलती का एहसास हो गया और उन्होंने इस आदत को छोड़ दिया। हाल ही में बॉबी ने अपने उस वक्त को याद किया और एक अभिनेता के लिए उसका चेहरा और शरीर कितना जरूरी होता है, इसको लेकर बात की। एस्क्वायर इंडिया के साथ बातचीत के दौरान बॉबी ने कहा कि एक अभिनेता के लिए आपका शरीर और आपका चेहरा ही वो चीजें हैं जिन्हें आप बेचते हैं। मैं इसके साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। जैसे-जैसे मेरी उम्र बढ़ रही है, मैं कुछ साल पहले की तुलना में जल्दी थक जाता हूं। मुझे अपना ज्यादा ख्याल रखना होगा। मैं अब पिछले डेढ़ साल से शराब नहीं पी रहा हूं। शराब छोड़ने से मेरे आसपास का माहौल भी बदल गया है। इस दौरान मुझे इसकी कमी भी महसूस नहीं होती। बल्कि, मैं सोचता रहता हूं कि अरे, ये इतना आसान था? दो जन्मदिन और दो नए साल बीत गए हैं और मुझे शराब पीने की इच्छा नहीं हुई। इसने मुझे हैरान कर दिया।

पिता धर्मेंद्र को भी थी शराब की लत

बॉबी ने अपने पिता धर्मेंद्र की शराब की लत के बारे में बताते हुए कहा कि मैंने देखा है कि यह क्या कर सकती है। शराब छोड़ने से मुझे किसी भी समय, किसी भी परिस्थिति में शारीरिक और भावनात्मक रूप से मौजूद रहने में मदद मिली है। इससे मेरे परिवार के साथ मेरा रिश्ता सबसे ज्यादा मजबूत हुआ है।

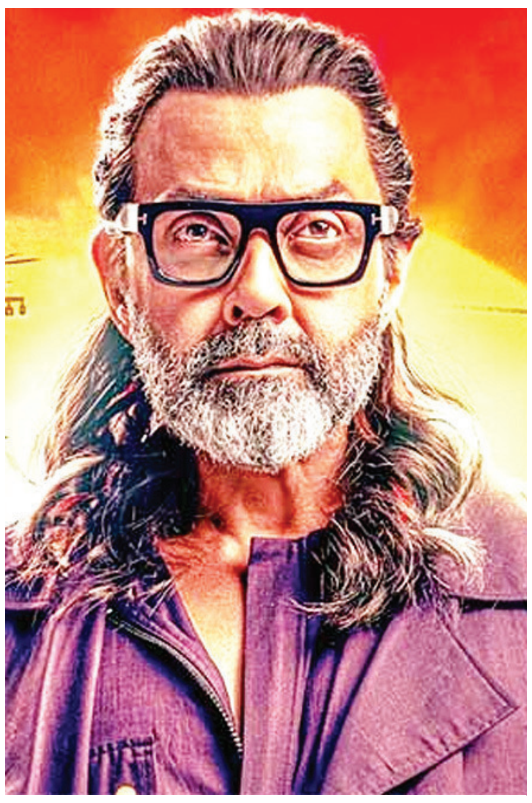

तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद

सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर भड़के विजय वर्मा

विजय वर्मा इन दिनों अपनी आगामी सीरीज 'मटका किंग' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। एक्टर सीरीज के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी दौरान विजय वर्मा ने तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग और ऑनलाइन मिलने वाली अनावश्यक नफरत के बारे में खुलकर बात की। एक्टर ने बताया कि इसीलिए उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाने का फैसला भी किया, जिससे उन्हें अपने रिश्तों को मजबूत बनाने में काफी फायदा मिला।

सोशल मीडिया ट्रोलिंग से परेशान हुए विजय

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा एक समय बी-टाउन के सबसे चर्चित कपल बन गए थे। हालांकि, दोनों का रिलेशनशिप ज्यादा लंबा नहीं चल सका और दोनों शांतिपूर्वक एक-दूसरे से अलग हो गए। लेकिन सोशल मीडिया पर दोनों के ब्रेकअप को लेकर काफी चर्चाएं हुईं और दोनों के फैंस ने एक-दूसरे को ट्रोल किया।

'यूपी वाली, बिहार वाली' का फर्स्ट लुक जारी

रानी और संजना का दिखेगा अलग अंदाज

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री रानी चटर्जी और संजना पांडेय जल्द ही आगामी फिल्म 'यूपी वाली, बिहार वाली' में नजर आएंगी। मंगलवार को फिल्म का फर्स्ट लुक मेकर्स ने जारी कर दिया। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फर्स्ट लुक पोस्ट किया। इसमें रानी संजना की ओर इशारा करती नजर आ रही हैं। दोनों अभिनेत्रियां साड़ी में बेहद आकर्षक लग रही हैं। संजना पांडेय ने सिर पर पल्लू ओढ़ रखा है, जबकि रानी चटर्जी बिना पल्लू के साड़ी में हैं, जो उनका स्टाइलिश अंदाज दिखाता है। पोस्टर के साथ मेकर्स ने लिखा, 'भोजपुरी फिल्म 'यूपी वाली, बिहार वाली' का फर्स्ट लुक।

मंजुल ठाकुर द्वारा निर्देशित फिल्म स्टारकास्ट बड़ी दिलचस्प है। इसमें रानी और संजना के अलावा, प्रशांत सिंह, आलोक सिंह राजपूत, ललित उपाध्याय, विद्या सिंह, स्वेता वर्मा और गोपाल चौहान जैसे स्टार्स नजर आएंगे। फिल्म की कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है। फिल्म में दोनों अभिनेत्रियों के बीच हंसी-मजाक और नोकझोंक देखने को मिलेगी। इससे पहले रानी चटर्जी ने शूटिंग के दौरान मुहूर्त की तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किए थे। उस समय सेट पर दोनों अभिनेत्रियों के बीच मजेदार पल भी देखने को मिले थे। अब फर्स्ट लुक पोस्टर जारी होने के बाद फैंस फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। भोजपुरी सिनेमा में रानी चटर्जी काफी लोकप्रिय हैं। वे अपनी डांसिंग स्किल्स और बोल्ड रोल्स के लिए जानी जाती हैं। संजना पांडेय भी भोजपुरी फिल्मों में अच्छी पहचान बना चुकी हैं। दोनों अभिनेत्रियों की यह जोड़ी पहली बार साथ नजर आएगी, जिससे फैंस में काफी उत्साह है।

पति को कराएं
बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है।

बच्चे को सही परवरिश देना मां और पिता दोनों का काम होता है, पर बच्चे की परवरिश का जिम्मा मां पर ही आता है। अगर आप चाहती हैं कि आपके पति को भी बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास हो तो इन बातों का ध्यान रखें।

बताएं आप उनकी मदद लेना चाहती हैं

बच्चा होने के बाद कुछ पुरूष यह चाहते हैं कि वो बच्चे की देखभाल करें, पर महिलाएं अक्सर इस संकोच में कि बच्चे का काम पति सही ढंग से कर पाएंगे या नहीं, सोच उनको मना कर देती हैं। अगर आपके पति बच्चे के पालन-पोषण में आपकी मदद करना चाहते हैं तो उनका यह प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार कर लें। उन्हें अपने तरीके से बच्चों की केयर करने दें, हर समय टोकें न, अगर वो कहीं गलत है, तो उन्हें प्यार से बताएं।

भूमिका आनंददायक है

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है। आप उन्हें बताएं कि एक बच्चे की देखभाल करने में जिम्मेदारी तो है, पर इसमें आनंद भी खूब है। बच्चा जब छोटी-छोटी हरकतें करता है तो उन्हें देखने में कितना मजा आता है। इस तरह की बातें जब आप उनसे शेयर करेंगी तो वो खुद ब खुद इसमें रूचि दिखाने लगेंगे।

ग्रुप बनाएं पिता भी

पुरूष अक्सर बच्चों के बारे में बात करने से बचते हैं। महिलाएं तो कई बार ग्रुप में जाकर बच्चों की परेशानियां, आदतें आदि के बारे में चर्चा कर लेती हैं, पर पिता को ऐसा नहीं करते। आप पति को प्रोत्साहित करें कि वो फेसबुक, ब्लॉग, फ्रेंड सर्कल में पिताओं के ग्रुप में शामिल हों। इससे वो सारी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, साथ ही अन्य पुरूषों से अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और उनके अनुभव से सीख सकते हैं।

प्राथमिकता निर्धारित कर उनसे सहयोग मांगें

मां होने के नाते आप प्राथमिकता तय कर लें कि किन-किन बातों में आपको अपने पति की जरूरत पड़ सकती है। यह निर्धारित करने के बाद आप उन्हें बताएं कि आपको उनके सहयोग की कितनी जरूरत है। ऐसा करने से आप एक अच्छा वक्त एक-दूसरे के साथ बिता सकते हैं।

यादों को रखें सहेज कर

आप अपने पति से पूछें कि फादरहुड के दौरान वो कौन-सी पांच बातें थीं, जिनसे उन्हें बेहद खुशी मिली। आप उन सारी बातों को एक छोटी-सी नोटबुक में नोट करें। अगर उससे जुड़ी फोटो आपको पास है तो उसे भी चिपकाएं, ऐसा करने से आप इन छोटी-छोटी और प्यारी बातों को ताउम्र सहेज कर रख सकेंगी।

चमकाएं बाल और त्वचा

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें: गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर
फायदा: इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा: इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा: नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा: खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटाामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं: चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

तौर-तरीके बदलकर

खुश रहना सीखें

मन खुश हो, तो तन दुरूस्त रहता है। इसलिए खुश रहने के लिए इन सुझावों को आजमा कर देखें -

खुद को एक्सप्रेस करें: अमरीका की वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को खुलकर अभिव्यक्त करने से मन में खुशी के भाव आते हैं।

दूसरों के लिए कुछ करें : फोर्ब्स डॉट कॉम के शोध के मुताबिक दूसरों के लिए कुछ करने से खुशी मिलती है। जब हम किसी की मदद करते हैं, अपनों को उपहार देते हैं या उन पर खर्च करते हैं, तो मन को सुकून मिलता है।

सकारात्मक सोचें: अपनी सोच सकारात्मक रखें और ऐसे लोगों के साथ रहें, जिनसे आपको प्रेरणा मिल सके।

दोस्तों व रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार रखें। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस के वैज्ञानिकों ने 30 साल तक एक लाख लोगों पर शोध के बाद पाया कि शिक्षा, राजनीति,सैलरी और संबंधों में से सबसे ज्यादा खुशी लोगों को अच्छे संबंधों से होती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं क्योंकि डिहाइड्रेशन होने से कई बार मूड चिड़चिड़ा हो जाता है।

खुद से करें प्यार का वादा

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

नया साल हमें जिंदगी को एक बार फिर नए तरीके से जीने के लिए कहता है। नए साल पर आप अपने से यह वादा करें कि हमेशा अपने आप से प्यार करेंगी।

अब से आपने चाहे कोई हेयरस्टाइल करवाई हो या फिर कोई नई ड्रेस पहनी हो तो उसमें खुद को अच्छा महसूस करेंगी। अपने अंदर यह आत्मविश्वास लाएंगी कि आप जो भी पहन रही हैं, उसमें पूरी तरह परफेक्ट लग रही हैं।

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

कुछ महिलाएं अपनी त्वचा के रंग को लेकर हमेशा असंतुष्ट रहती हैं, पर आप बिल्कुल भी ऐसा न करेंगी। आप अपनी त्वचा के रंग पर परेशान होने के बजाय यह कोशिश करेंगी कि आपकी त्वचा हमेशा ग्लो करती रहे।

अगर आपके साथ कुछ बुरा होता है या फिर आपके लुक को लेकर आपका कोई करीबी नकारात्मक कमेंट करता है तो उससे अपना मूड खराब करने की बजाय आप उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगी, बल्कि अब से आप अपने दिमाग में इस बात को रखेंगी कि दूसरों को भले आप पसंद न आएं, पर आप अपने को पसंद करती हैं और करती रहेंगी।

अपने शरीर को पसंद और नापसंद करना आपके हाथों में हैं। वर्तमान में आपकी बॉडी किसी भी शेप में हो, अब से आप उस पर फख्र करेंगी। यह अलग बात है कि अगर आपका वजन कुछ ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करेंगी, पर अपने शरीर को लेकर सकारात्मक सोच को खत्म बिल्कुल नहीं करेंगी और उसे अच्छा ही मानेंगी।

आप हमेशा यह मानेंगी कि आप दिल, दिमाग और शरीर तीनों से बेहद खूबसूरत हैं। भले ही आपके बारे में कोई कुछ भी कहे, आप उसकी बात का बुरा नहीं मानेंगी। अगर आप ऐसा सोचेंगी तो सच मानिए, आप गॉर्जियस दिखेंगी।

एक प्यारी मुस्कुराहट लोगों का ध्यान हमेशा आकर्षित करती है और चेहरे पर भी नूर लाती है। इसलिए अब से चेहरे पर हमेशा तनाव लाने की बजाय मुस्कुराहट बनाए रखेंगी। एक प्यारी मुस्कुराहट आपके चेहरे पर चार चांद लगा देगी।

अगर आपके बाल हेल्दी या फिर त्वचा का टोन अच्छा है तो उस पर नाज करेंगी। अपनी कमी को देकर दुखी नहीं होंगी। बाल सफेद हो रहे हैं, उनमें रूसी है तो उन्हें देख-देखकर चिढ़ेंगी नहीं, इन्हें दूर करने के उपाय खुशी-खुशी करेंगी।

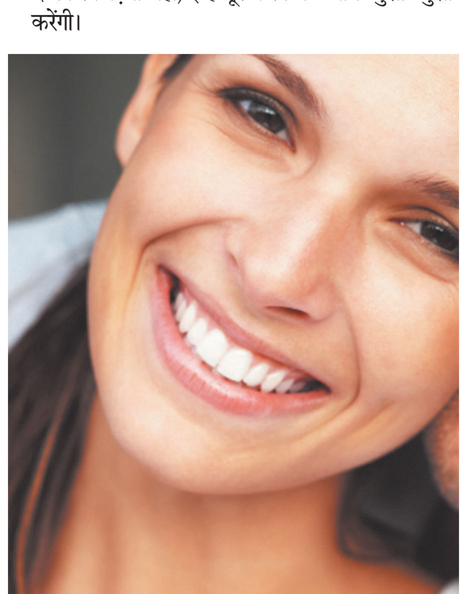

आप संवरिए
लेकिन जरा संभलकर

खास मौकों पर सज-संवरकर चेहरे की सुंदरता बढ़ाना वैसे तो कोई बुरी बात नहीं, लेकिन कई बार रोजाना भारी-भरकम मेकअप करने की आदत और पुराने या कम गुणवत्ता वाले ब्यूटी उत्पाद कुछ देर की सुंदरता और लंबे समय की बीमारी लेकर आते हैं।

ब्लीच

लोग स्किन की टेनिंग कम करने के लिए या चेहरे के बालों को छिपाने के लिए ब्लीच करते हैं, लेकिन इससे कई बार स्किन एलर्जी हो जाती है।

उपाय: ब्लीच को 24 घंटे पहले कान के पीछे लगाकर टेस्ट कर लें, अगर कोई एलर्जी न हो तभी ब्लीच करें। टेनिंग दूर करने के लिए ब्लीच कर रहे हैं तो संतरे, पपीते का पल्प या चंदन पाउडर लगा सकते हैं।

डियो और परफ्यूम

डियोड्रेंट का ज्यादा प्रयोग अंडरआर्म्स की त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। खुजली की समस्या हो, परफ्यूम से छींके आती हों या सांस के रोगी हों तो इनका प्रयोग न करें।

उपाय: डियो या परफ्यूम में कैमिकल्स होते हैं, इन्हें सीधे बॉडी पर न लगाकर कपड़ों पर लगाएं।

आई मेकअप के नुकसान

अगर आप आई मेकअप करने के बाद आंखों में कॉन्टेक्ट लैंस लगाते हैं तो ऐसे में बैक्टीरिया कोर्निया तक पहुंच जाता है जिससे कोर्नियल इंफेक्शन का खतरा रहता है। कई बार मेकअप करने से बैक्टीरिया का मैंब्रेन (झिल्ली) से संपर्क होता है।

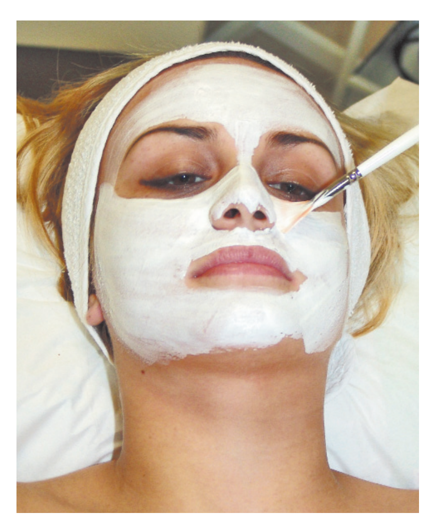

नेलपॉलिश

नेलपॉलिश लगाने के बाद हमें नाखूनों की मैल नहीं दिखती जिससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है।

उपाय: नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें और खाना बनाने या खाने से पहले नेलपॉलिश को सुखा लें।

फाउंडेशन और ब्लशर

इनके रोजाना प्रयोग से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। त्वचा के अंदर जमी गंदगी और तेल बाहर नहीं आ पाते, जिससे छिद्रों में मवाद जमने से कील-मुहांसे होने लगते हैं।

उपाय: ब्यूटी प्रोडक्ट की क्वालिटी का ख्याल रखें। त्वचा ऑयली है तो वॉटर बेस प्रोडक्ट और रूखी है तो ऑयल बेस स्किन प्रोडक्ट का प्रयोग करें।